

# मिरा भाईदर महानगरपालिका

महापालिका सभागृह कार्यालय,  
तिसरा मजला,  
दि. ०४/०७/२००५

आज दि. ०४/०७/२००५ रोजी दि. २०/०६/२००५ रोजीची मिरा भाईदर महानगरपालिकेची तहकूब झालेली महासभा सकाळी ११.०० वाजता सभा सुचना क्र. ०२ दि. १०/०६/२००५ रोजीच्या विषयपत्रिकेवर विचार विनिमय करणेकरिता महापालिका सभागृह, ३ रा मजला येथे मा. महापौर यांच्या अध्यक्षतेखाली भरली असता खालीलप्रमाणे सदस्य हजर होते.

## उपस्थित सदस्य

|     |   |                            |
|-----|---|----------------------------|
| १)  | श्रीम. निर्मला बाबुराव सावळे                                  | महापौर                     |
| २)  | श्री. चंद्रकांत सिताराम वैती                                  | उपमहापौर                   |
| ३)  | श्री. पाटील मोहन मधुकर  | सभापती, स्थायी समिती       |
| ४)  | श्री. कोलासो लिओ इजिदोर                                       | सभागृह नेता                |
| ५)  | श्रीम. आल्मेडा जेन्वी युस्टस                                  | सभापती, महिला बालकल्याण    |
| ६)  | श्रीम. सपार उमा विश्वनाथ                                      | उप-सभापती, महिला बालकल्याण |
| ७)  | श्री. अनंत रामचंद्र पाटील                                     | सदस्य                      |
| ८)  | श्रीम. म्हात्रे संगीता विजय                                   | सदस्या                     |
| ९)  | श्रीम. डिसोजा ज्युडी थॉमस                                     | सदस्या                     |
| १०) | श्री. शेख आसिफ गुलाब  | सदस्य                      |
| ११) | श्री. ठाकुर नितिन गोपीनाथ                                     | सदस्य                      |
| १२) | श्री. तिवारी सुरेंद्रप्रसाद मुरलीधर                           | सदस्य                      |
| १३) | श्रीम. म्हात्रे नयना गजानन                                    | सदस्या                     |
| १४) | श्री. अग्रवाल धनराज नंदलाल                                    | सदस्य                      |
| १५) | श्री. अग्रवाल ओमप्रकाश गंगाधरजी                               | सदस्य                      |
| १६) | श्रीम. करंबेळे प्रियांका प्रकाश                               | सदस्या                     |
| १७) | श्रीम. गोहिल शानु   | सदस्या                     |
| १८) | श्री. सिंग मदन उदितनारायण                                     | सदस्य                      |
| १९) | श्री. रोहिदास शंकर पाटील                                      | गटनेता                     |
| २०) | श्री. भुदेका शिवप्रकाश प्रल्हादराय                            | सदस्य                      |
| २१) | श्री. भोईर गजानन लक्ष्मण                                      | सदस्य                      |
| २२) | श्री. नलावडे दिनेश दगडू                                       | सदस्य                      |
| २३) | श्री. पांडे हंसु कमलकुमार                                     | सदस्य                      |
| २४) | श्रीम. पाटील सुनिता कैलास                                     | सदस्या                     |
| २५) | श्रीम. पाटील लिला गुरुनाथ                                     | सदस्या                     |
| २६) | श्री. पाटील प्रफुल्ल काशिनाथ                                  | सदस्य                      |
| २७) | श्री. पाटील जयंत महादेव                                       | सदस्य                      |
| २८) | श्री. रविंद्र भीमदेव माळी                                     | गटनेता                     |
| २९) | श्रीम. हसनाळे ज्योत्स्ना जालिंदर<br>उर्फ<br>शिंदे पुजा प्रताप | सदस्या                     |
| ३०) | श्रीम. वाडे जिवी हिरा   | सदस्या                     |
| ३१) | श्रीम. अनिता जयवंत पाटील                                      | सदस्या                     |
| ३२) | श्री. गावंड हरेश लक्ष्मण                                      | सदस्य                      |
| ३३) | श्रीम. भोईर जयाबाई यशवंत                                      | सदस्या                     |
| ३४) | श्री. आसिफ गुलाम पटेल   | सदस्य                      |
| ३५) | श्री. भोईर सुर्यकांत अनंतराव                                  | सदस्य                      |
| ३६) | श्रीम. गायकवाड सुरेखा यशवंत                                   | सदस्या                     |
| ३७) | श्री. खान शफीक अहमद   | सदस्य                      |

|     |                                 |                    |
|-----|---------------------------------|--------------------|
| ३८) | श्रीम. सय्यद नुरजहाँ नझरहुसेन   | सदस्या             |
| ३९) | श्री. मेन्डोसा स्टिवन जॉन       | सदस्य              |
| ४०) | श्री. रोहिदास आत्माराम पाटील    | सदस्य              |
| ४१) | श्री. कुरेशी याकुब इस्माईल      | सदस्य              |
| ४२) | श्रीम. उर्मिला कोमल भामरे       | सदस्या             |
| ४३) | श्री. घोन्सालवीस जोजफ जॉन       | सदस्य              |
| ४४) | श्री. शशिकांत रतिलाल शहा        | सदस्य              |
| ४५) | श्रीम. शाह रिटा सुभाष           | सदस्या             |
| ४६) | श्री. पाटील ध्रुवकिशोर मन्साराम | सदस्य              |
| ४७) | श्रीम. नरावत भवरीकुंवर चैनसिंह  | सदस्या             |
| ४८) | श्री. पाटील रतन कृष्णा          | गटनेता             |
| ४९) | श्री. पाटील शरद केशव            | सदस्य              |
| ५०) | श्रीम. गोयंका सुधा लक्ष्मीकांत  | सदस्या             |
| ५१) | श्री. शशिकांत जगन्नाथ भोईर      | गटनेता             |
| ५२) | श्रीम. मुक्ता प्रविण रांजणकर    | सदस्या             |
| ५३) | श्रीम. नाईक शुभांगी सिताराम     | सदस्या             |
| ५४) | श्री. मेहता नरेंद्र             | सदस्य              |
| ५५) | श्री. म्हात्रे तुळशीदास दत्तू   | सदस्य              |
| ५६) | श्रीम. जानी कैलासबेन दिनेशचंद्र | सदस्या             |
| ५७) | श्रीम. शाह रक्षा एस.            | सदस्या             |
| ५८) | श्री. पाटील मिलन गोविंदराव      | सदस्य              |
| ५९) | श्री. ठाकूर प्रकाश पांडुरंग     | नामनिर्देशित सदस्य |
| ६०) | श्री. दुबोले प्रकाश शंकर        | नामनिर्देशित सदस्य |
| ६१) | श्री. पांगे संजय नारायण         | नामनिर्देशित सदस्य |
| ६२) | श्री. सुवर्णा रोहित मोहनचंद्र   | नामनिर्देशित सदस्य |
| ६३) | श्री. टेरी पॉल परेरा            | नामनिर्देशित सदस्य |

### गौरहजर सदस्य

|     |                                |                 |
|-----|--------------------------------|-----------------|
| १)  | श्री. पाटील परशुराम दामोदर     | विरोधी पक्षनेता |
| २)  | श्रीम. गोविंद हेलन जॉर्जी      | सदस्या          |
| ३)  | श्री. बोर्जीस हॅरल जॉर्ज       | सदस्य           |
| ४)  | श्री. चिंतामण कमलाकर पाटील     | सदस्य           |
| ५)  | श्री. पाटील अशोक बळवंत         | सदस्य           |
| ६)  | श्री. म्हात्रे मिलन वसंत       | गटनेता          |
| ७)  | श्रीम. पाटील प्रभात प्रकाश     | सदस्या          |
| ८)  | श्री. घरत केशव रामभाऊ          | सदस्य           |
| ९)  | श्री. गावंड आत्माराम बाळाराम   | सदस्य           |
| १०) | श्री. म्हात्रे परशुराम पद्माकर | सदस्य           |
| ११) | श्री. मोदी चंद्रकांत भिकालाल   | सदस्य           |
| १२) | श्रीम. फॅरो ग्रिटा स्टीफन      | सदस्या          |
| १३) | श्रीम. मेंडोसा मायरा गिल्बर्ट  | सदस्या          |
| १४) | श्री. पाटील अशोक पांडुरंग      | सदस्य           |
| १५) | श्री. कोलासो जेम्स इजिदोर      | सदस्य           |
| १६) | श्रीम. पाटील भानु भगवान        | सदस्या          |
| १७) | श्रीम. जैन गिता भरत            | सदस्या          |
| १८) | श्री. रॉड्रिक्स मॉरस जोजफ      | सदस्य           |
| १९) | श्रीम. चौहाण महेंद्रसिंग       | सदस्य           |
| २०) | श्री. प्रेमनाथ गजानन पाटील     | सदस्य           |
| २१) | श्री. जैन रमेश धरमचंद          | सदस्य           |

**मा. महापौर :-**

सचिवांनी सभेच्या कामकाजाला सुरुवात करावी.

(प्र. सचिव श्री. विजय पाटील यांनी विषयपत्रिकेचे वाचन केले.)

**गजानन भोईर :-**

मा. महापौरांच्या परवानगीने, आपल्या महापालिकेचा सफाई कामगार आपल्या महापालिकेत अनेक वर्षापासून काम करित आहे. त्याच्या मुलाने एक चांगले यश मिळविलेले आहे. सदर विद्यार्थी कॉम्प्युटर इंजिनियरमध्ये शिकत आहे. सदर विद्यार्थ्याने १३०० पैकी ९३५ मार्क मिळविलेले आहेत. त्या विद्यार्थ्याला ७१.९२ टक्के मार्क मिळालेले आहेत. तो विद्यार्थी पॉलिटेक्निकमध्ये पहिला आलेला आहे. त्या विद्यार्थ्याचा महापालिकेला गर्व आहे. सदर गुणी विद्यार्थ्याचा सत्कार करणे हे महासभेचे कर्तव्य आहे असे मी या ठिकाणी मा. महापौर, मा. आयुक्त साहेबांना निवेदन करतो आणि सदर विद्यार्थ्याचा सत्कार करावा अशी विनंती करतो. जेणेकरून सदर विद्यार्थ्यांचे मनोबल वाढेल आणि त्याला प्रोत्साहन मिळेल.

**लिओ कोलासो :-**

मा. महापौरसाहेबा, सन्मा. सदस्य गजानन भोईर यांनी गुणवंत विद्यार्थ्यांचा यथोचितरित्या सत्कार करावा अशा स्वरूपाचे विचार व्यक्त करणारा ठराव मांडलेला आहे. परंतु, मी सभागृहाचे लक्ष मा. महापौरांच्या मागील सभेच्या भाषणाकडे वेधु इच्छितो की सदरच्या भाषणामध्ये सभेच्या सुरुवातीला सन्मा. महापौरसाहेबांनी तथा पीठासीन अधिकाऱ्यांनी त्यावेळी जाहिर केलेले आहे की मिरा भाईंदर शहरातील सर्व गुणवंत विद्यार्थ्यांचा जाहिर सत्कार महापालिकेच्यावतीने करण्यात येणार आहे. त्याप्रमाणे त्याच्याबद्दलची कार्यवाहीसुद्धा सुरु आहे याची मला माहिती आहे. सदर प्रश्नामध्ये ज्या शाळांकडून माहिती येणे आवश्यक होती ती आलेली आहे किंवा नाही याबाबत सांगायचे झाले तर ती माहिती परिपूर्णरित्या आलेली नाही. त्यामुळे हा विषय आजच्या सभागृहात ठरावाच्या रूपाने घेण्याबद्दलची आवश्यकता नसावी असे मला वाटते.

**गजानन भोईर :-**

मी फक्त तशी विनंती केलेली आहे.

**शरद पाटील :-**

मा. महापौर मॅडम, सन्मा. सदस्य लिओ कोलासो साहेबांनी आता सांगितले तसा ठराव मांडलेला नाही. आपल्या महापालिकेतील एक सफाई कामगार ज्याचा मुलगा आपल्या पॉलिटेक्निकमध्ये, आपल्या मिरा भाईंदरमध्ये पहिला नंबर काढतो. हे खरे म्हणजे गौरवास्पद आहे. त्या मुलाचा सत्कार करावा जेणेकरून त्या मुलाचे मनोबल वाढेल. यासाठी आता ही विनंती केलेली आहे. तो विद्यार्थीसुद्धा इथे हजर आहे. आपण ही विनंती मान्य करावी अशी माझी विनंती आहे.

**रतन पाटील :-**

मा. महापौरांच्या परवानगीने बोलतो की सन्मा. सदस्य लिओ कोलासोसाहेब यांनी आता जे वक्तव्य केले. ते योग्य नाही. कारण ते स्वतः सर आहेत. सराने एका विद्यार्थ्याच्या संदर्भात असे वक्तव्य करणे बरोबर नाही. आज तो विद्यार्थी या ठिकाणी आलेला आहे. त्याला या सभागृहाने प्रोत्साहन दिले पाहिजे. त्याचा सन्मान झाला पाहिजे. आपल्या एका सफाई कामगाराचा मुलगा मिरा भाईंदरला शोभेल असे मार्क मिळवून पहिला आलेला आहे आणि त्याच्यात मिरा भाईंदरचा सन्मान वाढेल. मिरा भाईंदर महापालिकेचा सफाई कामगाराचा मुलगा आज एवढ्या चांगल्या मार्काने आपल्या महापालिका क्षेत्रातील पॉलिटेक्निकमध्ये येतो. त्याचा सन्मान करणे गरजेचे आहे. मी तशी मा. महापौर आणि मा. आयुक्त साहेबांना विनंती करतो.

**प्रफुल्ल पाटील :-**

पिंजऱ्यातल्या मास्तरांची सरांशी तुलना कशाला करता?

**मा. महापौर :-**

सर्व सन्मा. सदस्यांच्या भावना लक्षात घेता आपण पुढील महासभेमध्ये ह्या सर्व गुणवंत विद्यार्थ्यांचा सत्कार करणार आहोत. आपल्या मागील सभेच्या ठरावामध्ये तसे मांडण्यातसुद्धा आलेले आहे.

**गजानन भोईर :-**

मा. महापौर मॅडम, तो मुलगा या ठिकाणी आलेला आहे.

**रतन पाटील :-**

मा. महापौर मॅडम, मुलगा आलेला आहे. आपण आपल्या हस्ते सत्कार करावा. फुलगुच्छ आमच्याकडे आहे. मा. महापौरांनी आपल्या हस्ते फुलगुच्छ दयावा.

**जयंत पाटील :-**

आपणसुद्धा एक शिक्षिका आहात. इकडे सर आहेत. त्यांच्याकडेसुद्धा एक सर आहेत. त्यांनी कालच नारायण राणेसाहेब सरांमुळे बाहेर गेले. त्यामुळे सर पद महत्वाचे नाही. तो मुलगा जर आला असेल तर सत्कार दोन मिनिटांमध्ये करायला हरकत नसावी. ही एक अभिमानास्पद गोष्ट आहे. शिवाय तो सफाई कामगारांचा मुलगा खरोखरच उच्च पदावर शिकत आहे. तरी मुलाचा अपेक्षाभंग करू नका अशी माझी विनंती आहे.

### शुभांगी नाईक :-

मा. महापौर मॅडम, त्याच्याबरोबर त्याचे पालकसुध्दा आले आहेत. सफाई कामगारालासुध्दा सोबत आणावे.

### रिटा शाह :-

मा. महापौर मॅडम, आपल्या मिरा भाईंदर महानगरपालिकेच्या क्षेत्रातील सफाई कामगारांचा मुलगा आहे असा आपण त्याच्या सन्मानाचा ठराव मांडू शकत नाही. हे मी मान्य करते. परंतु, आपण ह्या सभागृहात काही अभिनंदनाचे ठराव पारित केलेले आहेत. मग त्या विद्यार्थ्यांच्या अभिनंदनाचा ठराव मी पारित करित आहे.

### रोहित सुवर्णा :-

सगळ्या नगरसेवकांनी उभे रहावे अशी माझी विनंती आहे.

### मिलन पाटील :-

मा. महापौर साहेब, गुणवंत मुलांच्या सत्काराची नेहमीची प्रथा आहे. परंतु, आता मिटींग ताबडतोब लागतच होती. त्यामुळे सत्कार लगेच करता आला. परंतु, शिक्षण अधिका-याने सर्व विद्यार्थ्यांची नांवे मा. आयुक्तसाहेबांना देउन आज त्यांचा सत्कार ठेवायला पाहिजे होता. शिक्षण अधिका-याला याची कल्पना असायला पाहिजे होती. हे काही शिक्षण अधिका-याला कळत नाही. एकत्र सत्कार ठेवण्यासाठी मा. आयुक्त, मा. महापौरांची परवानगी घ्यावी हे शिक्षण अधिका-याला कळायला पाहिजे. ह्याच्याबाबतीत शिक्षण अधिका-यांना समज द्या. त्यांनी सौजन्य दाखवायला पाहिजे.

### रोहिदास पाटील :-

मा. महापौरांच्या परवानगीने बोलतो की ही तहकुब सभा आहे. मी ह्या सभागृहात जाणू इच्छितो की ही सभा तहकुब कुठून झाली, कोणत्या विषयावर तहकुब झाली, कोणत्या भाषणावर तहकुब झाली, कशा पध्दतीने ही सभा तहकुब झाली होती. मागच्या सभेबद्दल मला एवढेच आठवते की मा. महापौरांनी मला एक विषयावर बोलायला संधी दिलेली होती. त्याच्यानंतर ती सभा तहकुब कुठे झाली, काय झाले, नंतर काय झाले हे काहीही कळले नाही. त्याचा जरा खुलासा करून पुढचे कामकाज चालू करावे.

### मिलन पाटील :-

हा मा. महापौरांचा अधिकार आहे. त्यांनी तो वापरला.

### रोहिदास पाटील :-

सन्मा. सदस्य मिलन पाटील, तुम्ही अजूनपर्यंत महापौर झालेले नाही. तुम्ही महापौर झाल्यावर बोला. मा. महापौर मॅडम, आम्हाला याची माहिती मिळावी की ही सभा ह्या-ह्या कारणास्तव, अशा-अशा ठिकाणी तहकुब झाली, त्याच्या पुढची चर्चा किती व्हॅलीड आहे किंवा व्हॅलीड नाही ते सांगा. कारण तुम्ही त्या दिवशी मला बोलायला परवानगी दिलेली होती आणि नंतर ती सभा तहकुब झाली होती. प्रथम त्या दिवशी असे काय झाले त्याचे निवेदन करा. ती सभा चालू होती हे ठिक आहे. परंतु, आम्हाला त्याची पार्श्वभूमी सांगा.

### मा. महापौर :-

सन्मा. सदस्य रोहिदास पाटील, आपण त्या दिवशी सभेला हजर होते. तुम्हाला बोलायला संधी दिलेली होती. आपल्यासमोरच जे प्रकरण घडले, सभेमध्ये जे वातावरण होते ते आपल्याला माहितच आहे. त्या वातावरणामुळे ती सभा तहकुब झालेली होती. परंतु, आता तो विषय नाही. आपण तहकुब सभा पुन्हा लावलेली आहे. आता विषय वाचून झालेला आहे. आपण पुढच्या विषयाची चर्चा करूया.

### रोहिदास पाटील :-

त्या सभेतील वातावरण वादळासारखे होण्या एवढी काहीही परिस्थिती नव्हती. सगळे हसतखेळत होते. सगळी परिस्थिती चांगली होती. मा. महापौर मॅडम, मला तुम्हाला त्रास दयायचा नाही. तुम्ही मला बोलायला परवानगी दिलेली होती. तुम्ही परवानगी दिली नसती तर प्रश्न विचारला नसता. तुम्ही परवानगी दिली असतानाच सभा तहकुब केली. ती तहकुब केल्यानंतर एक ठराव झाला. ती सभा का तहकुब केली त्याचे निवेदन करा. सभा कुठे तहकुब केली. या ठिकाणी सभा तहकुब केली असे तुमचा रेकॉर्ड काय बोलतो. वातावरण खराब करायला सन्मा. सदस्या कैलासबेन जानी यांना मागे चक्कर आली तशी कुणाला चक्कर आलेली नव्हती.

### मा. महापौर :-

आपले विषय क्र. १५ पर्यंत विषय पूर्ण झालेले होते. नंतर सभागृहामध्ये जे वातावरण निर्माण झाले त्याच्यामुळे सभा तहकुब करण्यात आलेली होती.

### रोहिदास पाटील :-

मी वातावरणाच्या संबंधात बोलत नाही. गुजरातमध्ये पुर आला असेल, कुठे काय झाले त्याचा ह्याच्याशी काहीही संबंध नाही. मा. महापौर मॅडम, आम्ही तुमचा सन्मान करतो. तुम्ही आम्हाला सांगा की हा विषय इथपर्यंत झाला होता. नंतर दुःखवट्याचा ठराव मांडला असे असेल तर तसे सांगा. जोपर्यंत मी उभा होतो. तोपर्यंत दुःखवट्याचा ठराव नव्हता असे मला वाटते. तो दुःखवट्याचा ठराव कधी मांडला, काय केले, ते प्रकरण कधी निघाले, दुःखवट्याचा ठराव कधी मांडला. एक उभा आहे, एक हात वर करतो, एक बसलेला

आहे, एक झोपलेला आहे असे दुःखवट्याचे ठराव सभागृहात मांडतात का? त्या दुःखवट्याच्या ठरावाला कोणी विरोध केला नसता. परंतु, तो ज्या पध्दतीने मांडला गेला ती एक सन्मानित नेत्याची, अभिनेत्याची विटंबना आहे. आपण हा आटापिटा कशासाठी करता? दुःखवट्याचा ठराव पुर्ण झाला नसेल तर त्याच्यामध्ये अॅड करा. आमचे सुंदरसिंग भंडारी त्यांचा अॅड करा. नवघरला मोरेश्वर पाटील यांची छोटी वहिनी त्यांचे निधन झाले त्यांचे अॅड करा. म्हणजे दुःखवट्याच्या ठरावाला अनेकांची नावे असतात. ती नांवे घ्यायला लागतात. एक उठले बोलले आणि तेवढेच नांव लिहिले म्हणजे ठराव संपला का? तुम्ही ह्या पध्दतीने सभागृह कशासाठी चालविता. अभिनंदन आणि दुःखवट्याच्या ठरावाला आमचा आजपर्यंत विरोध नाही. कोणत्याही सन्मा. सदस्याने त्याला विरोध केलेला नाही हा आमचा जवळजवळ पंधरा वर्षांचा अनुभव आहे. एखादयाचे नांव आठवले तर सांगा आपण ते अॅड करू असे विचारले जाते. आता काय झाले ते सांगा.

**रोहित सुवर्णा :-**

मा. महापौर मॅडम, आपण समाधानकारक उत्तर द्याल अशी आम्हाला तुमच्याकडून अपेक्षा आहे.. नेमके काय कारण होते ते आम्हाला माहिती नाही. आम्हालासुध्दा त्या दिवशी दोन मिनिट उभे रहायचे होते. सुनील दत्तसाहेब हे या जगामध्ये नाहीत याचे आम्हाला दुःख आहे. अतिशय चांगले नट होते, केंद्रिय मंत्री होते, लोकसभेत ते खासदार म्हणून निवडून आले. त्या दिवशी आम्हीदेखील त्यांना श्रध्दांजली अर्पित करू शकलो नाही. त्याला काय कारण आहे? अचानकपणे तो फोन येणे की महाराष्ट्रामध्ये काय घडले आम्हाला काही माहिती नाही.

**मा. उपमहापौर :-**

मा. महापौरांच्या परवानगीने बोलतो की सन्मा. सदस्य रोहिदास पाटील यांनी जो प्रश्न उपस्थित केलेला आहे.

**रोहित सुवर्णा :-**

मा. महापौर मॅडम, आम्हाला तुमच्याकडून उत्तराची अपेक्षा आहे.

**मा. महापौर :-**

सन्मा. सदस्य रोहित सुवर्णा, आपण खाली बसा. माझ्यावतीने मा. उपमहापौरसाहेब बोलत आहेत.

**रोहित सुवर्णा :-**

मा. महापौर मॅडम, तुमच्यावतीने नाही. तुम्ही सभागृहामध्ये उपस्थित असताना जर मा. उपमहापौरसाहेब बोलतात हे सभाशास्त्र नियमाच्या बरोबर नाही.

**मा.उपमहापौर :-**

सन्मा. सदस्य रोहित सुवर्णा तुम्ही खाली बसा. मा. महापौर मॅडम बोलतील. मला मा. महापौर मॅडमनी खुलासा करायला सांगितलेला आहे. आम्हाला फक्त सुचना करायची आहे.

**रोहित सुवर्णा :-**

मा. महापौर मॅडमची तब्येत बरी नाही का?

**मा. महापौर :-**

सन्मा. सदस्य रोहित सुवर्णा आपण बसून घ्यावे.

**मा. उपमहापौर :-**

सन्मा. सदस्य रोहित सुवर्णा, तुम्हीच बोला.

**रोहित सुवर्णा :-**

मा. महापौर मॅडम, आपण सभागृहामध्ये उत्तर देऊ शकता.

**मा. महापौर :-**

सन्मा. सदस्य रोहित सुवर्णा, आपण बसून घ्या. मा. उपमहापौरसाहेब बोलल्यानंतर मी बोलेन. मा. उपमहापौरसाहेब त्यांचे मत मांडत आहेत.

**रोहित सुवर्णा :-**

मा. उपमहापौरसाहेब त्यांचे मत मांडत आहेत मग ठिक आहे.

**मा. महापौर :-**

सन्मा. सदस्य रोहित सुवर्णा, तुमचे समाधान होईल अशा प्रकारे मी मा. उपमहापौरसाहेबांना बोलायला सांगितलेले आहे. तुम्ही खाली बसावे.

**मा. उपमहापौर :-**

सन्मा. सदस्य रोहिदास पाटील यांनी आता सभागृहात मागची सभा का तहकुब झाली, कुठल्या मुद्दयावर झाली असा प्रश्न उपस्थित केलेला आहे. मागच्या सभेच्यावेळी मी अनुपस्थित होतो. म्हणून मी त्या सभेविषयी बोलू शकत नाही. परंतु, मा. महापौर मॅडमनी आता सांगितले की विषय क्र. १५ पर्यंत आपले विषय झालेले होते. सन्मा. सदस्य रोहिदास पाटीलसाहेबांनी दुःखवटा ठरावाबद्दल सांगितले की अजूनही काही लोकांचे शोकप्रस्ताव घ्यायचे होते. आपल्याला ती नांवे द्यायची असतील तर सभेच्या शेवटी ती नांवे समाविष्ट करून घ्यावीत. मागच्या सभेच्यावेळी सभागृहातील वातावरण गोंधळाचे होते. त्यामुळे ती सभा तहकुब केलेली होती असे आताच मा. महापौर मॅडमनी सांगितलेले आहे. प्रथम तहकुब सभेचे विषय सुरु करायचे आहेत.

सचिवांनीदेखील तसे सांगितलेले आहे. आपल्याला नेमके काय सांगायचे आहे ते सांगून आपण सभेला सुरुवात केली तर अधिक चांगले राहिल.

**रोहिदास पाटील :-**

मा. उपमहापौर साहेब, तुम्हाला त्या सभेतील वातावरणाचा अजिबात अंदाज नाही. त्यामुळे त्या सभेबद्दल तुम्ही बोलू शकत नाही. त्याबद्दल तुम्हाला धन्यवाद. ते वातावरण काय होते. ते तुम्हाला समजले असेल असे मला वाटत नाही. कारण ते वातावरण अधिक सुप्त होते, अधिक गुप्त होते. सभागृहातील लोकांना आता ते समजले नाही तर जाऊ दे. मला त्या गोष्टीवर बोलायचे नाही. तुम्ही पाणी प्रश्नासाठी बोलायला मला संधी दिलेली होती. ती संधी देताना तुम्ही असे समजता का की सभागृहात न बोलल्यामुळे तुम्ही पाण्याचा प्रवाह बदलू शकता. कोणाची मते बदलू शकता? तेथील घटना बदलू शकता. हा पाण्याचा विषय होता. तुम्ही मला त्या विषयावर का बोलायला दिलेले नाही हेसुद्धा मला विचारायला लागेल. असे कोणतेच वातावरण नव्हते. त्या विषयावर बोलायला पाहिजे होते. आम्ही एक पक्षीय आमचा मुद्दा मांडलेला होता. हया सभागृहात काय चाललेले आहे, या महापालिकेत काय चाललेले आहे. लोकांना पाण्याची गरज लोकांना आहे की नाही. तुम्ही आम्हाला मत मांडायला द्यायला पाहिजे होते. दोन्ही प्रश्न सुसंगत होते. तुम्ही पाणी प्रश्नावर बोलु दिले नाही आणि श्रध्दांजलीही नीट वाहिली नाही.

**मोहन पाटील :-**

सन्मा. सदस्य रोहिदास पाटील यांनी तहकुब सभा का झाली असा या ठिकाणी मुद्दा उपस्थित केलेला आहे.

**रोहित सुवर्णा :-**

मा. महापौर मॅडम, मा. सभापती परवानगी घेत नाहीत.

**रोहिदास पाटील :-**

मा. सभापती हेसुद्धा हयांचेच मत मांडतात का?

**मोहन पाटील :-**

मी परवानगी मागितलेली आहे.

**रोहिदास पाटील :-**

मा. महापौर मॅडम, आम्ही तुम्हाला त्रास देत नाही. आम्ही तुम्हाला कोणताही अडचणीचा प्रश्न टाकत नाही. आम्ही फक्त आमचे मत मांडतो. ही काय चिडवाचिडवी नाही. हयाचा कशासाठी काहीही उपयोग नाही. आता मी त्याच्या पलिकडचे बोलतो की, सुनिल दत्त यांना श्रध्दांजली वाहिली नसती तरी ते योग्य ठिकाणी पोहोचलेले आहेत आणि जर एम.कॉम. शिकलेल्या लोकांची अशी श्रध्दांजली असेल तर त्यांना दुःख होईल.

**आसिफ शेख :-**

मा. महापौर साहेबा, सन्मा. सदस्य रोहिदास पाटील हे ज्या पध्दतीने या ठिकाणी बोलतात आम्ही त्यांना एक शिक्षण सम्राट म्हणून पाहतो. ते विद्वान आहेत, अतिशय हुशार आहेत. त्यांच्या तोंडून सरस्वतीचे मंदिर चालते अशा व्यक्तीकडून सन्मा. सुनील दत्त यांच्याबद्दल असे वक्तव्य चुकीचे आहे.

**रोहिदास पाटील :-**

आमच्या तोंडून कधीही अपशब्द येणार नाही. आम्ही अपशब्द कधीही बोलणार नाही. परंतु, श्रध्दांजली कशी वाहिली पाहिजे ते सांगा.

**आसिफ शेख :-**

सन्मा. सदस्य श्री. रोहिदास पाटील आपण ते योग्य ठिकाणी पोहोचलेले आहेत याचा अर्थ काय? असे वक्तव्य आपल्या तोंडी शोभत नाही. एखादया नवीन सन्मा. सदस्याने अशाप्रकारचे वक्तव्य केले तर आम्ही मानले असते. सन्मा. सदस्य रोहिदास पाटील, आपण या सभागृहात ज्येष्ठ आहात. आपल्या तोंडून सरस्वतीचे मंदिर चालते. अशा व्यक्तीच्या तोंडून असे वक्तव्य निघणे योग्य होणार नाही. शिवाय 'शांतीदुत' पदवी बहाल केली अशी सज्जन व्यक्ती असे वक्तव्य करते. सन्मा. सदस्य रोहिदास पाटील, आपले हे वक्तव्य चुकीचे आहे. सन्मा. सदस्य रोहिदास पाटील, आपण माफी मागायला पाहिजे. हे चुकीचे आहे.

**रोहिदास पाटील :-**

सन्मा. सदस्य आसिफ शेख, सुनील दत्तसाहेब योग्य जागी आहेत. मा. महापौर मॅडम, तुम्ही सन्मा. सदस्य आसिफ शेख यांना बोलायला संधी देऊ नका.

**गजानन भोईर :-**

सुनील दत्त हे सज्जन व्यक्ती आहेत. मग तुम्ही त्यांचा प्रस्ताव चुकीचा का मांडला होता?

**रोहिदास पाटील :-**

सज्जन व्यक्तींचा प्रस्ताव असा कसा मांडला?

**आसिफ शेख :-**

सन्मा. सदस्य रोहिदास पाटील, आपण चुकीचे बोललात. आपण माफी मागायला पाहिजे. आम्हाला हे पटलेले नाही.

**रोहिदास पाटील :-**

सन्मा. सदस्य आसिफ शेख, तुम्ही त्या दिवशी बोलायला पाहिजे होते. तुम्ही अपमान केलेला आहे. तुम्ही त्या घटनेचा अपमान केला, सभागृहाच्या कामकाजाचा, सभाशास्त्राचा अपमान केला.

**आसिफ शेख :-**

मागच्यावेळेला सभा तहकुब झालेली होती. मागची सभा तहकुब झाल्यानंतर आज परत सभा लागलेली आहे. जे झाले गेले ते गंगेला मिळाले. आता नवीन सुरुवात झालेली आहे. आपण पुन्हा असे करतो हे योग्य नाही. आपल्यासारख्या व्यक्तीला हे शोभत नाही. सुनील दत्तसाहेबांबद्दल असे वक्तव्य योग्य नाही.

**रोहिदास पाटील :-**

सन्मा. सदस्य आसिफ शेख, तुम्ही रोज असेच करायचे आणि गंगेत धुवून यायचे असे तुमच्या बोलण्यातून दिसते.

**रोहित सुवर्णा :-**

सन्मा. सदस्य आसिफ शेख, तुम्ही स्टॅडिंगमध्ये असताना राजीनामा का दिला? तुम्हाला कुठेतरी माहिती आहे की कुठेतरी अन्याय होत आहे. म्हणून तुम्ही स्टॅडिंगला राजीनामा दिला. तुम्ही प्रभाग समितीमध्ये आहात. तुम्ही दिशाभूल करू नका.

**आसिफ शेख :-**

मी राजीनामा का दिला हे आमचा पक्ष बघेल. आमच्या पक्षात ख-या अर्थाने लोकशाही आहे. जे झाले ते योग्य झालेले आहे.

**रोहिदास पाटील :-**

परत राजीनामा दिला तर आम्ही सांगणार नाही. तो तुमचा व्यक्तीगत विषय आहे.

**मोहन पाटील :-**

मा. महापौर मॅडम, सन्मा. सदस्य रोहिदास पाटील आणि सन्मा. सदस्य रोहित सुवर्णा यांनी आपल्याला या ठिकाणी तहकुब सभेविषयी सुचना केलेली आहे. मागची सभा तहकुब होऊन आता दुसरी तहकुब सभा लागलेली आहे. आजच्या विषयपटलावर विषय आहेत. विषय बोलण्यात आलेला आहे. सन्मा. सदस्य रोहिदास पाटील त्या दिवशी हजर होते. मा. महापौरांना महापौरांचे अधिकार आहेत. त्या अधिकारामध्ये त्यांनी सभा तहकुब केलेली आहे. त्या विषयावर चर्चा न करता पुढील विषय घेऊन आपण चर्चा करावी असे मला वाटते.

**रोहित सुवर्णा :-**

परत-परत तोच विषय येत आहे.

**मोहन पाटील :-**

मा. महापौर मॅडम, आपण आपला निर्णय दयावा आणि सभा सुरु करावी.

**रोहित सुवर्णा :-**

नेमके काय कारण आहे तेच आम्ही विचारतो.

**रोहिदास पाटील :-**

सभाशास्त्र माहिती असेल तरच कारण कळेल ना.

**जयंत पाटील :-**

अध्यक्ष महाशय, काही गोष्टी आपल्याला माहिती असल्यामुळे किंवा सभागृहातील सदस्य, नगरसेवक जे ज्येष्ठ नगरसेवक आहेत. त्यांनी काही गोष्टी वाचल्या नसल्यामुळे असे प्रसंग वारंवार सभागृहात उपस्थित होतात. सभा तहकुब करणे हा अध्यक्षाचा अधिकार नाही. सभा तहकुब करणे हा सभागृहाचा अधिकार आहे. सभागृहाने कधी सभा तहकुब करायची. म्हणजे तुम्हाला त्यावेळेला अडचणी त्यावेळी आल्या असल्या तर त्यावेळेस विषय मतदानाला टाकु शकला असता. आपल्या सभेची वेळ संध्याकाळी ७.०० वाजेपर्यंत आहे. त्या दिवशी आम्ही सभागृहात होतो. असा कुठलाही प्रसंग त्या दिवशी घडलेला नव्हता की ज्याच्यामुळे सभा तहकुब व्हावी. त्या दिवशी मा. उपमहापौर साहेब नव्हते. हे त्यांनीच मान्य केलेले आहे. आजचा विषय हा तहकुब विषय आहे. हा त्या दिवशी घेता आला असता असे मला वाटते. जेणेकरून हा बटाटेवड्याचा खर्च तरी वाचला असता. आपल्याला माहिती नसेल तर माझ्याकडे सभाशास्त्राचे पुस्तक आहे. सन्मा. सदस्य रोहिदास पाटील बोलले की सुनील दत्तसाहेबांचे निधन झाल्यामुळे त्यांची इहलोकाची यात्रा संपली म्हणून दुःखाचा उराव मांडण्यासाठी आणि मांडल्यामुळे सभा तहकुब झाली. मुळातच आपले जे बायलॉज आहेत त्याच्यामध्ये सभा संपल्यानंतर दुःखाचे उराव मांडायचे असतात असा नियम आहे. म्हणजे त्या दिवशी सन्मा. सदस्य दिनेश नलावडे यांनी घाई का केली, ते काही कळत नाही. त्याच्यामुळे खरोखर ज्या तऱ्हेने सभेत तो उराव मांडायला पाहिजे होता, ज्या तऱ्हेने त्या उरावाला मान्यता मिळायला पाहिजे होती ती मान्यता मिळालेली नाही. दुसरी गोष्ट म्हणजे एखादी व्यक्ती वारल्यानंतर आपण त्याचे नोटिफिकेशन केले असेल तर आपल्याला असे आढळून येईल की नगरपालिकेने सभेची नोटिस गेल्यापासून सभा चालू होईपर्यंत या काळामध्ये एखादी महान व्यक्ती वारली तरच सभा सुरुवातीला तहकुब होते असा नियम आहे. परंतु, सुनील दत्तसाहेब जाऊन बरेच दिवस झालेले होते. योग्य तऱ्हेने तो उराव मांडायला पाहिजे होता. परंतु, तो मांडला गेलेला नाही.

सभाशास्त्रामध्ये सभा का तहकुब होते हे सांगणे अध्यक्षे काम आहे. हे जरूरीचे आहे, असा नियम आहे. आपल्या हातून जर तशी अनपेक्षित घटना घडली असेल तर त्याच्यामध्ये चुकीचा नियम होऊ नये याच्याकरिता मी बोलत आहे. काही गोष्टी आपल्याला माहिती असणे गरजेचे आहे. सन्मा. सदस्य रोहिदास पाटील मा. महापौर मॅडम नवीनच आहेत असे मला वाटते. त्यांना नगरसेवक म्हणून दोन-अडीच वर्षे झालेली आहेत. तेव्हा पहिल्या वेळेस त्यांना आपण ही गोष्ट इथेच थांबवून पुढचा विषय चालू करूया अशी मी विनंती करतो.

**रोहिदास पाटील :-**

मा. महापौर मॅडमना आपण पूर्ण अडीच वर्षे संपेपर्यंत सहकार्य करू. परंतु, कायद्याने चाला एवढेच म्हणणे आहे.

(प्र. सचिवांनी प्रकरण क्र. १६ चे वाचन घेणे.)

**प्र. सचिव :-**

या विषयाचा गोषवारा सर्व सन्मा. सदस्यांना दिलेला आहे. (गोषवाच्याचे वाचन केले.)

**रोहिदास पाटील :-**

मा. महापौर मॅडम, हया प्रस्तावामध्ये अपेक्षित किती लोक आहेत, कोण आहेत, कोणत्या कॅटेगिरीचे आहेत अशी प्रशासनाची टिपणी नाही. मा. महापौरांना एक माफ होईल त्या एकच आहेत. दुसरे पदाधिकारी कोण आहेत? ते यायला पाहिजे. त्यांचा अंदाजित काय खर्च आहे? ते यायला पाहिजे. आम्ही वीस लाखांना मंजुरी द्यायची आहे की, फक्त मा. महापौरांना मंजुरी द्यायची आहे की, फक्त एक पदाधिकार्याला मंजुरी द्यायची आहे त्याचे स्पष्ट निवेदन करा. हे काही गुपित नाही. जाणारे लोक गुपचुप जाणार नाहीत. मा. उपमहापौर साहेबांना काय आयडिया असेल तर सांगा. मा. आयुक्त साहेबांना काय आयडिया असेल तर सांगा.

**प्रफुल्ल पाटील :-**

आम्हाला शासनाचे पत्रक दाखवा.

**जयंत पाटील :-**

आपण हयाच्यामध्ये कसली गुणवत्ता ठरविणार आहात. हयाच्यामध्ये पदाधिकारी जाणार आहेत असे नमुद आहे. पदाधिकारी म्हणजे कोण? या ठिकाणी सगळेच अधिकारी आहेत. मग तुम्ही त्याच्यावर काय प्रॉयोरिटी ठरविणार आहात.

**मा. आयुक्त :-**

प्रशासनाने याबाबतीत काहीही ठरविलेले नाही. फक्त मा. महापौरांचे नक्की आहे. बाकी कोणाला पाठवायचे हया विषयावर चर्चा होऊन निर्णय घेतला जाईल.

**जयंत पाटील :-**

साहेब, माझी अशी विनंती आहे की आपल्या शहरामध्ये प्रचंड अडचणी असताना, प्रचंड कामे बाकी असताना हा नाहक खर्च करणे आपल्याला योग्य वाटतो का? ही पहिली गोष्ट झाली. दुसरी गोष्ट म्हणजे मी मागे आपल्याशी बोललो होतो. हया सभागृहामध्ये डी.सी. रूलचे पुस्तक इंग्रजीमध्ये आल्यानंतर ते आम्हाला मराठीमध्ये द्यावे असे सांगितले गेले होते. आपण आता तिकडे जाऊन मराठीमध्ये बोलणार नाही, हिंदीमध्ये बोलणार नाही. मग आमचे असे कोण पदाधिकारी आहेत जे हाय-फाय इंग्लिश बोलू शकतात. मला कळायला पाहिजे. आपण तिकडे जाऊन एग्झॅक्टली काय शिकणार आहात. ते शिक्षण आपल्या भारतामध्ये मिळत नाही का? की जे शिक्षण घेण्यासाठी आपल्याला अमेरिकेला, ऑस्ट्रेलियाला, न्युझीलंडला जायला लागत आहे. आपला देश एवढा कमजोर आहे का? की ज्या ठिकाणी शिक्षण मिळत नाही. एखाद्याने मला आमंत्रण दिले की अमेरिकेला या. आता बरीच निमंत्रणे दुबईला चाललेली आहेत येत आहे. पेपरामध्ये वाचत आहोत. तशा एखाद्या निमंत्रणाला आपण जायचे का? कोणीतरी निमंत्रण दिले. परंतु, आपला सगळा साधकबाधक विचार होणे गरजेचे आहे.

**आसिफ पटेल :-**

मा. महापौर मॅडम, या महाराष्ट्रावर रु. १००० कोटीचे कर्ज असताना आपल्या युतीचे मुख्यमंत्री फिरायला गेलेले आहेत. ते का गेले, ते भरपूर खर्च करतात. परंतु, आपण ते प्रशिक्षण घ्यायला चाललेले आहोत. याचासुध्दा विचार केला पाहिजे.

**जयंत पाटील :-**

मा. महापौर मॅडम, सन्मा. सदस्य आसिफ पटेल यांना दौ-याला जाण्यासाठी महापालिकेच्या पैशाची काहीही आवश्यकता नाही. ते असेच पाच-पन्नास लोकांना घेऊन जाऊ शकतात.

**शुभांगी नाईक :-**

सन्मा. सदस्य आसिफ पटेलसाहेब, प्रशिक्षण आहे ही चांगली गोष्ट आहे. ते प्रशिक्षण सर्वांना मिळाले पाहिजे असे आम्हालासुध्दा वाटते. परंतु, ज्यावेळेला अंधेरीला प्रशिक्षण झाले. त्यावेळेला किती नगरसेवक उपस्थित होते याचा तुम्ही प्रथम आढावा घ्या. त्यावेळेला कोणीही उपस्थित नव्हते. फक्त ठराविक मोजून पाच-सहा नगरसेवक हयांच्या पलिकडे कोणीही उपस्थित नव्हते. त्याचासुध्दा हया गोष्टीमध्ये विचार व्हावा.



**आसिफ पटेल :-**

आपले सन्मा. सदस्य त्या ठिकाणी का हजर राहिलेले नाही. आपण हा प्रश्न पत्र देउन विचारा. आता हे मुख्यमंत्री गेलेले आहेत. रु. १००० कोटीचा कर्ज असताना हया महाराष्ट्राचे मुख्यमंत्री प्रशिक्षण घेण्यासाठी गेलेले आहेत.

**शुभांगी नाईक :-**

या गोष्टीला कोणाचाही विरोध होणार नाही. सगळ्या नगरसेवकांना घेउन गेले तरी हरकत नाही. परंतु, या प्रशिक्षणासाठी किती नगरसेवक जातील याचा विचार केला का?

**रतन पाटील :-**

साहेब, मुख्यमंत्री कशासाठी केले हे आपल्याला माहिती आहे का?

**आसिफ पटेल :-**

साहेब, मुख्यमंत्री फिरायला गेलेले आहेत. तुम्ही वर्तमानपत्र वाचत नाही असे मला वाटते. कारण की आता राणेसाहेबसुद्धा मुख्यमंत्र्यांबरोबर जाणार आहेत.

**रतन पाटील :-**

मुख्यमंत्री फिरायला गेलेले आहेत हे आपण बोलता!

**आसिफ पटेल :-**

सन्मा. सदस्य रतन पाटील, मला वाटते की आपण पेपर वाचत नाही. आपण पेपर वाचावा. आपण आवाज कमी केला पाहिजे कारण राणेसाहेब आपल्याकडे येत आहेत.

**शुभांगी नाईक :-**

आपण आता चंदीगडला गेलेलो होतो. त्यावेळी तिकडे त्या लोकांना फ्री टॅक्स दिलेला होता. आपण इथे लोकांना किती टॅक्स दिला. आपले नगरसेवक जेव्हा चंदीगडला प्रशिक्षणासाठी गेले होते. त्यावेळेला तिथे फ्री टॅक्स दिलेला होता की नाही. सर्वांना फ्री टॅक्स पाहिजे कोणी नाही म्हणणार नाही. परंतु, जे इच्छुक सन्मा. सदस्य असतील तुम्हाला त्या सन्मा. सदस्यांना घेउन जायला हरकत नाही.

**रोहित सुवर्णा :-**

. तत्कालीन उपायुक्त कल्याण केळकरसाहेबांनी अंधेरीला अखिल भारतीय स्वराज्य संस्थेला लिहिलेले पत्र आहे. अशाप्रकारच्या कोर्ससाठी सात नगरसेवकांची नियुक्ती केलेली होती. महानगरपालिकेची गाडीदेखील दिली गेली होती. अंधेरीपर्यंत जायला ते रिटर्न यायला. त्यावेळीदेखील नगरसेवक उपस्थित राहिलेले नाहीत. अधिकारीदेखील गैरहजर होते.

**आसिफ पटेल :-**

मा. महापौरांच्या परवानगीने बालतो की, सन्मा. सदस्य रोहित सुवर्णाजी सात नगरसेवक गेले तरी एवढा गोंधळ झाला. मग सगळे नगरसेवक गेले असते तर हाउसच चालले नसते.

**रोहित सुवर्णा :-**

या ठिकाणी हाउस चालण्याचा प्रश्न आला नसता. हाउसमध्ये कोण नांव देत नाही.

**रतन पाटील :-**

सात नगरसेवक जाउन चांगले प्रशिक्षण घेउन आलेले आहेत. बाकीचे नगरसेवक गेले नाहीत. त्यांनी प्रशिक्षण घेतले नाही. म्हणून हे हाउस चालत नाही.

**रोहित सुवर्णा :-**

आम्ही या सभेसाठी सकाळी ११.०० वाजता आलो. काही सन्मा. सदस्य दुपारी १२.४५ ला आले.

**मा. उपमहापौर :-**

सन्मा. सदस्य आसिफ पटेलसाहेब, आपण इकडे बघून बोला. मा. महापौरांच्या परवानगीने बालतो की एच.आय.एस. इंडिया यांच्याकडील दि. ७ मे २००० च्या पत्रान्वये दि. ३१ जुलै २००५ ते दि. ११ ऑगस्ट २००५ पर्यंतचा हा दौरा आहे. ऑस्ट्रेलिया आणि न्युझीलंडबाबतचे दौरे आहेत. हया महाराष्ट्रामधील ज्या विविध महानगरपालिका आहेत. त्या प्रत्येक महानगरपालिकेला अशी पत्रे पाठविलेली आहेत. सभेमधील चर्चा मुद्दा असा आहे की हे आपल्याला मा. महापौरांसोबत कोणाला पाठवता येईल किंवा त्याला किती खर्च येईल याबाबत या टिपणीमधून काहीही स्पष्ट होत नाही. हया विषयाबाबत सभागृहात चर्चा झाली पाहिजे. म्हणून हा विषय सभागृहासमोर आणलेला आहे. हया विषयामध्ये मी मा. आयुक्त साहेबांना विनंती करतो की त्यांनी हया दौ-यासाठी साधारणपणे किती खर्च येईल ते सांगावे. कारण की ज्यांच्याकडून हया दौ-याचे निमंत्रण आहे. त्यांच्याकडून आपल्याला काय सुविधा मिळणार आहेत त्याचा खुलासा होणे गरजेचे आहे. हया सभागृहातील तज्ञ मंडळी म्हणून कोणाकोणाला पाठविणार आहात. हे सन्मा. सदस्य जयंत पाटील यांनी मुद्दा उपस्थित केला की, तिथे आपल्याला तसे इंग्लिश समजणारा मग त्यांच्यामध्ये आपल्याला त्याच्याबरोबर त्याच्या सचिवाला पाठवता येईल. महापालिकेचे कोणते अधिकारी किंवा तज्ञ नगरसेवक म्हणून आपण सभागृहातून कोणाची निवड करणार आहात. हयाच्यामध्ये एक गोष्ट निश्चित झालेली आहे की, मी स्वतः व्यक्तिशः कुठेही दौ-याला जायला इच्छुक नाही. त्याच्यामुळे मी काही मखलाशी करतो असे कोणीही समजून घ्यायचे कारण नाही. कारण महापालिकेने आयोजित केलेल्या चंदीगडच्या दौ-याला मी नव्हतो, नाशिकच्या दौ-याला नव्हतो.

आज बैंगलोरला परिवहन समितीचे जे सन्मा. सदस्य गेलेले आहेत. त्या लोकांनी त्या दौ-याला येण्यास सांगितले होते. परंतु, मी तिथेसुध्दा गेलो नाही. परंतु, जर सभागृहामधील कोणताही सन्मा. सदस्य या दौ-यासाठी इच्छुक असेल किंवा कोणत्याही सन्मा. सदस्याला त्याच्यावर चर्चा करायची असेल तर मा. आयुक्तांनी आपल्याला ह्या दौ-याचा कालावधी आणि हा दौरा .....

#### **शुभांगी नाईक :-**

साहेब, सगळे सन्मा. सदस्य या दौ-याला जाऊ इच्छित आहेत.

#### **मा. उपमहापौर :-**

सन्मा. सदस्या शुभांगी नाईक, तुम्ही सगळ्यात पुढे असणार यात शंका नाही. आपल्याला ह्या दौ-यासाठी महासभेची मंजूरी घेतल्यानंतर आपल्याला हे प्रकरण यु.डी.कडे पाठवायचे आहे, अर्बन डेव्हलपमेंट डिपार्टमेंटला पाठवायचे आहे. हा शासकीय दौरा असल्यामुळे त्याला परराष्ट्रीय खात्याच्या मंजुर्या लागतात. ते सेन्ट्रल गव्हर्नमेंटकडे पाठवायचे आहे. आज मा. महासभेने मंजूरी दिल्यानंतर किती कालावधीमध्ये पुढच्या फॉर्मॅलिटीज पूर्ण होतील. पासपोर्ट बनविणे, पासपोर्ट तयार असतील तर व्हिसा घेणे, परराष्ट्रीय खात्याची मंजूरी मिळविणे ह्या गोष्टीला किती अवधी लागेल ह्याबाबत मा. आयुक्तसाहेबांनी निवेदन केले तर सन्मा. सदस्यांना त्याच्यावर चर्चा करणे अधिक चांगले होईल.

#### **मा. आयुक्त :-**

एच.आय.एस.इंडिया ही संस्था या देशातील संस्था आहे. दिल्लीमध्ये त्यांचे हेड क्वॉर्टर आहे आणि ही संस्था परदेशातील अभ्यास दौरे आयोजित करित असते. असाच हा अभ्यास दौरा गुड गव्हर्नन्स ह्या विषयावर आहे. एच.आय.एस. इंडियाने ऑस्ट्रेलियातील सिडनी या शहरामध्ये ह्या दौ-याचे आयोजन केलेले आहे. इन्स्टिट्यूट ऑफ हाउसिंग अँड अर्बन डेव्हलपमेंट स्टडिज ऑफ इंडिया असा त्याचा लॉग फॉर्म आहे. ह्या दौ-यासाठी जे कोर्सेस आहेत, अभ्यासाचे जे विषय आहेत, ते विषयदेखील त्यांनी दिलेले आहेत. त्यांनी गुड गव्हर्नमेंटच्या संदर्भात चार मॉड्युल्स दिलेली आहेत. लिडरशीप, रिफॉर्म अँड गुड गव्हर्नन्स डिसेन्ट्रलायझेशन पब्लिक सेक्टर अँड सिव्हिल सर्व्हिस रिफॉर्म अँड अॅक्शन अँड प्लॅनिंग या संदर्भात त्यांनी हा कोर्स डिझाइन केलेला आहे. ह्याचा कालावधी दि. ३१ जुलै ते ११ ऑगस्ट आहे. या ठिकाणी जो भाषेचा प्रश्न उपस्थित झालेला आहे. ह्याच्यामध्ये अशी तरतुद आहे की दि कोर्स वील बी कन्डक्टेड इन इंग्लिश इन एक्सेप्शनल केसेस अँड विथ प्रायर अरेन्जमेंट असिस्टन्ट इन ट्रान्सलेशन मे बी प्रोव्हाईडेड. म्हणजेच या संस्थेने भाषांतराची सोय केलेली आहे. त्यामुळे ज्यांना इंग्रजी कमी कळते किंवा कळत नाही अशा लोकांची गैरसोय होणार नाही. रजिस्ट्रेशनचा जो खर्च आहे तो अंदाजे रु. अडीच लाखाच्या दरम्यान आहे. त्याच्यात तिथे राहणे, कोर्स फी, कोर्स मटेरियल आणि ऑस्ट्रेलियातील इन्टरनल ज्या व्हिजीट आहेत त्या संदर्भातील हा खर्च आहे. हवाई प्रवासाचा खर्च आणि इतर किरकोळ खर्च असा साधारण रु. साडे-तीन लाखाच्या जवळपास हा खर्च एका व्यक्तीला जाईल असा अंदाज आहे. सहा लोकांचे रजिस्ट्रेशनवर एक जण फ्री आहे. आता मा. उपमहापौरसाहेबांनी सभागृहाला सांगितल्याप्रमाणे आपण हा ठराव आता केला तर मा. महापौरांचा पासपोर्ट त्याच्यानंतर एच.आय.एस. इंडिया ही संस्था स्वतः व्हिसासाठी अर्ज करणार आहे. ह्या प्रक्रियेसाठी जवळजवळ तीन आठवडे लागण्याची शक्यता आहे. त्याच्यामुळे आता ठराव झाला तर ह्या प्रक्रियेला गती येईल आणि रजिस्ट्रेशन फी भरून प्रशासनाला पुढच्या दौ-याच्या आयोजनाची कार्यवाही करता येणे शक्य आहे. कोणाला पाठवायचे, कोण जाऊ इच्छित आहे. आपला जो खर्च आहे त्याच्याबद्दल सांगायचे झाले तर बजेटमधील तरतुद जास्तीत जास्त रु. २० लाखाची आहे. ही तरतुद एका दौ-यासाठी खर्च केली तर यापुढे दौरे करता येतील का? या सगळ्या गोष्टीचा विचार सभागृहाने करायचा आहे. सन्मा. सदस्यांना विनंती आहे की या संदर्भात चर्चा करून आपण जो निर्णय घ्याल त्यानुसार कार्यवाही करण्यात येईल.

#### **मिलन पाटील :-**

मा. महापौरांच्या परवानगीने बोलतो की आताच आमचे सन्मा. सदस्य जयंत पाटील यांनी इंग्लिश बोलण्याबद्दलचा मुद्दा उपस्थित केला. माझे असे म्हणणे आहे की फाडफाड इंग्लिश बोलण्याची काहीही आवश्यकता नाही. मी अर्धा आशिया खंड फिरून आलेलो आहे. माणसाला यस, नो आले तरी खुप होते. थँक यु बोलले तरी फार होते. फाडफाड इंग्लिश बोलले पाहिजे असे काही नाही. मी खुप देश फिरून आलेलो आहे. मला कुठे अशी आवश्यकता भासली नाही. इंग्लिश बोलता येईल अशाच माणसाने तिथे जावे, क्वालिफाईड माणूस पाहिजे अशी काहीही आवश्यकता नाही. तुम्ही जो रु. साडे-तीन लाख खर्च सांगितला तो खर्च एक माणसाकरिता आहे. आपण करणार का?

#### **रोहित सुवर्णा :-**

रजिस्ट्रेशनचा खर्च रु. अडीच लाख आहे.

#### **रतन पाटील :-**

रु. साडे-तीन लाख आणि त्याच्यापेक्षाही .....

#### **मा. आयुक्त :-**

सर्व मिळून खर्च सांगितला. अंदाजे रु. तीन लाख ते रु. साडे-तीन लाखाच्या जवळपास खर्च आहे.

**मिलन पाटील :-**

माझी अशी सुचना आहे की आता सरकार आपल्याला सांगते की आम्हाला एवढा पैसा दिला तर ठिक आहे. जास्त लोक आले तर फार अडचणीचे होईल. माझे असे म्हणणे आहे की आम्ही येण्या-जाण्यासाठी आमचा खर्च करू. तुमचे रजिस्ट्रेशन जे काय १ जाख ७३ हजार आहे ते तुम्ही भरत असाल तर ठिक आहे. ते सुध्दा नाही भरले तर आमची इच्छा असेल तर आम्ही आमचा खर्च करून जाऊ. यासाठी सभागृहाने आम्हाला परमिशन द्यावी. माझी स्वतःची इच्छा आहे म्हणून मी स्वतः रु. साडे-तीन लाख खर्च करून जायला तयार आहे. असे कोणतेही सन्मा. सदस्य असतील तर त्यांनी प्रत्येकाने हो म्हणावे आमचा खर्च तेवढा आहे. तुम्ही आम्हाला काय देणार असाल तर आम्हाला द्या. मा. आयुक्तसाहेब काय देत असतील तर आमची झोळी पुढे आहे. तुम्ही दिले तर आम्ही आमचा खर्च करायला तयार आहोत. फाडफाड इंग्लिश बोलले पाहिजे याची काहीही आवश्यकता नाही.

**जयंत पाटील :-**

सन्मा. सदस्य मिलन पाटील आपले नांव लिहून ठेवावे.

**मिलन पाटील :-**

आपण त्यांच्याकडून प्रशिक्षण घ्यायला जात आहोत. आपण असे सांगू शकत नाही की आम्ही इथे बैलांनी शेती करतो. त्यांच्याकडे कॉम्प्युटरवर शेती चालते. आपण त्यांची अक्कल घेण्याकरिता जायचे आहे. आपण त्यांना आपली अक्कल देण्याकरिता जायचे नाही. तिथे काय-काय बनते ते बघण्याकरिता, त्यांचे आचार-विचार घेण्याकरिता आपण जाणार आहोत. त्यांचे विचार घेउन आपण आपला देश, आपले राज्य, आपले गाव कसे सुधारायचे आहे. हे फक्त त्यांच्याकडून शिकायचे आहे. आमची माणसे कशी गटार साफ करतात हे आपण त्यांना जाउन शिकवणार नाही. त्यांची माणसे मशिनवर गटार साफ करतात. मशिनने धुवले जाते आणि मशिनने साफ केली जातात. हे सर्व आपण तिकडे जाउन बघू. त्याचा जो खर्च करायचा असेल त्यासाठी आम्हाला सभेने मान्यता द्यावी. आम्ही आमचा खर्च करून जायला तयार आहोत.

**शुभांगी नाईक :-**

काही सन्मा. सदस्य चंदीगडला जाउन आले तर लोकांना काय शिक्षण दिले.

**मोहन पाटील :-**

मिरा भाईंदर महानगरपालिकेचा अभ्यास दौरा आयोजित करायचा आहे. त्यासाठी प्रकरण क्र. १६ आलेले आहे. मा. उपमहापौरांनी जसे घोषित केले. त्याप्रमाणे पदाधिकारी म्हणून मला स्वतःला जायची माझी तिकडे इच्छा नाही परंतु मुख्यमंत्री जेव्हा निघाले तेव्हासुध्दा अशी चर्चा होणे जरूरी होते. सभागृहामध्ये विरोधी पक्षाचा तो हक्कच आहे. त्यांनी आपल्याला कोणते काम सरळ सांगितले तर आपण सरळ जाउन खड्डयात पडू आणि त्याच्यापेक्षा त्यांनी सरळ ज्या काही सुचना केलेल्या आहेत. त्या मांडायला पाहिजेत. त्यांनी आपला विरोध नोंदवला नाही तर आपल्याला तो दौरा पचणारसुध्दा नाही. आपल्याला तो दौरा पचला पाहिजे. त्याच्यामुळे आज संधी आलेली आहे. मिरा भाईंदर महानगरपालिकेने विकासाची अनेक कामे विरोधकांना बरोबर घेउन केलेली आहेत. आम्ही त्यांना बाजूला टाकत नाही. त्यांचा प्रस्तावसुध्दा चालत नाही. ते आमच्यासमोर मतदानाला उभे राहू शकत नाहीत. आज बहुमताने ठराव केला तर ते बाजूला पडतील ही वस्तुस्थिती आहे. त्यामुळे त्यांनी त्यांची मते मांडावीत. त्यांनी मत मांडु नये असा विषय नाही. परंतु, मिरा भाईंदर महानगरपालिका चांगले कार्य करते, चांगले काम केलेले आहे. नगरपालिका ते महानगरपालिकेपर्यंत त्यांनी जी विकास कामे केलेली आहेत. त्याच्यामध्ये सर्वच विरोधक बाहेर जाउन बोलतात की आम्ही हे काम केलेले आहे. परंतु, आमच्यासमोर किंवा सभागृहामध्ये आल्यानंतर ही कामे तुम्ही करत नाही. ही कामे आम्ही सुचवतो. आमची मोठी कामे होती ही पध्दत त्यांनी अवलंबिली आहे. त्याच्यामुळे या मिरा भाईंदरमध्ये सक्रिय विरोधक आहेत. महानगरपालिकेमध्ये त्याच्यावर कौतुक करतो.

**प्रफुल्ल पाटील :-**

हे कसले भाषण चाललेले आहे. विकास कामांवर बोलायचे आहे का? आमच्याकडे खूप कामे आहेत. दौ-या विषयी बोला. हे कशाला बोलायला पाहिजे.

**मोहन पाटील :-**

मा. महापौर मॅडम, आम्ही बोलतो आम्हाला बोलू द्या.

**प्रफुल्ल पाटील :-**

सन्मा. सदस्य मोहन पाटील, तुम्हाला बाहेर सभा लावायची आहे का? तुमची हिंमत असेल तर नगरपालिकेच्या बाहेर सभा लावून दाखवा. तुमच्या सवडीने सभा लावून दाखवा. मग बघा लोक कसे जोडयाने मारतात. हा दौ-याचा विषय चाललेला आहे. दौ-याचा विषय चालवा. तुम्हाला जर एवढी आपुलकी होती तर मा. महापौरांवर दबाव कशाला आणला. आफ्रिकेला जायचे आहे. तारिख संपत आलेली आहे आणि तहकुब विषय मांडतात. तुम्ही शहराचा बंदोबस्त करा. शहराची एवढी आपुलकी असेल तर विषय सोडून कशाला बोलतात.

**मोहन पाटील :-**

सन्मा. सदस्य प्रफुल्ल पाटीलसाहेब, आपण माजी नगराध्यक्ष होतात. आपल्याला सभाशास्त्राचे नियम माहिती आहेत. एक सदस्य बोलत असताना मध्ये बोलतात हयाचा अर्थ काय? मा. महापौर मॅडम, ही पध्दत अशी कशी आहे.

**प्रफुल्ल पाटील :-**

तुम्ही काय विकास केला त्याच्यासाठी एक परिषद लावा. मग जनता दरबारात तुमचा निकाल बाहेर येईल.

**मोहन पाटील :-**

आम्ही परिषद लावू.

**प्रफुल्ल पाटील :-**

हिंमत असेल तर लावून दाखवा असे मी सांगतो.

**मोहन पाटील :-**

तुम्ही कशाला हिंमत काढता. हयाच्यामध्ये कुठली हिंमत दाखवायची आहे.

**प्रफुल्ल पाटील :-**

हा विषय दौ-याबाबतचा आहे. तुम्ही सत्ताधारी आहात. तुम्ही मांडा. कोणी विरोध केला तर आम्ही बोलू.

**मोहन पाटील :-**

तुम्ही आम्हाला सांगू नका.

**प्रफुल्ल पाटील :-**

तुम्ही सांगा हा-हा प्रस्ताव आहे. आम्हाला हया-हया लोकांना पाठवायचे आहे. आम्हाला वाटले तर विरोध करू किंवा साथ देऊ. आम्ही एकत्र आलो तर हे बाजूला पडतील असे तुम्ही स्पष्ट कसे म्हणता. तुम्ही स्वतःच बाजूला पडलेले आहात. तुम्ही सत्ताधारी आहात. तुम्ही एका चांगल्या सन्मा. कर्मचा-याचा चांगला सन्मान करू शकत नाही. तुम्हाला एवढी अक्कल नाही. आम्ही भलतेसलते विषय खपवून घेणार नाही.

**मोहन पाटील :-**

तुम्हाला खपवून घ्यावे लागतील.

**प्रफुल्ल पाटील :-**

तुम्ही दौ-याबाबत बोला.

**मोहन पाटील :-**

सन्मा. सदस्य प्रफुल्ल पाटीलसाहेब स्वतः माजी नगराध्यक्ष होते. त्यांना नियम माहिती आहेत. एक सदस्य बोलत असताना त्यांना मध्ये बोलायची काय आवश्यकता आहे.

**प्रफुल्ल पाटील :-**

सन्मा. सदस्य मोहन पाटील यांनी पैसे देऊन कर्मचारी लावले असे बोलले तर तुम्हाला बरे वाटेल का? तुम्ही पैसे देऊन किती कर्मचारी घुसवले? असे आम्ही जर बोललो तर तुम्हाला ते योग्य वाटेल का?

**मोहन पाटील :-**

तुम्हाला जे बोलायचे असेल ते तुम्ही बोला.

**प्रफुल्ल पाटील :-**

तुम्ही विषयावर बोला. एवढा वेळ वाया घालवायचा नाही.

**मोहन पाटील :-**

तुम्हाला जे योग्य वाटेल ते बोला याचा अर्थ काय? आपण मध्ये आहात. आपण खुलेआम बोलता.

**स्टिवन मेन्डोसा :-**

सर्व जण सत्तेवर आल्यावर असेच करतात.

**प्रफुल्ल पाटील :-**

तुम्हाला बोलायची गरज नाही. सन्मा. सदस्य मोहन पाटील यांना शिकवा.

**मोहन पाटील :-**

आम्हाला शिकवायची गरज नाही. सन्मा. सदस्य प्रफुल्ल पाटीलसाहेब तुम्ही सिनियर आहात.

**प्रफुल्ल पाटील :-**

सन्मा. सदस्य मोहन पाटील मी तुमच्यासारखे बरेच लोक बघितलेले आहेत. मला शिकवायला निघाले.

**मोहन पाटील :-**

आम्ही जे बोललो ते वस्तुस्थितीशी निगडीत आहे. आम्ही बोलत असताना एका सन्मा. सदस्याने मध्येच बोलणे चुकीचे आहे. आम्ही या ठिकाणी कोणाची नावे घेतलेली नाहीत.

**रोहित सुवर्णा :-**

सन्मा. सदस्य मोहन पाटील आपण भाषण ठोकता.

**मोहन पाटील :-**

आम्ही भाषण ठोकावे किंवा काय ठोकावे. आम्ही मा. महापौरांच्या परवानगी मागतो आणि बोलतो. आपण मनाला लावून घेऊ नये. कोणी काय करत आहे.

**रोहित सुवर्णा :-**

मिनिंगची वेळ सकाळी ११.०० आहे आणि तुम्ही सकाळी ११.३० किंवा सकाळी १२.०० वाजता मिनिंग चालू करता. तुम्ही सकाळी ११.०० वाजता मिनिंग चालू करा.

**प्रफुल्ल पाटील :-**

सन्मा. सदस्य मोहन पाटीलसाहेब, तुम्ही संध्याकाळचे भजन ठेवा. आम्ही तुमच्या भजनाला येऊ.

**मोहन पाटील :-**

भजन ठेवा किंवा काहीही ठेवा.

**प्रफुल्ल पाटील :-**

तुम्ही सभागृहात विषयावर बोला आणि सांगा आमचा विषय आहे. आम्हाला पाठवायचा आहे. आम्ही तुम्हाला सन्मानाने पाठवतो. कोणाला पाठवायचा नाही असा आमचा विचार नाही. तुमचा विचार पक्षपातीपणाचा आहे. मा. महापौर, मा. उपमहापौर आणि मा. आयुक्त यांनी जावे असा मी ठराव मांडतो.

**मोहन पाटील :-**

आम्हाला तुमच्या मताची आवश्यकता नाही.

**तुळशीदास म्हात्रे :-**

मा. महापौर मॅडम, तुम्ही कोणाला तरी खाली बसवा.

**मा. महापौर :-**

सन्मा. सदस्य प्रफुल्ल पाटील आपण खाली बसावे.

**तुळशीदास म्हात्रे :-**

हे जे खुर्चीवर बसलेले आहेत. आम्ही त्यांचा सन्मान करतो. परंतु, हयांच्यापैकी कोणीतरी बोलायला पाहिजे की नको. एक सन्मा. सदस्य शब्दाचा विपर्यास करतो. म्हणजेच सन्मा. सदस्य मोहन पाटील यांचा शब्द चुकलेला आहे. जो विषय आहे तोच घ्यायला पाहिजे होता. जिथे खरे बोलायचे असेल तिथे मी कधीही मागे हटणार नाही. कारण बाहेरगावी जायचा विषय आहे. मा. महापौर मॅडम, आपल्याला परदेशात जायचे आहे का? मी प्रथम आपल्यापासून सुरुवात करा.

**मोहन पाटील :-**

जेव्हा बाहेरगावी जायचे असेल तेव्हा विषय आणा.

**रतन पाटील :-**

मा. महापौर मॅडम, हो म्हणावे. आम्ही संपूर्ण सभागृह त्याला अनुमोदन देतो.

**रोहित सुवर्णा :-**

मा. महापौर मॅडम, तुमची दौ-याला जायची तयारी आहे असे सांगा. तुम्ही दौ-याला जात असाल तर आमची हरकत नाही. परंतु, आंबेडकरनगरवाल्यांना घरे नाहीत, भोलानगरवाल्यांना घरे नाहीत. दिड वर्ष झाले ते रस्त्यावर आहेत. त्यांची चर्चा कोणीही करित नाही. लोक तुमच्यावर हसतात. तुम्ही रु. २० लाख खर्च करून ऑस्ट्रेलियाला जाणार, न्युझीलंडला जाणार, आफ्रिकेला त्यांच्याच पैशाने जाणार.

**तुळशीदास म्हात्रे :-**

सन्मा. सदस्य रोहित सुवर्णा, तुम्हाला फार बोलायची गरज नाही.

**रोहित सुवर्णा :-**

आंबेडकरनगर, भोलानगर येथील लोकांना घरे नाहीत. तुम्ही त्यांच्यावर ठोस चर्चा करा.

**आसिफ पटेल :-**

सन्मा. सदस्य रोहित सुवर्णा तुम्ही हळू बोला. मा. महापौर मॅडमना तुम्ही दम देता असा अर्थ झाला. तुम्ही दम देऊ नका. आम्ही इथे बसलेले आहोत.

**रिटा शहा :-**

मा. महापौर मॅडम, मिरा भाईंदर महानगरपालिकेने.....

**आसिफ पटेल :-**

मा. महापौर मॅडम मला बोलायचे आहे.

**मा. महापौर :-**

सन्मा. सदस्य आधी त्यांचे बोलने प्रथम पुर्ण होऊ द्या. नंतर आपणास संधी देण्यांत येईल. (सन्मा. सदस्य श्री. मोहन पाटील ह्यांनी ठरावाचे वाचन केले.)

**नरेंद्र मेहता :-**

या ठिकाणी प्रभाग अधिकारी हा उल्लेख आहे.

**मोहन पाटील :-**

मा. आयुक्तसाहेब किंवा मा. उपायुक्तसाहेब आणि एक प्रशासनाचा अधिकारी जाणार आहे.

**नरेंद्र मेहता :-**

आपने प्रभाग अधिकारी का उल्लेख किया है या प्रभाग अध्यक्ष का उल्लेख किया है यह पहिले बताईये।

**आसिफ पटेल :-**

प्रभाग अधिकारी का उल्लेख है या प्रभाग अध्यक्ष का उल्लेख है वह बताईये।

**मिलन पाटील :-**

आम्ही आमच्या खर्चाने जायला तयार आहोत. आम्ही आमच्या खर्चाने जायला तयार असलो तर आपले काय मत आहे.

**मोहन पाटील :-**

या ठरावामध्ये ज्या सन्मा. सदस्यांना स्वेच्छेने जायचे असेल किंवा स्वतः खर्च करित असतील तर त्याचाही समावेश करावा.

**मिलन पाटील :-**

याच्यासाठी ठराव पाहिजे असे नाही.

**आसिफ पटेल :-**

सन्मा. सदस्य मोहन पाटीलसाहेब, प्रभाग अधिकारी या प्रभाग अध्यक्ष है।

**मिलन पाटील :-**

आम्ही आमच्या खर्चाने जायला तयार असल्यास त्याची नोंद करुन घ्या.

**आसिफ पटेल :-**

प्रभाग अधिकारीचा उल्लेख आहे की प्रभाग अध्यक्षाचा उल्लेख आहे ते प्रथम विचारुन घ्या नाहीतर काहीतरी गडबड होईल.

**नरेंद्र मेहता :-**

या ठरावाला अनुमोदन आहे.

**मिलन पाटील :-**

आम्ही स्वतः आमच्या खर्चाने जायला तयार आहोत.

**शरद पाटील :-**

या ठरावामध्ये किती पदाधिकारी आहेत?

**रोहिदास पाटील :-**

या प्रशिक्षणासाठी पदाधिकारी किती? अधिकारी किती? स्वखर्चाने जाणारे किती? याची माहिती द्या.

**शरद पाटील :-**

हे सर्व काम रु. २० लाखात बसते की नाही ते प्रथम बघा.

**रोहित सुवर्णा :-**

कारण सहावर एक फ्री आहे.

**रोहिदास पाटील :-**

जे जाणारे लोक असतील त्यांची लिस्ट घ्या. हया महापालिकेच्या कामकाजाच्या दृष्टिने मा. महापौर आणि एक अधिकारी या दोघांची नियुक्ती करावी असे आमचे स्पष्ट मत आहे. त्यामुळे खर्चावर तारतम्य राहिल. सभागृहाचे कामकाज नीट होईल हयांचे दौरे नीट होतील सन्मा. सदस्य मोहन पाटील यांनी आता सांगितले की सन्मा. सदस्या शुभांगी नाईक बोलल्या की चंदीगडला काय झाले. मला वाटते की वस्तुस्थिती सांगणे भाग पडत आहे. सन्मा. सदस्य मोहन पाटील यांना करते वेळी लक्षात येत नाही की आपण काय करत आहोत. परंतु, जेव्हा दौ-याला घेउन गेले तेव्हा त्या दौ-याचे नेतृत्व करणे त्यांचे काम होते. महापालिकेचे उपायुक्त रणखांब साहेबसुध्दा बरोबर होते. मिरा भाईंदर महापालिकेची शान आहे. आपण एका चांगल्या महापालिकेत जात आहोत. सन्मा. सदस्य रोहीदास पाटील आपल्याला सगळे नीट दिसले पाहिजे. त्याची जितकी काटेकोर दक्षता घेता येईल तितकी दक्षता प्रत्येक सन्मा. सदस्याने घेतली पाहिजे असे जातेवेळी ठरले होते. सुरुवातीपासून म्हणजेच गाडीत बसण्यापासून ते गाडीतून उतरेपर्यंत ते हॉटेलवर जाण्यापर्यंत आणि पुन्हा हॉटेलवर गेल्यानंतर काय झाले ते हया सभागृहात सांगणे गरजेचे आहे. कारण सन्मा. सदस्य मोहन पाटील बोलतात त्यांना त्याचे भान राहत नाही. त्यांना असे वाटते की मीच फक्त कपडे घालून आहे. बाकीचे लोक उघडे आहेत. त्यामुळे हे बोलायला लागते. सभागृहाने लक्षात घ्यावे की आम्ही ज्यांच्या नेतृत्वाखाली गेलो. आम्ही ज्या महापौरांकडे पोहोचलो त्या ठिकाणी ते नव्हते. आमचा पहिला राउन्ड झाला, दुसरा राउन्ड झाला ते शेवटी आले. त्यांनी भाषण केले. आम्ही हु की चु बोललो नाही. तो आमचा सांगतिका होती. एकही महापालिकेचा कुठेही मानहानी होईल अशी आपल्या कुठल्याही सन्मा. सदस्याची वर्तणुक नव्हती. अत्यंत सांघिकपणे, हसतखेळत तो दौरा झाला. त्यामुळे आपण एवढे बेभान व्हायचे कारण नाही. सभागृहात विरोधी बोलतात म्हणून चिडायचे काही कारण नाही. बोलायचे ऐकून घ्यायचे, समजून घ्यायचे आणि चांगले आहे ते करायचे आम्ही त्याला समर्थन करू एवढेच माझे म्हणणे आहे. आता खर्चाच्या दृष्टिने बघितले तर या सभागृहाचे, या मिरा भाईंदरमध्ये चालणारे कामकाज महापौरांनी केले. आता उपमहापौरांनी स्वतः सांगितलेले

आहे की मी जायला तयार नाही. जर-तर सारखे प्रश्न जोडू नका. महापौर, अधिक सक्षम अधिकारी आयुक्त, उपायुक्त किंवा ज्याला तो दौरा समजेल असे कोणीही आणि सन्मा. सदस्य मिलन पाटील यांच्यासारखे उत्साही आहेत, सधन आहेत, सक्रिय आहेत. चंदीगडच्या दौ-याचासुद्धा त्यांचा गुप्त अहवाल बाकी आहे. त्यांनी केलेला आहे. त्यांना आवश्यक असेल ते सहकार्य त्यांनी त्यांच्या स्वखर्चाने घ्यावे. कोण कोणाला बरोबर घेत आहे, कोण काय करित आहे त्याचीही माहिती घ्या. शहराच्या दृष्टिने चांगली माहिती येत असेल तर या महापालिकेत महापौर सन्मानित आहेत. आम्ही त्यांना विरोध करायचा कधीही प्रयत्न करणार नाही. त्यांनी निश्चित या दौ-यावर जावे. पुन्हा सांगतो की हे व्हिजाचे काम सोपे नाही. त्या निमित्ताने तुम्ही मा. महापौरांना बाहेर काढू नका. आज सभागृहाने परमिशन दिल्यानंतर आताच्या क्षणी तुम्ही काम चालू करा. त्यांचा व्हिजा झाला पाहिजे, पासपोर्ट झाला पाहिजे. हे काम सोपे नाही. ती एजन्सी जरी काम करित असली तरी तुम्ही वेळ काढल्याशिवाय होणार नाही. ती तारिख आलेली आहे. तारिख किती आहे. दि. ३१ जुलैला जायचे आहे. आज किती तारिख आहे. २५ दिवस आहेत. २५ दिवसात हे काम करणे असंभव असेल तर संभव करा.

### प्रफुल्ल पाटील :-

साहेब, कुठलाही व्हिजा पंधरा दिवसाच्या आतमध्ये येत नाही. आता मघाशी मी जे बोललो मा. महापौर मॅडम की, या ठिकाणी पहिली महत्वाची गोष्ट म्हणजे हा अभ्यास दौरा आहे मग हा दौरा खर्चिक असला किंवा आपल्यामध्ये गरिबी असली आणि त्याच्यामुळे विकास झाला नाही तरी हा दौरा करणे महत्वाचे आहे. कारण आपण शेवटी चांगल्या गोष्टी बघून चांगले करतो. सगळे सभागृह गप्प आहे. विरोधी पक्ष सगळे गप्प आहेत. मा. उपमहापौरांनी जर स्वतःहून समोरून सांगितले की मला जायचे नाही. तरी मा. उपमहापौरांना जायला पाहिजे कारण तुम्ही पदाधिकारी आहात. हया पालिकेमध्ये निर्णायक कुठल्याही गोष्टीला निर्णय देणारे दोनच अधिकारी आहेत. एक मा. महापौर आणि मा. उपमहापौर जर मा. महापौर गेल्या नाही तर त्या पाहणार नाहीत. दुस-यांनी पाहिलेल्या गोष्टीवर मा. महापौर निर्णय कसा घेतील कारण निर्णय प्रक्रिया ही तुमच्या दोघांच्या हातामध्ये आहे. मा. आयुक्त सौ. एवढ्यासाठी पाहिजे की मा. आयुक्त साहेबांनी या विषयावर गोषवारा दिला नाही तर तुम्ही कशा पध्दतीने निर्णय घेणार? म्हणून या ठिकाणी मा. आयुक्त साहेब, मा. महापौर मॅडम आणि मा. उपमहापौर साहेब हे पदाधिकारी जाणे अतिशय गरजेचे आहे. जर त्या ठिकाणी भाषेचा प्रॉब्लेम होत असेल तर आपण बरोबर एकतरी दुभाषिक घेऊन जा. तुम्हाला वाटले की इंग्रजी भाषेचा प्रॉब्लेम आहे तर दुभाषी घ्या. सगळ्या प्रकारचे दुभाषिक मिळतात. आपण जर व्हिजा काढायला गेलात त्या अॅम्बसीमध्ये तुम्हाला दुभाषिक असतो. ते प्रश्न विचारतात त्याच्यामध्ये तुम्ही कशासाठी चाललात, तुम्हाला व्हिजा कशासाठी पाहिजे. आता तुमच्याकडे आय.एच.एस.चे पत्र असल्यामुळे तुम्हाला व्हिजा मिळायला प्रॉब्लेम होणार नाही. परंतु, तुम्ही व्हिजामध्ये मुदतीमध्ये अर्ज दिला नाही तर तुम्हाला कोण व्हिजा देणार आहे. गुजरातच्या मुख्यमंत्र्यांचे काय झाले ते तुम्हाला माहिती आहे. ऐनवेळेला जर काहीतरी गोष्टी समोर आल्या तर उगाच व्हिजाचे प्रॉब्लेम होतील. आणि मला असे वाटते की, या सभागृहाचे असे प्रामाणिक मत असावे की, पदाधिकारी याचा अर्थ ज्यांच्यामध्ये निर्णय घेण्याची क्षमता आहे की ज्यांना निर्णय घेण्याच्या प्रक्रियेमध्ये पूर्ण अधिकार दिलेले आहेत असे या सभागृहाचे असे प्रामाणिकपणे मत असावे असे मला वाटते. ते पदाधिकारी. शेवटी अधिकारी कुठले? ज्या अधिका-यांनी या प्रशिक्षणामध्ये कारण अधिका-यांना प्रशासनाने प्रशिक्षण दिलेले आहे. वेळोवेळी या गव्हर्नमेन्टने प्रशिक्षण सर्व मा. आयुक्त, मा. उपायुक्तांना दिलेले आहे. तेव्हा मा. आयुक्तसाहेबांनी जाणे गरजेचे आहे. ते जरी नाही बोलले तरी त्यांनी जाणे गरजेचे आहे. कारण या निर्णय प्रक्रियेमध्ये योग्य व्यक्तीने तुमचा अभ्यास करायला हवा. आता पाचवी नापास झालेला मुलगा आहे आणि त्याने बारावीला बसायचे म्हटले तर कसे होणार? मला बारावीला बसवा, माझे वय झालेले आहे असे बोलणारा बोलेल. पण तो पास झाला पाहिजे. आपण अशा लोकांना या ठिकाणी पाठवतो. शिक्षणाचा काही प्रश्न नाही. परंतु, हा पदाचा प्रश्न आहे. हा तुमच्या अधिका-यांचा प्रश्न आहे. मला वाटते की सत्ताधा-यांना एवढे चांगले ज्ञान असते तर मागच्यावेळी हा विषय आला आणि त्यांनी तहकुब केला. हयाचा अर्थ त्यांच्या मनामध्ये कुठेतरी आहे की हयांना पाठवायचे आहे की नाही पाठवायचे. त्यांच्या मनामध्ये कुठेतरी पाल चुकचुकते. मला वाटते त्यांनी तो गैरसमज काढावा. तुमची सत्ता आहे. तुम्ही ठराव मांडाल. तेच लोक जातील. तुम्ही कुठले लोक पाठविणार तेच लोक जावेत आम्ही या गोष्टीला काहीही विरोध करणार नाही आणि विरोधही करण्याचा प्रश्न येत नाही. ज्या अर्थी हा दौरा दि. ३१ जुलैपर्यंत प्रस्तावित केलेला आहे आणि तो व्हिजा मिळायला पाहिजे असे तुम्हाला वाटते असेल तर तुम्ही मागच्यावेळी सभा का तहकुब केली. म्हणून आम्ही एवढ्या पोटतिडीकीने बोलतो की उदाहरणार्थ हा विषय गणवेश वाटपाचा, मा. महापौर मॅडम, मी आपल्याला एक सांगतो की मघाशी कायदयाच्याबाबतीत थोडीशी वेगळी माहिती दिली. तुम्हाला कधीही कुठलीही सभा कुठल्याही क्षणाला स्थगित करता येते. त्याच्यासाठी कुठला ठराव लागत नाही हे तुम्ही बघा. तुम्हाला असे वाटेल की तुम्हाला पटले पाहिजे. हे खालून काही तरी वाकोल्या करतात. इथून असून तिथून ते त्यांनी बंद करावे. मा. महापौर मॅडम, मला वाटते की तुम्ही सक्षम आहात. परंतु, तुम्हाला संपूर्ण कायदयाचे नॉलेज जरी नसेल तरी तुम्ही ते वाचून समजू शकता. पण हे खालचे आहेत. जे वाचून आपणहून समजत नाही. मग काहीतरी वाकोल्या करतात. एक टोपीवाला आणि माकडे तुम्हाला माहिती आहे ना. माकडे जशी टोपी घेऊन गेले. टोपीवाल्याने टोपी काढली.

### लिओ कोलासो :-

सन्मा. सदस्य प्रफुल्ल पाटीलसाहेब, हयाच्यामध्ये एवढे बोलण्याची आवश्यकता नाही.

### प्रफुल्ल पाटील :-

तुम्ही तसेच करतात म्हणून बोलावे लागते. तुम्हाला जर वाटत असेल तर हया महापौरांना सन्मानाने ऑस्ट्रेलियाला पाठवा.

### लिओ कोलासो :-

तुम्ही टोपीवाल्याची गोष्ट करता. परंतु, आता हया विषयावर भरपूर चर्चा झालेली आहे. तुम्ही विचार मांडलेले आहेत आणि तुम्ही आता पुन्हा वेडेवाकडे बोलत आहात.

### प्रफुल्ल पाटील :-

या ठिकाणी सन्मा. सदस्य रोहित सुवर्णा बसलेले आहेत. इतर लोक या ठिकाणी बसलेले आहेत. एवढे लोक विरोधात आहेत. मा. महापौर मॅडम, ही शहराची गरज आहे. मी पहिल्यांदा बोललो की हया दोन-तीन वर्षांमध्ये ज्या महिला ज्या पदावर येतील आणि ज्या मुली जन्मतील त्या अतिशय भाग्यवान असणार आहेत. हे खगोलशास्त्रज्ञाचेच मत नाहीतर ते स्टॅटिस्टिक्स आहे. चायनाच्या बेसवरील स्टॅटिस्टिक आहे. मा. महापौर मॅडम, तुम्ही खरोखर भाग्यवान आहात. म्हणून तुम्ही या पदावर आल्या. हया पूर्वीच्या मा. महापौर भाग्यवान होत्या. त्यांच्या मनात नसतानासुद्धा त्या पदावर आल्या. तरी सगळ्या गोष्टी करित असताना तुमची हया गोष्टीला आम्ही खीळ घालायची म्हणजे बरोबर नाही. एक जागरूक लोकप्रतिनिधीने महापौराच्या दौ-याला सपोर्ट करावा. तुम्ही स्वतः दुभाषी घेऊन जा. मा. उपमहापौरसाहेब तुम्ही स्वतः जा. कारण काँग्रेसचे प्रतिनिधीत्व करणारा नसला तरी तुमच्यामध्ये काही गोष्टी समजावून घेण्याची क्षमता आहे. सगळ्या गोष्टी नव्या असतात. आपण जेव्हा परदेशात जातो तेव्हा आपल्याला तोंडामध्ये च्युंगम ठेवायचा किंवा ठेवायचा नाही इथपर्यंत गोष्टी काटेकोरपणे पाळायला लागतात. परंतु, शेवटी हया गोष्टी आपल्याला शिकायच्याच आहेत. त्या आम्हाला शिकता येणार नाहीत. काहीतरी फार अवजड आहे असे समजून आम्हाला चालणार नाही. तुम्ही जर अभ्यास करून आलात, तुम्ही जर चांगले बघितले तर तुम्हीच आम्हाला त्या गोष्टी सभागृहामध्ये निर्णय घेण्यासाठी आणणार आहात. त्यावेळी आम्ही तुम्हाला नक्कीच सहकार्य करू. तुमचा ऑस्ट्रेलियाचा दौरा चांगला होवो अशी आम्ही तुम्हाला शुभेच्छा देतो. लवकरात लवकर आजच्या आज व्हिजा पाठवा.

### रोहित सुवर्णा :-

मा. महापौर मॅडम, आपण हयाच्यावर रुलिंग द्या.

### मा. उपमहापौर :-

सन्मा. सदस्य रोहित सुवर्णा, आपण सभागृहात अतिशय चाणाक्ष आहात. ठराव वाचताना आपण लक्षात घेतले असते तर प्रभाग अध्यक्ष आणि मा. महापौर, विरोधी पक्ष नेता, सभागृहनेता अशाप्रकारे सांगितलेले होते. सन्मा. सदस्य प्रफुल्ल पाटीलसाहेब यांनी आपल्याला हया विषयी चांगले मार्गदर्शन केले. मी आपल्याला परत सांगतो की आपला त्या जिवाळ्या बददल आपले खुप-खूप आभार. माझी जायची इच्छा नाही. परंतु, आपण मौलिक मार्गदर्शन केले. त्याबद्दल हार्दिक आभार. हा जो ठराव होणार आहे. हा आपण आता यु.डी.ला पाठविणार आहोत. यु.डी.ची मान्यता मिळाल्यानंतर तो परराष्ट्र खात्याकडे जाणार आहे. आपण त्याच्यामध्ये जो ठराव केलेला आहे तो अशा पध्दतीने आहे.

### रोहित सुवर्णा :-

मा. उपमहापौरसाहेब, आपण गेले असते तर बरे झाले असते.

### शरद पाटील :-

ठराव झालेला आहे. परंतु, त्या ठरावामध्ये संख्या किती झाली आणि अमाउन्ट किती झाली ते सांगा. तुम्ही ठराव पाठविणार आहात हे बरोबर आहे. परंतु, या ठिकाणी आपले रु. २० लाखाचे बजेट आहे.

### रतन पाटील :-

मा. महापौरांच्या परवानगीने बोलतो की यांच्याबरोबर मा. महापौरांच्या जोडीला मा. उपमहापौर साहेब आणि मा. आयुक्तसाहेब यांच्या जोडीला नक्की किती पदाधिकारी, किती नगरसेवक जाणार आहेत. त्यांची संख्या किती आणि त्याच्यावर होणारा खर्च किती आहे? लेखा परिक्षण याच्या अंतर्गत नगरसेवकांच्या प्रशिक्षणासाठी रु. २० लाखाची तरतुद केलेली आहे. हया दौ-यासाठी संपूर्ण खर्च जर पदाधिकारीच करित असतील तर नगरसेवकांना प्रशिक्षण कुठून मिळणार आहे. आम्ही वर्षभर कुठे प्रशिक्षण घेणार, कुठे जाणार. आपण तिथे प्रशिक्षण घ्यायला जात आहात. मा. महापौरमॅडम, मा. उपमहापौरसाहेब आणि मा. आयुक्तसाहेब यांना हया दौ-याला जाण्यासाठी आमची कुठलीही हरकत नाही. बाकीचे सन्मा. सदस्य जात असतील तर त्यांनी जसे आमचे सन्मा. सदस्य मिलन पाटील बोलले की आम्ही आमचा स्वतःचा खर्च करू. तसे बरेचसे दानशुर असतील त्यांनी स्वतःचा खर्च करावा आणि महापालिकेचे पैसे वाचवावेत, जनतेचे पैसे वाचवावेत.

### रोहित सुवर्णा :-

सन्मा. सदस्य आसिफ पटेल वगैरे हे सगळे सक्षम आहेत. ते स्वतःच्या पैशाने जाऊ शकतात.



**नरेंद्र मेहता :-**

मा. महापौर मंडम, माझे या ठिकाणी असे म्हणणे आहे की मागच्यावेळेला चंदीगडला जाउन आले त्या लोकांनी काय केले? अशी चर्चा झालेली होती. माझा लहान भाउ होता. तो नापास झाला. याचा अर्थ असा नाही की मी पण पुढे शिकायचे नाही. हया लोकांनी काय केले नाही म्हणून आम्ही अभ्यास करायचा नाही असे नाही.

**शरद पाटील :-**

मा. महापौरांच्या परवानगीने बोलतो की सगळ्यांची शिक्षण घ्या, सगळ्यांनी अभ्यास करा.

**नरेंद्र मेहता :-**

मला अभ्यास शिकायची हौस आहे. मला तो अभ्यास शिकणे गरजेचे आहे.

**रतन पाटील :-**

मा. अध्यक्षसाहेब, मिरा भाईंदर महापालिकेने जे दौरे केले त्याचा अहवाल सादर झालेला नाही. आपण हयाच्यापुढे काय करणार?जे काही दौरे झाले त्याचा अहवाल दिलेला नाही.

**नरेंद्र मेहता :-**

हा ऑस्ट्रेलिया, न्युझीलंडला दौरा आहे म्हणून चर्चा चाललेली आहे. मिरा भाईंदरला दौरा असता तर चर्चा झाली नसती.

**रतन पाटील :-**

सन्मा. सदस्य मिलन पाटील यांनी आम्ही आमच्या पध्दतीने खर्च करु असा मोठेपणा दाखविला. तसा मोठेपणा तुम्हीसुध्दा दाखवा.

**नरेंद्र मेहता :-**

आम्हाला अभ्यास घेणे गरजेचे आहे. आम्ही जाउ इच्छित आहे.

**रतन पाटील :-**

ज्या सन्मा. सदस्यांना दौ-याला जायचे असेल तर त्या सन्मा. सदस्यांनी स्वतःच्या पध्दतीने स्वतःचा खर्च करावा.

**शरद पाटील :-**

हा जो ठराव मांडलेला आहे. त्याला आमचा कोणाचा विरोध नाही. त्याला किती खर्च होणार आहे ते सांगा आणि पुढचे प्रशिक्षण नगरसेवकांनी घ्यायचे की नाही हेसुध्दा आम्हाला सांगा.

**रोहिदास पाटील :-**

नाहीतर आम्ही आमच्या खर्चाने जातो म्हणून सांगा.

**शरद पाटील :-**

रु. साडे-तीन लाखाचा जो खर्च सांगितलेला आहे. त्याच्यामध्ये किती पदाधिकारी, किती अधिकारी आहेत ते सांगा. सचिवसाहेब, आपण आम्हाला हयाची माहिती द्या की हे बजेट रु. २० लाखाचे आहे. हयाच्यामध्ये किती पदाधिकारी आणि किती अधिकारी जातील त्याची अमाउन्ट किती होईल ते सांगा आणि पुढील प्रशिक्षण जे आहे ते नगरसेवकांना द्यायचे आहे की नाही ते सांगा.

**आसिफ पटेल :-**

रु. २० लाखाचे जे बजेट ठेवलेले आहे. त्याच्यामध्ये सात लोक जातील. तुम्ही कशाला विचारता. त्याच्यावर मंजूरी आहे. त्याच्यापेक्षा जास्त लोक पाठवू शकत नाही. महासभेने जेवढ्या लोकांना मंजूरी दिलेली आहे तेवढेच लोक जातील.

**रतन पाटील :-**

बाकीच्या सन्मा. सदस्यांना प्रशिक्षण कधी मिळणार. बाकीच्या नगरसेवकांना कुठून प्रशिक्षण देणार?

**आसिफ पटेल :-**

या दौ-यासाठी सहाच लोक जाणार आहेत.

**रतन पाटील :-**

मग बाकीच्या सन्मा. सदस्यांना प्रशिक्षण मिळणार नाही.

**आसिफ पटेल :-**

मा. आयुक्तसाहेब, तुम्ही उत्तर द्या. रु. २० लाखाची मंजूरी मागितलेली आहे. सहाच लोक जातील. मग हा सगळा काय गोंधळ चालू आहे. मा. आयुक्तसाहेब आपण मला हया प्रश्नाचे उत्तर द्यावे.

**रतन पाटील :-**

मा. आयुक्तसाहेब, मला एका प्रश्नाचे उत्तर आपण द्यावे की हा दौरा कोणी आयोजित केलेला आहे आणि कोणाकोणाला निमंत्रित केलेले आहे. एवढे फक्त एका ओळीत उत्तर द्यावे आणि या ठिकाणी त्याचे पत्र सादर करावे. कोणाला निमंत्रित केलेले आहे तेवढेच फक्त सांगा.

**आसिफ पटेल :-**

या दौ-यासाठी फक्त सहा लोक आहेत.

**रतन पाटील :-**

तेवढेच दाखवा. मा. आयुक्तसाहेब आता दाखवतील.

**आसिफ पटेल :-**

आमच्याबरोबर राणेसाहेबसुध्दा येणार आहेत. तुम्ही कशाला गोंधळ घालता?

**शरद पाटील :-**

मा. महापौर मॅडम, तुम्ही आम्हाला फक्त फिगर सांगा. किती जण जाणार आहेत. किती लोक दौरा करणार आहेत ते सांगा.

**आसिफ पटेल :-**

सन्मा. सदस्य शरद पाटील, सात जण जाणार आहेत. मग मंजूरी काय करायची आहे.

**शरद पाटील :-**

साहेब, आठ जण आहेत. तुम्ही चुकत आहात. म्हणजे तुम्हाला मा. आयुक्तसाहेबांना पाठवायचे नाही का?

**आसिफ पटेल :-**

रु.२० लाखांची मंजूरी आहे. मग आपण आठ लोकांना कसे जायला देउ.

**शरद पाटील :-**

म्हणजे तुम्हाला मा. आयुक्तसाहेबांना न्यायचे नाही का?

**आसिफ पटेल :-**

प्रथम किती रुपयाची मंजूरी आहे ते बघा.

**शरद पाटील :-**

तुम्हाला मा. उपमहापौरांना न्यायचे नाही का? आता परिवहन समितीवाले गेले त्यांचा खर्च कोण करणार आहे?

**सुरेखा गायकवाड :-**

मा. महापौर मॅडम, बाकीच्या नगरसेवकांना प्रशिक्षण घ्यायचे आहे. महिला नगरसेविकांना प्रशिक्षण निधी रहायला पाहिजे. सगळा निधी ऑस्ट्रेलियाला गेला तर बाकीच्या सन्मा. सदस्यांचे काय? महिलांना ३३ टक्के आरक्षण आहे. त्याच्यातून त्यांनासुध्दा प्रशिक्षण मिळायला पाहिजे. तुम्ही जर एकाच वेळी रु. २० लाख खर्च केला तर बाकीच्या लोकांनी काय करायचे? त्यांनी फक्त इथे सभागृहात बसून रहायचे का? महिला नगरसेविकांनासुध्दा प्रशिक्षणाची गरज आहे.

**रिटा शाह :-**

मा. महापौर मॅडम की अनुमतीसे बोलती हूँ की मा. महापौर मॅडम, आदरणीय है । कोईभी प्रशिक्षण होगा तो उनको जाना जरूरी है । इसके लिए हम लोगोंका कोई विरोध नहीं है । हमारे मा. उपमहापौर उन्होंने खुदसे बोला क्योंकि उनको प्रशिक्षण की जरूरत नहीं है । मतलब वह अच्छी तरहसे कॅपेबल है और मुझे ऐसे लगता है की उन्होंने ऐसी इच्छा दिखाई है । लेकिन महत्व की बात यह है की अभी मॅडमने ३३ टक्के की बात उपस्थित की है । यहाँ सभागृहनेता जेन्टस है, विरोधी पक्ष नेता जेन्टस है, स्थायी समिती अध्यक्ष जेन्टस है, यहाँ तक की प्रभाग समिती अध्यक्ष चार जेन्टस है । तो मुझे ऐसे लगता है की आपने इसके अंदर ३३ टक्के के हिसाबसे महिलाओंको क्या प्रायोरिटी दी है। यहाँपर नगरसेवक महिला है । उनमेसे कोई कॅपेबल नहीं है क्या?

**रतन पाटील :-**

मा. आयुक्त साहेब, आपण आम्हाला उत्तर दिलेले नाही. या खर्चाला मंजूरी आहे का ते सांगा. मला पत्र दाखवा. आपण हया दौ-यासाठी कोणाला निमंत्रित केलेले आहे. तेवढे पत्र आपण सभासगृहास दाखवा.

**आसिफ पटेल :-**

सन्मा. सदस्य रतन पाटील सभागृहाने मंजूरी द्यायची आहे.

**शुभांगी नाईक :-**

मग महिला व बालकल्याण समिती सभापतींनासुध्दा घेउन जा. महिलांचे ३३ टक्के आरक्षण झालेले आहे.

**आसिफ पटेल :-**

मा. महापौरांच्या परवानगीने बोलतो की चारही प्रभाग समितीच्या अध्यक्षांना हया दौ-यामधून कट करा अशी मी तुम्हाला विनंती करतो. जेणेकरून हा गोंगाट बंद होईल. सन्मा. सदस्य रोहिदास पाटील प्रभाग समिती अध्यक्ष जायला नको असेच तुम्हाला वाटते ना.

**रोहिदास पाटील :-**

सन्मा. सदस्य आसिफ पटेल तुम्ही स्वतः दिलदार व्हायला पाहिजे.

**मा. आयुक्त :-**

आता फायनल कोण-कोण जाणार आहेत ते सांगा.

**आसिफ पटेल :-**

सन्मा. सदस्य रोहिदास पाटील तुमची एवढी कमाई आहे का? तुम्हाला कॉलेजची किती कमाई आहे ते सांगा.

**नितीन ठाकुर :-**

तुम्ही सर्व गटनेत्यांना जोडीला घ्या.

**मा. आयुक्त :-**

मी तुम्हाला पत्र वाचून दाखवितो.

**रतन पाटील :-**

ते पत्र कोणाला निमंत्रित केलेले आहे ते सांगा आणि ते पत्र सभागृहाला वाचून दाखवा.

**मा. आयुक्त :-**

मी सभागृहाला पत्र वाचून दाखवितो. हे पत्र एच.एस.आय. इंडियाचे डायरेक्टर आहेत. त्यांनी मा. महापौर महोदयांना हे पत्र लिहिलेले आहे. इन्टरनॅशनल इज्युकेटिव्ह शॉर्ट कोर्स असा विषय आहे. (पत्राचे वाचन केले.)

**रोहित सुवर्णा :-**

अधिकारी वर्ग नाही वाटते.

**मा. आयुक्त :-**

ऑफिशिअल आहे. इंडियन इलेक्ट्रेड रिप्रेझेंटेटिव्ह ऑफिशिअल्स अँड प्रोफेशनल्स. त्यांनी कव्हर करताना ब्रॉड कॅटेगिरीज कव्हर केलेल्या आहेत. त्याचा अर्थ प्रत्येकाने गेले पाहिजे अशातली गोष्ट नाही. आपल्या अंदाजपत्रकामध्ये जो खर्च दाखविलेला आहे. आपल्याला याच्यात दुस-या प्रशिक्षणासाठी वर्षभर अंदाजे किती खर्च येणार आहे या सगळ्याचा सारासार विचार करून कोणाला पाठवायचे ते सभागृहाने ठरवायचे आहे.

**नयना म्हात्रे :-**

मा. महापौरांच्या परवानगीने बोलते की, आज ऑस्ट्रेलियाचा विषय निघाला. म्हणून प्रत्येक सदस्य उभा राहून काव-काव करू लागला. कारण त्यांना फक्त फिरायची धांदल झालेली आहे. मला वाटते की गेले ३०-३५ दिवस झाले. आज आम्ही नगरपालिकेच्या बाहेर बसलेले आहोत. त्याच्यासाठी कोणी विचार केलेला नाही. मा. महापौर मॅडम, मला असे वाटते की तुम्ही हयाचा विचार करायला पाहिजे. आज मा. आयुक्तसाहेब आम्हाला नेहमी फसवतात की आम्ही पुढे कार्यवाही केली. हे झाले, ते झाले. परंतु, त्यांनी अदयापर्यंत काहीही केलेले नाही. तुम्ही माझ्यासमोर विचारा. बाहेर जी गरिब जनता बसलेली आहे. ती लोक काय विचार करित असतील की आज आम्हाला रहायला घरे नाही. आपल्या नगरपालिकेने त्यांना पाणी बंद केले. आज आपण फिरायच्या गोष्टी करतो, दौ-याच्या गोष्टी करतो. ही महानगरपालिकेसाठी किती शरमेची गोष्ट आहे.

**रोहित सुवर्णा :-**

हे म्हाडाचे पत्र आहे. काल म्हाडाने मा. आयुक्तसाहेबांना हे पत्र दिलेले आहे.

**नयना म्हात्रे :-**

आज त्यांची सगळी लहान-लहान मुले रस्त्यावर बसलेली आहेत.

**रोहित सुवर्णा :-**

हे हुडकोचे पत्र आहे. हुडकोला अधिकृत लिस्ट पाठवली गेलेली नाही.

**नयना म्हात्रे :-**

मा. महापौर मॅडम, ती लोक आज इथे येउन बसलेली आहेत. परंतु, रोज येउन आमचा जीव खातात की ताई काय झाले. आम्ही त्यांना काय उत्तर दयावे. फक्त कमिशनरसाहेब आम्हाला उडवाउडवीची गोष्ट करतात. परंतु, हा विषय आम्ही त्यांना सांगू शकत नाही.

**मा. आयुक्त :-**

हा विषय आजच्या सभागृहाचा विषय नाही.

**नयना म्हात्रे :-**

साहेब, तुम्ही असे बोलू नका. तीसुध्दा आपल्यासारखी माणसे आहेत.

**मा. आयुक्त :-**

हा विषय जर आजच्या सभागृहाचा नसला तरी.....

**नयना म्हात्रे :-**

हा विषय आजच्या सभागृहाचा नाही हे मी मान्य करते. परंतु, ती गरिब लोक कशासाठी बसलेली आहेत. आपल्या ऑस्ट्रेलियाचा विषय ऐकण्यासाठी बसलेले नाहीत.

**मा. आयुक्त :-**

मा. आयुक्तसाहेबांनी हयाच्यामध्ये काय केलेले आहे. हे तुम्हाला खूप चांगले माहिती आहे. तुम्ही आमच्यासोबत होतात.

**नयना म्हात्रे :-**

तुम्ही काय केलेले आहे ते बोला.

**रोहित सुवर्णा :-**

साहेब, मी तुम्हाला हे पत्र वाचून दाखवितो. (पत्राचे वाचन केले.) तुम्ही ज्या प्रशिक्षणाला चाललात त्यांनीच हे पत्र दिलेले आहे. आम्ही लिस्ट पाठविलेली आहे असे आपण बोलतात. हे काय चाललेले आहे. हे पत्र माहितीच्या अधिकाराखाली आलेले आहे.

**नयना म्हात्रे :-**

मा. महापौर मॅडम, ते दोन-तीन मिटिंगपासून गरीब लोक येउन बाहेर बसतात. आपण त्यांना काय उत्तर देतात. काहीच नाही. महापौर मॅडम तुम्ही त्यांना एकदासुध्दा विचारलेले नाही की तुम्ही बाहेर कशासाठी बसलात.

**मा. आयुक्त :-**

हा विषय कुठे येउन थांबलेला आहे. हे तुम्हाला चांगले माहिती आहे. मा. पालकमंत्र्यांनीदेखील याबाबत बैठक घेतलेली आहे. जिल्हाधिका-यांकडून जागा ताब्यात घ्यायची आहे. मागच्या वर्षीदेखील फन्डस आलेले होते. परंतु, जिल्हाधिका-यांनी जागा न दिल्यामुळे तो खर्च होऊ शकला नाही. तुम्हाला हा सगळा बॅकग्राउन्ड माहिती असताना.....

**रोहित सुवर्णा :-**

आम्ही लिस्टचे विचारतो. सेन्ट्रल गव्हर्नमेन्टने महानगरपालिकेकडून लिस्ट मागितलेली आहे. ती अजून पाठविली गेलेली नाही. चार वर्षांमध्ये तीन मिटिंग झाल्या. एकाही मिटिंगला आमदार, खासदार किंवा महापौर आलेले नाहीत.

**मा. आयुक्त :-**

आपण प्रत्येक मिटिंगला त्यांना बोलावलेले आहे आणि आपण त्यांना प्रत्येक मिटिंगला बोलवतो.

**रोहित सुवर्णा :-**

आपण त्यांना बोलावले आहे. परंतु, एकही महापौर किंवा तत्कालीन महापौर, नवीन महापौर यांना त्या मिटिंगला बोलावले असेल असे मला वाटत नाही. मी तुम्हाला तुमचे मिनिटस दाखवितो. मा. महापौर मिटिंगला गैरहजर होते आणि स्थानिक आमदारही गैरहजर होते.

**नयना म्हात्रे :-**

मा. महापौर मॅडम, आम्ही त्या दिवशी गणेश नाईकसाहेबांच्या ऑफिसला गेलेलो होतो. त्या दिवशी आपल्या कमिशनरसाहेबांनी तुम्हालाही तिकडे बोलावलेले नव्हते. आम्ही त्या दिवशी ठाण्याला कलेक्टरसाहेबांजवळ गेलो. त्या दिवशी तुम्हालादेखील यायला सांगितलेले नव्हते. मा. महापौर मॅडम, गरिबांवर काय अन्याय होत आहे हे तुम्हाला कसे माहिती पडेल.

**रोहित सुवर्णा :-**

मा. महापौर मॅडम, शासनाच्या जी.आर.प्रमाणे आपण या कमिटीचे सदस्य आहात. हे तुम्हाला माहिती असेल. मी गेलेलो होतो. मी तुम्हाला रिपोर्ट वाचून दाखवितो. दि. २२ मार्चला आपण महापौर होतात आपल्यालासुध्दा त्यावेळी सांगितलेले नव्हते. परंतु, तुम्हालादेखील त्या मिटिंगला बोलावलेले नव्हते. स्थानिक आमदार सगळे गैरहजर? खासदार गैरहजर? ते या कमिटीचे सदस्य आहेत. मुंबई महानगरपालिका सोडून महापालिका क्षेत्राकरिता समितीचा व्याप आहे. त्याच्यामध्ये कोण अध्यक्ष असतात. मिरा भाईंदर महानगरपालिकेचे आयुक्त असतात. इतर सदस्य कोण आहेत. महापौर, खासदार, विधानसभेचे सदस्य, विधान परिषदेचे सदस्य ज्यांच्या मतदार संघात त्या स्थानिक स्वराज्य संस्था येतात. जिल्हाधिकारी, जिल्हा समाजकल्याण अधिकारी, जिल्हा प्रकल्प अधिकारी, आदीवासी विभाग सहाय्यक संचालक नगररचना, कोकण गृहनिर्माण आणि क्षेत्र विकास मंडळाचा एक सदस्य जे सदस्य सचिव म्हणून असतात मॅडम सचिव म्हणून गेल्या चार वर्षांमध्ये फक्त चार मिटिंग झाल्या. दि. ६ फेब्रुवारी २००४ रोजी या गरिब जनतेची झोपडपट्टी तोडण्यात आली. आज बिचारे दोन्ही रस्त्याच्यामध्ये राहतात. त्यांचे पाणी बंद करण्यात येते. आम्हाला अनेकवेळा मोर्चा आणावा लागतो. शेवटी आम्ही गरिबांच्या न्यायासाठी रस्त्यावर बसलेले आहोत. हया वाल्मिकी आंबेडकर आवास योजनेबद्दल सांगायचे झाले तर तुम्ही ज्या प्रशिक्षणाला चाललेले आहात. त्या संस्थेचे नावदेखील 'इन्टरनॅशनल हाउसिंग स्किम' असे आहे. म्हणजे घरे कशी असावी. मॅडम, तुम्ही जो अभ्यास केलेला आहे. त्याप्रमाणे मी तुम्हाला सांगतो. मी जास्त हुशारी करित नाही हया हिशोबाने बोलतो. नाहीतर बोलतील की हया सभागृहात सन्मा. सदस्य रोहित सुवर्णा हे खूप बोलतात. मॅडम, न्युझीलंडसारखा देश डेरी मिल्क प्रोडक्टसाठी ओळखला जातो. फक्त डेरी मिल्क प्रोडक्ट जर आपल्या क्षेत्रामध्ये दुध विकास केन्द्र वगैरे असेल किंवा डेरी मिल्क वगैरे असतील तर आपण या प्रशिक्षणासाठी न्युझीलंड आणि ऑस्ट्रेलिया दिज टु कॅट्रिज आर नोन ओनली फॉर डेरी प्रोडक्ट.

**लिओ कोलासो :-**

मा. महापौरसाहेब, हया गोष्टीला आक्षेप आहे की जेव्हा एखादया मान्यवर संस्थेने एखादा कोर्स आयोजित केलेला आहे. आपण तिथे फक्त डेरी प्रॉडक्टचा अभ्यास करण्यासाठी जात आहोत. हे हयांचे

कन्टेन्सस बरोबर नाही. हे या सभागृहाला पटण्यासारखे नाही. त्या राष्ट्रामध्ये त्या देशामध्ये इतर अनेक चांगल्या गोष्टी असतील हयाच्यामध्ये त्या बघण्याचा हयाच्यामध्ये अंतर्भाव असेल.

**रोहित सुवर्णा :-**

मा. महापौर मॅडम, ते आयोजन सरकारने केलेले नाही. एखादया प्रायव्हेट संस्थेने सरकारची संमती घेउन केलेले आहे. जिथे छोट्या नगरपालिका आहेत. उदाहरणार्थ टिटवाळा, अंबरनाथ, नवी मुंबई हया सगळया ठिकाणी वाल्मिकी आंबेडकर आवास योजना आहे. मॅडम, आपल्याकडे अशी योजना नाही हे आपले दुदैव आहे.

**मोहन पाटील :-**

सन्मा. महपौर, या ठिकाणी फक्त एक प्रस्ताव मांडलेला आहे. हा विषय विषयपटलावर नसताना आलेला आहे. त्यांची तळमळ आहे. त्या दृष्टिने आदरणीय पालकमंत्री गणेश नाईकसाहेब यांनासुध्दा आपल्या दालनात बोलावले होते. त्यांच्या निर्देशाप्रमाणे जिल्हाधिका-यांनासुध्दा त्यांच्या दालनात बोलावले होते. त्याकरिता आपल्या संपूर्ण शहराची जी जागा आपल्याला वाल्मिकी आंबेडकर आवास योजनेला देउ करायची आहे. त्याचा सर्व्हे नं. २३३ आहे. आपली इतर जी आरक्षणे आहेत म्हणजे प्रत्येक दौरा करण्यासाठी मा. जिल्हाधिकारी या ठिकाणी येणार आहेत. ते अजुनपर्यंत आलेले नाहीत. त्या संदर्भात मा. महापौरांनी आपल्या दालनामध्ये संबंधित नगरसेवक आणि सर्व गटनेत्यांना, सर्वांना एकत्रित बोलावून आपण एक सभा लावावी आणि बैठक आयोजित करावी. आपल्याला त्या प्रश्नाचे जे प्रायव्हेटीव्ह बेसीसवर प्राधान्याने करता येईल ते काम आपण हाती घेउन ताबडतोब तो प्रश्न सोडवावा म्हणून मी हया विषयावरती बोलू इच्छितो की सदर बैठक आपल्या दालनात त्वरित सभेनंतर किंवा सभेच्या एक दिवसानंतर आपण बोलून घ्यावे.

**अनंत पाटील :-**

मा. महापौर महोदया, हा जो विषय आहे. हा कुठल्या वॉर्डशी संबंधित आहे. म्हणजे कुठल्या वॉर्डात पुर्नवसन करायचे आहे. आपल्याला पुर्नवसन करायला पाहिजे तर हा कुठल्या वॉर्डतील विषय आहे त्याचे प्रथम स्पष्टीकरण करावे.

**मोहन पाटील :-**

ते त्या वॉर्डचे नगरसेवक आहेत.

**अनंत पाटील :-**

हा जो विषय चाललेला आहे. हा विषय कुठल्या झोपडपट्टीसाठी आहे हे मा. महापौरांनी सांगावे.

**मोहन पाटील :-**

ती आंबेडकरवासिय झोपडपट्टी आहे. परंतु, आपण हया विषयावर आमच्याशी प्रायव्हेटिव्ह बेसीसवर दालनामध्ये मिटींग बोलावावी.

**आसिफ शेख :-**

साहेब, मी त्या प्रभागातील अध्यक्ष आहे. तेव्हा सन्मा. सदस्य अनंत पाटील यांच्या भावनेशी मी सहमत आहे. पालकमंत्र्यांनी सर्वांनी तसे निवेदन दिलेले आहे. पालकमंत्र्यांनी सांगितलेले आहे आणि याबाबत दालनामध्ये मिटींग बोलावलेली आहे. आपल्याला तिथे बसून निर्णय घेता येईल.

**मा. महापौर :-**

सन्मा. सदस्य अनंत पाटील आपण हया विषयावर दोन ते तीन दिवसातच मिटींग लावू आणि चर्चा करू. हा विषय सध्या सभागृहात नाही. तरीसुध्दा आपण हया विषयाला प्राधान्य देउन हा प्रश्न लवकरात लवकर कसा सुटेल हयासंबंधी एकत्रित बसून चर्चा करूया. आपण खाली बसावे.

**रोहिदास पाटील :-**

हा विषय एका प्रभागासाठी नाही. हा विषय निघालेला आहे. वाल्मिकी आंबेडकर आवास योजनेचे पहिले ॲप्लिकेशन तो रेल्वे.....

**मा. महापौर :-**

सन्मा. सदस्य रोहिदास पाटील आपण जे बोलता ते मान्य आहे. आपण सर्वांनी एकत्र बसून हा विषय गांभीर्याने चर्चा करून सोडवूया. आपण सभासदांनी बसून घ्यावे.

**अनंत पाटील :-**

मा. महापौरांच्या परवानगीने बालतो की, दोन वर्षापूर्वी आम्ही विषयासाठी आटोकाट प्रयत्न करीत आहोत.

**संगिता म्हात्रे :-**

मा. महापौरांच्या परवानगीने बोलते की त्या वॉर्डचे नगरसेवक हे त्या वॉर्डच्या विकासासाठी खंबिर आहेत आणि प्रोसीजर सर्व चालु आहे. आता येउन तिकडे काय तमाशा चालु आहे हा काय देखावा आहे का कसला?

**अनंत पाटील :-**

मा. महापौर मॅडम कारण ते तिकडे पार्टी पॉलिटिकल करते. पाणी हे फक्त तेथील पार्टीच्याच लोकांना दिले जाते हा काय प्रकार चाललेला आहे आणि लोकांमध्ये गैरसमज पसरवण्यात आलेला आहे आणि

त्यामुळे हा प्रकार घडत आहे. आम्हाला तिथे पुनर्वसन करा असे कधी सांगितले नाही आम्ही मा. आयुक्तांच्या संपर्कात आहोत. याबाबत मा. आयुक्तांशी बोललेलो आहोत. आणि असेच कुठल्यातरी वार्डामध्ये जाऊन त्यांना भडकाभडकी करायची आणि त्यांना संघर्षामध्ये आणायचे ही बाब खरी नाही. माझे एवढेच म्हणणे आहे की, त्यांचे पुनर्वसन व्हायला पाहिजे. अडीच वर्षांमध्ये पुनर्वसन कुठे कुठे द्यावीत याचे पत्र मला तुमच्या कडून मिळालेले आहे. त्यांचे पुनर्वसन होणे हे आवश्यक आहे. मा. कलेक्टर साहेबांकडून तुम्हाला परवानगी मिळाली की नाही किंवा कुठल्या कुठल्या जागेला परवानगी आवश्यक आहे. आतापर्यंत जी तुम्ही आम्हाला पत्र दिलेली आहेत त्याच्यात तुम्ही उल्लेख केलेला आहे. तशा प्रकारचे प्रयत्न चालू आहेत. पुनर्वसन करणा-या झोपडपट्टीवासियांचे नंबरस आहेत. जवळजवळ १८५ लोकांना दिलेले आहे. काही ४५० लोकांचे बाकी आहे तरी पण तेथे झोपडपट्टी वाढत आहे. संपूर्ण जागेमध्ये ह्या झोपड्या वाढत आहेत तरी मा. महापौरांनी आणि मा. आयुक्तांनी याबाबत प्रयत्न करावेत. झोपड्या ह्या वाढत वाढत चालल्या आहेत आणि तिथे रस्त्यामध्ये अडथळा निर्माण होत आहे.

#### **मा. महापौर :-**

सन्मा. सदस्य आपली सुचना समजलेली आहे कृपया आपण बसून घ्यावे. आपल्याला बोलायला नंतर संधी दिली जाईल.

#### **जयंत पाटील :-**

मा. महापौरांच्या परवानगीने बोलतो की भाईदर पूर्वेला आपल्याला कल्पना असेल की, आपल्या दालनामध्ये ५० ते ६० लोक घेऊन आलो होतो की जे आज अतिशय घाणेरड्या अवस्थेमध्ये डंपींग ग्राउंडवर राहतात. अशी अवस्था ऑस्ट्रेलिया आणि न्युझीलंडमध्ये असेल असे काही मला वाटत नाही. ज्या डंपींग ग्राउंडवर आम्ही उभे राहू शकत नाही त्यांना तिथे पिण्याचे पाणी नाही अशा तऱ्हेचे लोक आज तेथे राहतात आणि सांगायला मला काही त्याच्यामध्ये वाटत नाही आणि ते आपल्याच समाजाचे लोक असून आपल्यासमोर त्यांना आणलेले होते. आणि हे वीस लाख रुपये आपण खर्च करून त्यांना काही फायदा होईल असे वाटत नाही. आज आपल्या शहरामध्ये अनेक इमारती ह्या धोकादायक अवस्थेमध्ये आहेत मागे सुध्दा एकवेळा विषय आलेला होता. शहरामध्ये अशा अनेक इमारतीह्या धोकादायक अवस्थेमध्ये आहेत आणि अशा तऱ्हेची एखादी घटना घडल्यानंतर किंवा अपघात झाल्यानंतर राहायला कोणत्याही प्रकारचा ट्रान्झिट कॅम्प नाही. त्यांना आर्थिक मदत आपण करतो. परंतु आपण अशा प्रकारचे वीस लाख रुपये खर्च करताना एखादा अपघात घडल्यानंतर आपल्याकडे महापौर निधी हा नाही. मागे असाच विषय आला होता फक्त आपण सभेमध्येच बोलतो आणि त्यानंतर विषय संपून जातो. हा विषय आहे. दोनदा अशा प्रकारची घटना घडलेली आहे. राई गावामध्ये एकदा घरे जळली आणि नवघर गावामध्ये असा प्रकार घडला. पावसाळ्यामध्ये काहीही घडू शकते आणि त्या लोकांना चांगल्या तऱ्हेने ठेवणे आणि त्यांना मदत करणे हे आपले कर्तव्य आहे. परंतु आपण सभेमध्ये विषय आल्यानंतर चर्चा होते आणि काहीच निर्णय होत नाही. फक्त आमची लोक कधी एकदा न्युझीलंड पोहोचतो किंवा कधी एकदा ऑस्ट्रेलियाला पोहोचतो आहे अशा तऱ्हेची चर्चा इकडे चालू आहे. सहा जणांवर एकजण फ्री. सन्मा. सदस्य श्री. मिलन पाटील जायला तयारच आहेत त्यांना आशिया खंडाचा प्रचंड अनुभव आहे. मघाशी श्री. आसिफ पटेल अशा तऱ्हेचे सांगितले.

#### **मिलन पाटील :-**

मी फ्री जाणार नाही. मला फ्री नको आहे मी स्वतःच्या खर्चाने जायला तयार आहे.

#### **जयंत पाटील :-**

मघाशीच सन्मा. सदस्य श्री. आसिफ पटेल यांनी सांगितले की या महाराष्ट्रावर हजारो कोटीचे कर्ज असताना मा. मुख्यमंत्री तिकडे फिरायला गेलेले आहेत आणि मी त्या गोष्टीचा निषेध करतो मा. मुख्यमंत्री तिकडे फिरायला गेलेले नाहीत तर ते तिकडे कशा प्रकारचे बिझनेस आहेत त्यांचा अभ्यास करायला गेलेले आहेत. आणि तिकडून त्या बिझनेसचा महाराष्ट्राला कसा फायदा होईल याचा अभ्यास करण्यासाठी गेलेले आहेत आणि तिकडून तो पैसा आणायला गेलेले आहेत. कदाचित त्यांनी वर्तमानपत्र हा चुकीचा वाचलेला असेल ते कुठल्या वर्तमानपत्रात होते ते मला माहित नाही. बहुतेक लोकल वर्तमानपत्र वाचला असेल.

#### **आसिफ पटेल :-**

सन्मा. सदस्य जयंत पाटील आपण माझ्या वडीलांचे मित्र आहात आणि आपण चुकीचे बोलतात असे म्हणू शकत नाही. परंतु मी ही तुम्हाला एक माहिती दिली.

#### **रतन पाटील :-**

बहुतेक सन्मा. सदस्य श्री. आसिफ पटेल यांनी सामना पेपर वाचला असेल.

#### **जयंत पाटील :-**

मा. मुख्यमंत्री स्वतः पैशाने जाण्यास समर्थ आहेत. परंतु ते सर्व अधिका-यांना घेऊन गेलेले आहेत त्या देशामधून आपल्या देशामध्ये औद्योगिक क्षेत्र कसे वाढेल आणि आपल्या महाराष्ट्रातील लोकांना नोक-या कशा मिळतील या दृष्टीने पाहणी करण्यासाठी ते गेलेले आहेत.

### शशिकांत भोईर :-

मा. महापौरांच्या परवानगीने बोलत आहे की, महापौर मॅडम मी कधीपासून परवानगी मागत आहे. प्रशिक्षणाबाबत मला बोलायचे आहे. मॅडम आपल्याला एकावे लागेल आज जे भाईदरच्या लोकांनी व्यक्तव्य केले चंदीगडला जाउन तुम्ही काय प्रशिक्षण घेतले? तुम्हा नापास झालात आमची पास नापासची तपासणी त्यांनी कशी केली? ते त्यांनी दाखवावे.

### रोहीत सुवर्णा :-

वॉर्ड म्हणजे काय? वॉर्डचे डेफिनेशन सर्व मिरा भाईदरसाठी असते.  
(सभागृहात गोंधळ)

### तुळशीदास म्हात्रे :-

मा. महापौरांच्या परवानगीने बोलतो की, सन्मा. सदस्य श्री. जयंत पाटील यांनी जो विषय घेतला होता की ज्या धोकादायक इमारती आहेत त्यांना नोटीसा द्यायला सहा ते आठ महिने लागतात. अर्ज करूनसुध्दा ह्या इमारतीची पाहणी केलेली आहे व त्या धोकादायक आहेत तरी त्यांना नोटीसा द्या. जो बिल्डींगची पाहणी करणारा अधिकारी होता त्या माणसाने नोटीसा लॉकरमध्ये कुठेतरी ठेवल्या आणि तो तीन महिने कुठे बाहेर गावी फिरायला गेला होता. जर धोकादायक बिल्डींग पडली तर महानगरपालिकेच्या क्षेत्रात मोठी हानी होणार आहे. आपण बाकीच्या गोष्टी ह्या मोठ्या मोठ्या करत असतो. परंतु ज्याच्यावर लक्ष केंद्रीत करावयाचे आहे त्याच्यावर तुम्ही खरे म्हणाल तर लक्ष केंद्रीत करायला हवे.

### शशिकांत भोईर :-

मा. महापौरांच्या परवानगीने बोलत आहे की, महापौर मॅडम मी कधीपासून परवानगी मागत आहे. ती आपणांस द्यावी लागेल. प्रशिक्षणाच्या बाबतीत लोकांनी जे व्यक्तव्य केले की पास झाले की नापास झाले. तुम्ही काय आमची परिक्षा पाहीली का? तुम्ही चंदीगडला जाउन काय केले. सिव्हरेज पार्कच्या येथील गटाराचे पाणी गार्डनला पुरविले जाते. अशी काही तुमच्याकडे योजना आहे का? आजपर्यंत अशी योजना कधी राबविली आहे का? त्याच्याकडे २० ते २५ एकर जागेचे गार्डन आहेत. आज आपल्याकडे विकास आराखडा तयार असून एवढ्या विकास आरखड्यांना आपण जे नंबर दिले ३६० पर्यंत तर त्यातील किती हस्तांतरण केले. एकही करू शकले नाहीत. त्याबद्दल तुम्ही वक्तव्य करावे. प्रशिक्षणात पास झाले किंवा नापास असे वक्तव्य कशाला करता. आपण सिव्हरेज पार्कबाबत मा. महासभेत विषय असूनसुध्दा आपण आतापर्यंत काय पूर्तता केली. काहीच अंमलबजावणी झाली नाही. कुठेच आपल्याकडे सिव्हरेज पार्क सारखी योजना नाही. म्हणून आपण गटाराची पाणी तरी कसे पुरविणार कारण आपल्याकडे तशा प्रकारचे गार्डन नाहीत. तरी वक्तव्य करताना क्वेणीही पहिल्यांदा बघायचे की, आपल्याकडे तशा प्रकारची अंमलबजावणी ही होणार का? आणि आपल्या इकडे तशा प्रकारची योजना आखलेली आहे आणि ती कार्यान्वीत होत नाही. प्रशिक्षणास आपण जाणार आहोत तर अशा किती योजना आणणार. ऑस्ट्रेलिया आणि न्युझीलंड प्रशिक्षण दौऱ्यावर जाणारे पदाधिकारी आणि अधिकारी कोण जाणार आहेत याबाबत खुलासा करावा.

### रोहीदास पाटील :-

अशा किती लोकांची मंजूरी घेतली? सभागृहाने डोळेझाक मंजूरी दिलेली नाही.

### मा. महापौर :-

सचिव ठराव वाचून दाखवा.

### प्र. सचिव (विजय पाटील) :-

प्रकरण क्र. १६ विषय मा. महापौर, मा. पदाधिकारी यांच्या अभ्यास दौऱ्याबाबत मंजूरीसाठी आय.एच.एस. इंडिया यांचेकडील दि. ७ मे २००५ च्या पत्रान्वये दि. ३१ जुलै २००५ या कालावधीमध्ये ऑस्ट्रेलिया आणि न्युझीलंड येथे होणाऱ्या अभ्यास दौऱ्यासाठी मा. महापौर, मा. उपमहापौर, सभागृह नेते, मा. विरोधी पक्ष नेते हे पदाधिकारी यांना ह्या प्रशिक्षण घेण्यासाठी ही सभा मंजूरी देत आहे. मंजूर अंदाज पत्राकास अधीन राहून ही सभा होणाऱ्या खर्चार्करीता मंजूरी इतर जे सन्मा. सदस्य या सदर दौऱ्यावर जाऊ इच्छितात त्यांनाही त्या सदस्यांच्या स्वतःच्या खर्चाने जाण्यास या दौऱ्यात सामील करून घेण्यास ही सभा मंजूरी देत आहे. सुचक - श्री. मोहन पाटील अनुमोदक - नरेंद्र मेहता हे आहेत.

### नरेंद्र मेहता :-

सचिव साहेब प्रभाग अध्यक्ष बोलले म्हणून मी अनुमोदन दिलेले आहे. म्हणून हा ठराव चुकीचा आहे ठराव झालेला आहे. मा. महापौर मॅडम मला या दौऱ्यासाठी जाण्याची व अभ्यास घेण्याची इच्छा आहे. महापालिकेकडे बजेट नसेल तर मला दिलेली गाडी त्यांनी परत घ्यावी त्याचा भत्ता व माझा नगरसेवक निधी ह्या खर्चामधून मला पाठविण्यांत यावे अशी त्यात नोंद करून घ्यावी.

### रोहीत सुवर्णा :-

नगरसेवक भत्ता हा किती आहे तो फक्त चार हजार रुपये आहे.

### नरेंद्र मेहता :-

जो ठराव आहे तो चुकीचा आहे. त्या ठरावास मी अनुमोदन दिलेले नाही.

**रोहिदास पाटील :-**

बजेटमध्ये तेवढी तरतुद नाही तरी आम्ही फक्त तीन सदस्यांना जाण्याची परवानगी सभागृहास देत आहोत.

**रतन पाटील :**

फक्त तिघांना आम्ही परवानगी देत आहोत. मा. आयुक्त, मा. महापौर, मा. उपमहापौर या तिघांना आम्ही आभ्यास दौन्यास जाण्यासाठी परवानगी देत आहोत.

**मा. उपमहापौर :-**

माझे नांव ह्या ठरावात आहे ते वगळून घेण्यात यावे, असे मी सांगतो.

**रोहीत सुवर्णा :-**

मा. महापौर मॅडम बजेटमध्ये प्रभाग समितीच्या अध्यक्षाना वाहन भत्ता बदलता येत नाही. आपला वाहन भत्ता हा प्रवास भत्त्यात टाकता येत नाही. तुम्ही स्वखर्चाने जाऊ शकता.

**रतन पाटील :-**

ज्यांना जायचे असेल त्यांनी स्वखर्चाने जावे. त्यांनी महापालिकेचा पैसा खर्च करू नये.

(सभागृहात गोंधळ)

**आसिफ शेख :-**

सन्मा. महापौर साहेबा परदेश दौरा जाणेसाठी या ठिकाणी जो ठराव सर्वप्रथम सन्मा. सभागृहातील जेष्ठ सदस्य, स्थायी समितीचे सभापती श्री. मोहनजी पाटील यांनी जो ठराव मांडलेला होता तो ठराव मा. महापौर, चारही प्रभागाचे अध्यक्ष, सभागृह नेते व विरोधी पक्ष नेते इतकाच ठराव होता आणि त्याला मान्यता म्हणून अनुमोदन श्री. नरेंद्र मेहता यांनी त्याला मान्यता दिलेली आहे. सन्मा. उपमहापौर यांनी स्वतःहून सांगितले की, सर्व काही बघितले असून पाहिलेलेसुद्धा आहे आणि जायची माझी मानसिक इच्छा नाही.

**रोहीदास पाटील :-**

असे काही मा. उपमहापौर बोललेले नाही.

**रोहीत सुवर्णा :-**

मा. महापौर मॅडम श्री. आसिफ शेख आणि श्री. नरेंद्र मेहता यांच्याकडे मर्सीडीज गाड्या आहेत. मर्सीडीज गाडीवाले कसेही जाऊ शकतात.

**नरेंद्र मेहता :-**

मा. महापौर मॅडम माझी गाडी ही ऑस्ट्रेलियाला जात नाही.

**आसिफ शेख :-**

मा. महापौरांच्या परवानगीने बोलतो की, मा. उपमहापौरांनी सांगितले माझी जायची इच्छा नाही. महापालिकेच्या कोणत्याही खर्चाने मी जाणार नाही अशी त्यांनी इच्छाही प्रकट केलेली आहे. त्याचप्रमाणे श्री. मोहन पाटील व लिओ कोलासो साहेबांनीसुद्धा इच्छा प्रकट केलेली आहे की आम्हाला जायचे नाही. प्रत्येकाची जायची इच्छा नाही. ठराव झालेला आहे तरी त्याच्यात मा. महापौर, मा. उपमहापौर, विरोधी पक्षनेते आणि चारही प्रभागाचे अध्यक्ष असा ठराव झालेला आहे. विषय पटलावर ठराव झाल्यानंतर श्री. विजय पाटील यांनी जो ठराव वाचून दाखविला तो ठराव हा वेगळाच आहे म्हणून ह्या ठिकाणी दोन ठराव झाले.

**रोहीत सुवर्णा :-**

मा. महापौर मॅडम दोन्ही ठराव हे सत्ताधारी पक्षाचे आहेत. नरेंद्र मेहताजी दोन्ही ठराव हे त्याचेच आहेत. मतदान करा.

**नरेंद्र मेहता :-**

पहिला ठराव आमचा आहे. दुसरा ठराव माझा नाही.

**रोहीत सुवर्णा :-**

आप तुरंत पल्टी खा गये।

**नरेंद्र मेहता :-**

अहो असे कसे करता ऑलरेडी ठरावाला अनुमोदन झालेले आहे. पहिल्या ठरावाला मी केलेले आहे. मा. महापौर मॅडम आपण चांगले ऐकलेले आहे. ठराव काय झालेला आहे.

**रोहीत सुवर्णा :-**

सन्मा. सदस्य मा. मोहन पाटील साहेब तुम्ही वर जाऊन मा. आयुक्तांशी बोलावे आम्हाला काही हरकत नाही. कशाला मोबाईलवर बोलता. सक्रिय निर्णय घ्या. सक्रिय निर्णय हा अॅण्टी चेंबरमध्ये घेतला जातो तसा घडून टाका.

(सभागृहात गोंधळ)

**मोहन पाटील :-**

मी सुचक म्हणून ठराव दिलेला आहे.

**नरेंद्र मेहता :-**

ऑलरेडी अनुमोदन झालेले आहे.



**रतन पाटील :-**

आम्ही पण एक ठराव देत आहोत.

**संगिता म्हात्रे :-**

मा. महापौर मॅडमच्या परवानगीने बोलते की विरोधी पक्षनेते जाणार आहेत का? त्याचे नक्की करुन घेतले का?

**रतन पाटील :-**

मा. महापौरांच्या परवानगीने बोलतो की आम्हीपण एक ठराव देत आहोत. आता तीन ठराव झाले तरी मा. महापौरांनी त्यावर रुलिंग द्यावे.

(सभागृहात गोंधळ)

**जयंत पाटील :-**

करदात्या जनतेच्या पैशावर सगळे जायला निघाले आहेत. स्वतःच्या पैशावरती जायला कुणाची हिंमत नाही. जसे सन्मा. सदस्य मिलन पाटील साहेबांनी तसे तुम्ही स्वतःच्या पैशाने जावे. फक्त तिघांनी जाण्यासाठी परवानगी सभागृहाने द्यावी अशी माझी सभागृहाला विनंती आहे. मा. महापौर, मा. आयुक्त, मा. उपमहापौर यांना परवानगी द्यावी. मा. उपमहापौर जाणार नाहीत हा वेगळा भाग आहे. आम्ही सभागृहाची मान्यता जी असेल ती कोण कोण चालले आहेत. कसे कसे चालले आहेत. त्या देशामध्ये भ्रष्टाचार कसा करतात ते बघण्यासाठी आम्ही चाललो आहोत का? भ्रष्टाचाराने पकडले गेले तरी शरम वाटत नाही आणि जायला निघाले आहेत.

**शशिकांत शहा :-**

मा. महापौर मॅडम इतरतरहसे आपने महानगरपालिका पैसा व्यर्थ करुन वो अच्छा नही है। चंदीगडमेभी सभी लॉग गये हुए थे। अभी तक किसीनेभी प्रशासनको अहवाल नही दिया वह देना चाहिए। इस तरहसे यह काम होना चाहिए। जिसको जानेका है उसको अपना खुदका पैसा लेके जाना चाहिए।

**शशिकांत भोईर :-**

मा. महापौरांच्या परवानगीने बोलतो की मा. महापौर मॅडम आम्ही सचिवांकडे ठराव दिलेला आहे. त्या ठरावाचे त्यांनी वाचन करावे. मा. महापौरांना विनंती आहे त्यांनी सचिवांना आमच्या ठरावाचे वाचन करण्यास सांगावे.

**नरेंद्र मेहता :-**

पहिला ठराव कुठला? दुसरा ठराव कुठला? असे किती ठराव झाले.

(सभागृहात गोंधळ)

**शशिकांत भोईर :-**

मा. महापौरांच्या परवानगीने बोलतो की मी एक ठराव सचिवांकडे दिलेला आहे तरी त्याचे वाचन सचिवांना करण्यास सांगावे, सचिव साहेब आमच्या ठरावाचे वाचन करा.

**आसिफ पटेल :-**

मा. महापौरांच्या परवानगीने मी असा ठराव मांडतो की, मा. महापौर, मा. उपमहापौर आणि मा. आयुक्त साहेब या तिघांना मंजूरी या सभागृहाने द्यावी.

(सभागृहात गोंधळ)

**शुभांगी नाईक :-**

मा. महापौर मॅडम सन्मा. सदस्य आसिफ पटेल यांनी जो ठराव मांडला त्या ठरावास माझे अनुमोदन आहे.

**आसिफ पटेल :-**

मा. महापौर मॅडम आपण कृपा करुन स्थायी समिती सभापती यांना नेउ नये. कारण वेळोवेळी मला त्यांच्याशी काम असते ते येथेच पाहिजेत. म्हणून मी हा ठराव मांडलेला आहे.

**आसिफ शेख :-**

सन्मा. महापौर साहेबा या ठिकाणी सन्मा. सदस्य श्री. आसिफ पटेल यांनी जो ठराव मांडलेला आहे त्यास अनुमोदन शुभांगी नाईक यांनी दिलेले आहे. मा. उपमहापौर साहेबांनी स्वतःच इच्छा प्रकट केलीली आहे ती मला जायचे नाही म्हणून एक खर्च वाचेल तरी मा. आयुक्त आणि मा. महापौर या दोघांनीच जावे.

**गजानन भोईर :-**

थोड्या दिवसांत त्यांचा तो विचार बदलेल.

**मा. उपमहापौर :-**

सन्मा. सदस्य श्री. शशिकांत भोईर यांच्याकडून एक ठराव आला होता आणि त्याच्यामध्ये आपण उल्लेख केला होता की मा. महापौर, मा. उपमहापौर आणि मा. आयुक्त. आणि त्याचप्रमाणे दुसरा ठराव सन्मा. सदस्य आसिफ पटेल यांच्याकडून आला होता आणि आधीचा जो ठराव आलेला मोहन पाटील साहेबांकडून आणि त्यास नरेंद्र मेहता साहेबांनी पुन्हा उठून सांगितले की माझे अनुमोदन त्या ठरावास नाही.

**नरेंद्र मेहता :-**

मी असे नाही सांगितले परंतु माझे अनुमोदन एका ठरावास झालेले आहे.

**मा. उपमहापौर :-**

अपण नेमके ठरवून घ्यायचे की आपण काय करायचे आपण त्याच्यावर सही केलेली नव्हती. सहाय्यांचे दोन ठराव आलेले आहेत आणि दोन्ही ठरावावरती मा. महापौर, मा. उपमहापौर आणि मा. आयुक्त यांना जायचे आहे. आणि मी सभेच्या सुरुवातीलाच विषय निघाला होता त्यावेळी सांगितले होते की मी जाणार नाही. सभागृहाने सन्मान देउन माझे नांव टाकलेले आहे. परंतु मी पुन्हा सभागृहाला विनंती करतो की मा. महापौरांना दौऱ्यासाठी जायचे आहे. आधी सांगितले होती की इतर पदाधिकारी पाठवितो आहोत तरी यु.डी. ची मंजूरी मिळाल्यानंतर ते हाईल परंतु कर्मधर्म संयोगाने सर्वांच्या मताने मा. आयुक्त आणि मा. महापौर यांचे नांव होते तरी मा. आयुक्तांच्या जागेवरती मा. उपायुक्तांना पाठविता येईल तशी तजवीज ठेवावी. मी जाणार नाही हे निश्चित आहे कृपया आपल्या प्रेमापोटी आपले हार्दिक आभार.

**नयना म्हात्रे :-**

मा. महापौर मॅडम आमचा देखील एक ठराव आहे.

**मा. उपमहापौर :-**

सभागृहाकडून एक अशी मागणी होती की, मा. आयुक्त साहेब जर स्वखर्चाने जाणारे काही इच्छूक लोक असतील तरी त्यांची नावे द्यावीत. मग ते अॅडजेस्ट होतील ते स्वखर्चाने जाणारे तरी त्यांना शासनाच्या धोरणाने जाता येईल.

**मिलन पाटील :-**

आमचा ठराव इकडून जाऊ द्या. आम्ही मान्यता देतो म्हणून सांगा.

**आसिफ शेख :-**

ज्या नगरसेवकांना स्वखर्चाने जायचे असेल तरी त्यास सभागृहाच्या मान्यतेचा प्रश्नच येत नाही.

**मिलन पाटील :-**

मा. उपमहापौर साहेब तुमच्या ठरावामध्ये तसा उल्लेख करावा की ते स्वखर्चाने जाणार आहे तरी त्यास व्हिजा मिळेल नाहीतर व्हिजा कसा मिळेल. तुम्ही ठराव तसा करावा कारण ते स्वखर्चाने जाणार आहेत. त्यांना जाऊन देत.

**नयना म्हात्रे :-**

मा. महापौर मॅडम आमचा ठराव जरा वाचून दाखवा.

**मोहन पाटील :-**

सन्मा. सदस्य श्री. आसिफ पटेल यांनी ठराव मांडलेला आहे आणि त्या ठरावास अनुमोदन शुभांगी नाईक यांनी दिलेले आहे तरी ह्या ठरावामध्ये ज्या नगरसेवकांना / सदस्यांना जायची इच्छा असेल त्यास या सभागृहाने परवानगी द्यावी असे ठरावामध्ये नमूद करावे.

**मा. महापौर :-**

सन्मा. सदस्य आसिफ पटेल, सन्मा. सदस्य शशिकांत भोईर साहेब यांनी मांडलेला ठराव सर्वानुमते मंजूर. पुढील विषय घेण्यांत यावा.

**नयना म्हात्रे :-**

मा. महापौर मॅडम आमचा ठराव जरा वाचून दाखवा.

**आसिफ शेख :-**

सन्मा. महापौर साहेबा झालेला ठराव वाचून दाखवा.

**शरद पाटील :-**

मा. महापौर हा ठराव सन्मा. सदस्य श्री. रोहीदास पाटील आणि सन्मा. सदस्य श्री. शशिकांत भोईर यांनी मांडलेला आहे आणि मला सभागृहात एक सुचना करावयाची आहे की आपले जे माईक आहेत ते मा. उपमहापौरांना प्रत्येकवेळी हातात घेउन बोलावे लागते आणि हे बरोबर नाही. तरी तो माईक उद्याच्या उद्या बदली झाला पाहिजे अशी आमची विनंती आहे असे आदेश आपण द्यावेत.

**आसिफ शेख :-**

सन्मा. महापौर साहेबा झालेला ठराव सभागृहात वाचून दाखवा. मा. महापौर, मा. उपमहापौर, मा. आयुक्त हे दौऱ्यासाठी जातील त्यापैकी मा. उपमहापौरांनी सांगितले की मी जाणार नाही आणि ज्यांना जायचे असेल तर त्यांची नावे त्यात नोंदवून घ्या. म्हणजेच त्यांना रजिस्ट्रेशन करता येईल आणि ज्या सन्मा. सदस्यांना स्वखर्चाने जायचे असेल तर त्यांना जाता येईल.

**प्र. सचिव (विजय पाटील) :-**

सन्मा. सदस्या नयना गजानन म्हात्रे व सन्मा. सदस्य सुरेंद्रप्रसाद तिवारी यांच्याकडून जो ठराव आलेला आहे तो मी वाचून दाखवितो - मा. महापौर व मा. पदाधिकारी यांच्या अभ्यास दौऱ्याच्या मंजूरीसाठी दि. ३१/७/२००५ ते दि. ३१/८/२००५ या काळावधी ऑस्ट्रेलिया आणि न्युझीलंड येथे होणा-या अभ्यास दौऱ्यासाठी मा. महापौर, मा. उपमहापौर यांचे नांव सभागृह सुचवित आहे कारण सभागृहामध्ये व

महानगरपालिकेमध्ये हेच फक्त निर्णय घेत असतात म्हणून त्यांनीच फक्त अभ्यास दौऱ्यासाठी जाण्याबाबत आम्ही हा ठराव मांडत आहोत, सुचक सन्मा. सदस्या श्रीम. नयना गजानन म्हात्रे व अनुमोदन श्री. सुरेंद्रप्रसाद तिवारी हे आहेत.

**नयना म्हात्रे :-**

ठराव हा मतदानाला घ्यावा.

**मा. उपमहापौर :-**

सभागृहासमोर परत एकदा आताच नुकताच माननीय शशिकांत भोईर साहेब आपल्याकडून आलेला ठराव व सन्मा. सदस्य श्री. आसिफ पटेल यांच्याकडून आलेला ठराव असे दोन होते तर या दोन ठरावामध्ये जो उल्लेख केलेला आहे. त्याचप्रमाणे सन्मा. सदस्य रोहीत सुवर्णा आपल्या माहिती करिता आपल्याकडून म्हणजेच सन्मा. सदस्या श्रीम. नयना गजानन म्हात्रे व सुरेंद्रप्रसाद तिवारी यांचा जो ठराव आलेला आहे त्याच्यात फक्त मा. महापौर व मा. उपमहापौर यांनी दौऱ्यासाठी जावे. वारंवार मी आपणांस स्पष्टीकरण देतो आहे की माझे नांव त्याच्यातून वगळून घेण्यांत यावे. आता मी परत सांगणार नाही आणि मी अजिबात जाणार नाही आणि दुसरे म्हणजे मा. आयुक्त साहेबांचे नांव त्याच्यात होते परंतु आपला ठराव हा वेगळा आलेला आहे. जर संपूर्ण सभागृहाचे एक मत आहे की मा. आयुक्तांसह मा. महापौर जातील तर आपण तसा ठराव असावा. आपण जाणीपूर्वक मा. आयुक्तांचे नांव वगळले आहे तरी आपण तो ठराव मागे घ्यावा. संपूर्ण सभागृहाचे एकमत आहे. सन्मा. सदस्य श्री. रोहीदास पाटील यांच्याकडून तश्याप्रकारची सुचना आलेली आहे की, तीन लोकांनी दौऱ्यासाठी जावे. तरी आपण असे दोनच लोक का करत आहात महानगरपालिकेच्या अर्थसंकल्पाच्या अर्थिक तरतुदी पाहता मा. महापौर, मा. उपमहापौर, मा. आयुक्त यांच्या ऑस्ट्रेलिया व न्युझीलंड दौऱ्यासाठी आम्ही मंजूरी देउन ठराव मांडित आहोत. आपल्याकडून तो ठराव आलेला होता. सन्मा. सदस्य श्री. रोहीत सुवर्णा सुचनेनुसार यांच्या गटाकडून जो ठराव आला त्याच्यात मा. आयुक्तांचे नांव नाही तरी सदरचा ठराव हा सन्मा. सदस्य श्री. सुरेंद्रप्रसाद तिवारी व सन्मा. सदस्या श्रीम. नयना गजानन म्हात्रे यांच्याकडून आलेला तो ठराव आहे. म्हणजेच ठरावामध्ये परत भिन्नता ही आलेली आहे तरी सन्मा. सदस्य श्री. रोहीत सुवर्णा आपण विचार करुन हा ठराव जर मागे घेतला तर अधिक चांगले राहिल.

**रोहीत सुवर्णा :-**

मा. उपमहापौर साहेब मी स्विकृत सदस्य असून मी याच्यावर बोलू शकतो का? परत सन्मा. सदस्य याकुब कुरेशी हे बोलतील की तुम्ही को ऑप म्हणजेच स्विकृत सदस्य आहात.

**शशिकांत शहा :-**

मा. महापौर साहेब ह्या कॉमेंट्स कशासाठी? मा. आयुक्त, मा. उपआयुक्त, मा. महापौर, मा. उपमहापौर यांना दौऱ्यासाठी जाण्याकरिता सर्वांची संमती आहे तरी सभागृहाचा कशाला फुकट वेळ वाया घालवता?

**संगिता म्हात्रे :-**

मा. महापौरांच्या परवानगीने बोलते की मा. उपमहापौर साहेब आपण जात नाही मा. आयुक्त साहेब जात नाही फक्त मा. महापौर जात आहे. या आयुक्तांच्या बदली आता मा. उपआयुक्त जाणार आहेत.

**शशिकांत शहा :-**

मा. महापौरांच्या परवानगीने बोलतो की आता मा. महापौर आणि मा. आयुक्त किंवा उपआयुक्त, मा. महापौर, मा. उपमहापौर या तिघांना जाण्यासाठी सभागृह मंजूरी देत आहे.

**आसिफ शेख :-**

यास माझे अनुमोदन आहे.

**मा. उपमहापौर :-**

सन्मा. सदस्या श्रीम. नयना गजानन म्हात्रे तुम्हास जर ठराव मतदानास पाठवायचा असेल आणि आपल्याकडे चार माणसे मतदानासाठी मागणी करण्यास आहेत का? मतदानाची मागणी करणारे चार लोक आहेत का?

**रोहीत सुवर्णा :-**

आम्ही मागणी केलेली आहे.

**मा. महापौर :-**

ठराव सर्वानुमते मंजूर.

**प्रकरण क्र. १६ :-**

मा. महापौर व मा. पदाधिकारी यांच्या अभ्यास दौऱ्याबाबत मंजूरीसाठी.

**ठराव क्र. १८ :-**

ISH. India (Institute of Housing and urban Development Studies of India) यांचेकडील दि. ७ मे २००५ च्या पत्रान्वये दि. ३१ जुलै ते दि. ११ ऑगस्ट २००५ या कालावधी मध्ये ऑस्ट्रेलिया व न्युझीलंड या देशामध्ये आभ्यास दौऱ्यासाठी मा. महापौर व पदाधिकारी यांना आमंत्रित केलेले आहे. सदर आभ्यास दौऱ्याचा विषय हा Good Governance-Focus Public Sector Reform असून, आभ्यास दौऱ्यासाठी मिरा

भाईदर महानगरपालिके तर्फे मा. महापौर, उपमहापौर, मा. आयुक्त किंवा त्यांचे प्रतिनिधि यांना महानगरपालिकेची आर्थिक स्थिती व अर्थसंकल्पीय तरतूद पहाता ही सभा ऑस्ट्रेलिया व न्युझीलंड या देशात अभ्यास दौऱ्या करिता आर्थिक व प्रशासकिय मंजूरी देत आहे. तसेच या व्यतिरिक्त जे नगरसेवक स्वखर्चाने वरील अभ्यास दौऱ्यासाठी जाण्यास इच्छुक आहेत त्यांना देखिल ही सभा मंजूरी देत आहे.

**सुचक :- श्री. आसिफ पटेल.**

**अनुमोदन :- श्रीम. शुभांगी नाईक.**

**ठराव सर्वानुमते मंजूर**

**सही/-**

**मा. महापौर**

**मिरा भाईदर महानगरपालिका**

(प्र. सचिवांनी प्रकरण क्र. १७ चे वाचन केले)

**जोजफ घोन्सालविस :-**

मा. महापौरांच्या परवानगीने बोलतो की खरोखरच या रस्त्याची रुंदीकरणाची आवश्यकता आहे का?

(प्र. सचिवांनी प्रकरण क्र. १७ च्या गोषवा-याचे वाचन केले)

**गजानन भोईर :-**

मा. महापौरांच्या परवानगीने बोलतो की खरोखरच मागणी केलेली आहे ती लेखी स्वरूपात केलेली आहे का? त्याचा जरा उल्लेख करावा.

**मोहन पाटील (सभापती) :-**

मागणीचा प्रश्न याठिकाणी येत नाही. मिरा भाईदर शहरामधला तो रस्ता आहे आणि त्याठिकाणी उत्तन, डोंगरी, चौक, पाली आधी गांवे त्याठिकाणी आहेत. एस्सेल वर्ल्ड, गोरार्ड हा दुय्यम भाग आहे आणि त्या रस्त्याची वर्दळ जर पहाता सर्व शहराचे रस्ते होत आहेत. तरी हा रस्ता रुंदीकरण होणे क्रमप्राप्त आहे. प्रकरण क्र. १७ हा भाईदर ते उत्तन रस्ता मिरा भाईदर महानगरपालिकेच्या ताब्यात घेणेबाबत. मिरा भाईदर महानगरपालिका हद्दीतील भाईदर उत्तन हा रस्ता सध्या सार्वजनिक बांधकाम विभाग, ठाणे यांच्या मालकीचा आहे तरी सदर रस्ता मिरा भाईदर महानगरपालिकेने ताब्यात घ्यावा. स्थानिक लोकप्रतिनिधी व नागरिक यांनी मागणी केलेली आहे. मिरा भाईदर महानगरपालिका क्षेत्रात भाईदर ते उत्तन रस्त्याची लांबी १० कि.मी. व सध्या असलेल्या रस्त्याची ७ कि.मी. इतकी आहे. डि.पी. नुसार रस्त्याची लांबी ३० मीटर एवढी आहे. तरी राज्यक्रमांक ४२ सी.एच./६००/१३/९०० सुभाषचंद्र बोस ते रामरत्न हायस्कूल गोरार्ड सी.एच.ओ./० ते १/७००/भुतबंगला ते उत्तन बस स्टॉप हे रस्ते सार्वजनिक बांधकाम विभागाकडून मिरा भाईदर महानगरपालिकेकडे हस्तांतर करून घेण्यास व हस्तांतर घेण्याच्या कामास आवश्यक तो पत्रव्यवहार व कारवाई करण्यास येत आहे असा मी ठराव मांडत आहे.

**मिलन पाटील :-**

यास माझे अनुमोदन आहे.

**रोहीदास पाटील :-**

मा. महापौरांच्या परवानगीने बोलतो की हा जो ठराव मांडलेला आहे तरी याच्या मी पुर्ण विरोधी आम्ही ठराव मांडत आहोत. सभागृहाने ते समजून घ्यावे टोलनाका ते उत्तनपर्यंतचा रस्ता हा तो रस्ता आहे. तरी त्या ठिकाणची लोकवस्ती व त्या ठिकाणी असलेली वर्दळ व त्याचबरोबर त्या रस्त्याचे आजचे असलेले डांबरीकरण ज्यांच्या ताब्यात आहे तो रस्ता हा पी.डब्लू.डी.च्या ताब्यात आहे. पी.डब्लू.डी.च्या ताब्यात असल्याने तत्कालीन बांधकाम मंत्री श्री. नितीन गडकरी यांच्याकडून नेटनेटका बनवून घेतलेला आहे. आता सत्ताधारी पक्षाचे मत बनले असेल की, तो रस्ता तुटलेला आहे. आमचे असे मत आहे की आता आपल्या महापालिकेची आर्थिक स्थिती तेवढी चांगली नाही. पक्षाची तुमची क्षमता आहे. महापालिकेचा एकही रुपया खर्च न करता आता असलेला रस्ता ज्या पध्दतीने डांबरीकरण करून हवा आहे त्यांची साईडपट्टी रुंद करावी त्याच्या बाजूने गटारे काढावीत. त्याचे प्लॅन्ट इस्टिमेट करण्यासाठी मी सभागृहाला विनंती करतो परंतु आता प्रस्ताव आणतेवेळी त्यांनी सांगितले की सन्मा. सदस्यांची मागणी आहे, नागरिकांची मागणी आहे. माझे असे स्पष्ट मत आहे की मुर्धापासून कोणत्याही सदस्याने ही मागणी केलेली नाही कारण की त्याबाबत ३५० प्रॉपर्टी ह्या बाधीत होणार आहेत. आजच्या घटकेला जेव्हा आपण ९० फुट रुंद रस्ता करतो आजपर्यंत महापालिकेकडे असे कोणतेही उदाहरण नाही की रस्ता रुंदीकरणामध्ये कुणाला सेटल केलेले नाही जसे ठाणे महानगरपालिकेने केलेले आहे. तसे मिरा भाईदर महापालिकेने कुणालाही नुकसान भरपाई दिलेली नाही. आज ह्या मुर्ध्या गावाची घरे, राई गावातील घरे, डोंगरी, तारोडी, मालकीची ही जी सर्व घरे तुटणार आहेत ह्या रुंदीचे कुणासाठी उपयोग होणार आहे. हा जर मुंबईकरिता जाण्यासाठी रस्ता होणार असेल तर त्याचा सर्व लोकांना त्रास राहिल. म्हणून भारतीय जनता पार्टी स्पष्ट विरोध करते की ह्या रस्त्याच्या रुंदीकरणाच्या बाबतीत महापालिकेने या सभेने आता बांधकाम मंत्र्याकडे आग्रह धरावा की ती साईडपट्टी ज्या ज्या ठिकाणी

रुंद करता येईल किंवा ज्या ज्या ठिकाणी आवश्यक गटारे आहेत ती करून घ्यावीत त्यामुळे पाण्याचा निचरा होईल व रस्त्याची तुट-फुट होणार नाही आणि कोणत्याही घरांना धोका होणार नाही असा मी ठराव मांडत आहे.

**गजानन भोईर :-**

यास माझे अनुमोदन आहे.

**मिलन पाटील :-**

मा. महापौरांच्या परवानगीने बोलतो की आता गाव, खेडी सुधारायला लागलेली आहेत. आपण अधोगतीला चाललेले आहोत. नगरपालिकेची महानगरपालिका झालेली आहे. आपण रस्त्याचे रुंदिकरण केल्यानंतर त्या रस्त्यावरून वाहनांची वर्दळ वाढेल. आज अरुंद रस्ता असल्या कारणाने जे एस्सेल वर्ल्डला लोक येणार आहेत. आता तिथे मोठा धाम बनत आहे. तिकडे १० हजार लोक प्रार्थनेला एकावेळी बसणार आहेत. एवढा मोठा धाम गोरार्ई ठिकाणी बनत आहे. आपण पुढच्या दृष्टिकोनातून त्यांना येण्या-जाण्याकरिता आतापर्यंत केले नाही. पाच-दहा वर्षापूर्वी जे आता त्याच वर्षानंतर.....

**रोहिदास पाटील :-**

आपल्या स्थानिक लोकांना आपण उपलब्ध करून देणे हा आपला हेतू नाही. त्यांना येण्या-जाण्यासाठी त्यांनी त्यांच्या महापालिका गोरार्ईसाठी हद्दीतून बनवावे.

**जयंत पाटील :-**

सरकारला तेवढे बनवता येत नाही का?

**मिलन पाटील :-**

तुमच्या राम नाईक साहेबांनी पाणी दिले. मग रस्ता का बनवून दिला नाही. राम नाईकसाहेबांनी रस्ता बनवून द्यायला हवा होता.

**रोहिदास पाटील :-**

तुम्ही आलात तो रस्ता बनविला म्हणून नाव वाढले. कैक वर्षे त्या एस्सेल वर्ल्डवाल्यांसाठी काढली, किती लोकांचे अपघात झाले. एस्सेल वर्ल्डवाल्याचा फायदा झाला.

**मिलन पाटील :-**

एस्सेल वर्ल्डवाल्यांच्या फायद्याच्या दृष्टिकोनातून महत्त्व नाही. इथे नागरिकांचे ट्रॅफिक बघितले जाते. इथे वाहनांची वर्दळ बघितली जाते. आपण त्या दृष्टिकोनातून पुढची उपाययोजना केली पाहिजे. आता आपल्याकडे येणारा ओघ आहे. आपल्याला आपले रु. २० कोटी ऑक्ट्रॉयचे वाढलेले आहेत. आपण पुढचा विचार केला पाहिजे. आपल्याला भविष्यकाळामध्येही रस्ता रुंदिकरणाने आपल्या गावाची शान वाढेल. आज हा जसा रस्ता झाला तसा तोसुध्दा रस्ता झाला की गावाची शान वाढेल. तिथे जी शहरे आहेत, जी गावठण आहेत, गावं आहेत. त्याचे शहरामध्ये रुपांतर होईल हे बघितले पाहिजे.

**रोहिदास पाटील :-**

मा. महापौर मॅडम, मिलन पाटील यांना काय बोलायचे ते भान नाही.

**मिलन पाटील :-**

एक-दोन लोकांची घरे बुडाली तर त्याच्यामुळे एवढा काय फरक पडणार आहे. आपण नगरपालिका आणि महानगरपालिका असतानाच्या काळातील आहोत.

**रोहिदास पाटील :-**

भाईदर पूर्वेचा गोल्डन नेस्टचा रस्ता होत नाही आणि नवीन योजनेसाठी तुम्ही कुठे खर्च करणार? हा रस्ता त्याच्या ताब्यात नाही. तुम्ही पी.डब्ल्यू.डी. वर दबाव आणा.

**मोहन पाटील :-**

आपण रस्ता हस्तांतरणाची प्रक्रिया करतो. सन्मा. सदस्य मिलन पाटील यांनी ठराव मांडलेला आहे. माझ्या माहितीप्रमाणे आपण तो ऐकला असेल....

**रोहिदास पाटील :-**

आपण सध्या हस्तांतरणाची प्रक्रिया करतो. परंतु, खर्च वाया जातो. खर्च आपल्यावर येत आहे.

**मोहन पाटील :-**

सर्व होउ दे. आपण रिपेरिंग करू. रिपेरिंग करायला काय हरकत आहे.

**रोहिदास पाटील:-**

महाराष्ट्र शासन सक्षम आहे. तोपर्यंत करून घ्या.

**मोहन पाटील :-**

सक्षम आहे हे बरोबर आहे. परंतु, आपण रस्ता हस्तांतरण करित आहोत.

**रोहिदास पाटील :-**

तुम्ही पुढे व्हा आम्ही तुमच्या मागे येतो. तुम्ही बांधकाममंत्र्यांकडे चला आणि सांगा की इतके कोटी रुपये मिरा भाईदरसाठी पाहिजे, रस्ता बनवून द्या. तुम्हाला त्याच्यामधून हवा तेवढा रस्ता मिळेल. हस्तांतरण करून आपल्या डोक्यावर टोपली घेऊ नका.

### शिवप्रकाश भुदेका :-

मा. महापौर मॅडम, इधर दस दिनसे एस्सेल वर्ल्डवाला आकर बैठा था। सिर्फ इसको सुपारी देकर काम करना अच्छा नहीं है। महानगरपालिका के पास इतना बजेट नहीं है। महानगरपालिका पहलेही कर्जमे है। आप रु. दस करोड के नीचे महानगरपालिका को डालेंगे तो यह जरा भी अच्छा नहीं है।

### नयना म्हात्रे :-

मा. महापौरांच्या परवानगीने बोलते की मा. महापौर मॅडम, एस्सेल वर्ल्डला जाण्यासाठी आज आंबेडकरनगरला झोपडया तोडल्या गेल्या. त्याच्यानंतर आता जर एस्सेल वर्ल्डला जायचे म्हणून तुम्ही १०० वर्षे जुनी घरे जर तोडणार तर त्या गरिबांनी कुठे जावे. याला आमच्या जनता दलाचा विरोध आहे.

### रोहित सुवर्णा :-

महापालिकेकडे पैसे नाही म्हणून एवढी घरे तोडतात.

### नरेंद्र मेहता :-

मा. महापौर मॅडम, रस्त्याबाबतचे माझे अनुमोदन मी मागे घेतो.

### रोहित सुवर्णा :-

सन्मा. सदस्य नरेंद्र मेहता यांनी रस्त्याचे अनुमोदन मागे घेतलेले आहे. ते रिकॉर्ड करावे. सन्मा. सदस्य नरेंद्र मेहतांनी सभागृहात ओपनली सांगितले की मी ठरावाच्या बाजूने नाही. मी माझे अनुमोदन मागे घेत आहे. त्याच्यामुळे हा ठराव रद्द झालेला आहे. दि. १ जानेवारी १९९५ च्या आधीची जी घरे आहेत. त्या घरांना पुर्नवसन करण्यासाठी काहीही करत नाही. तसेच राई, मुर्धा, मोर्वा, तारोडी, डोंगरी या ठिकाणी राहणारी जी गरीब लोक आहेत. त्यांची सगळ्यांची घरे तुटणार का? ती किती जुनी घरे आहेत. मग त्यांना कुठे परत पुर्नवसन करणार? तुम्हाला जर पुर्नवसन करायचे असेल तर राई, मुर्धा, मोर्वाची जी खाडी आहे. तो भाग रिपेअर करा, रुंदिकरण करा. त्याच्याबद्दल काहीतरी विचार करा. आता त्या बाजूने डम्पर वगैरे येत नाही. त्या बाजूने रेती जात नाही. डम्पर जात नाही. फक्त पाण्याचे अनधिकृत टँकर चालू आहेत.

### अनंत पाटील :-

सध्या उत्तन-भाईंदर रस्ता हा पी.डब्ल्यू.डी. च्या ताब्यात आहे. नागरिकांनी या रस्त्याच्या रुंदिकरणासाठी आपल्याकडे वारंवार मागणी केलेली होती. अनेक ठिकाणी अरुंद रस्ते असल्या कारणाने तिथे अपघात झालेले आहेत. त्याचबरोबर मुर्धा खाडीच्या पुलाच्या रुंदिकरणासाठी आम्ही वारंवार प्रयत्न करत आहोत परंतु एकंदरित त्यांच्याकडून दिसत आहे की राईचा जो पुल आहे तो पी.डब्ल्यू.डी.च्या ताब्यात आहे. तो पुल कोसळायला आलेला आहे. कालच गावक-यांनी त्याची सफाई करताना सांगितले की तो पुल कधी कोसळेल सांगू शकत नाही. मोर्वा खाडीचा पुलसुद्धा धोकादायक झालेला आहे अशा अवस्थेत जर म्युनिसिपाल्टीने हे काम हाती घेतले तर निश्चितच त्याच्यामध्ये सुधारणा होउ शकते. अन्यथा काही काळानंतर आपल्याला त्याच्यामध्ये धोका संभवतो आणि पुर्नवसनाचे जे रस्ते असतील किंवा हस्तांतर करायचे असेल किंवा नगरपालिका रुंदिकरण करण्यासाठी असेल त्या-त्या ठिकाणी रुंदिकरण करायला हरकत नाही. त्याशिवाय तिथे गावाचा विकास होणे आवश्यक आहे आणि याच्याशिवाय गावाचा विकास होणार नाही. त्या संदर्भात आपण त्याबद्दल उघाडयाचे जे काम आहे ते तातडीने घेण्याचे प्रयत्न करावेत एवढेच मी सांगतो.

### संगिता म्हात्रे :-

सन्मा. सदस्य अनंत पाटील यांच्या सुचनेशी मी सहमत आहे.

### शशिकांत शहा :-

मा. महापौर मॅडम, इस रास्ते को अपने ताबेमे लेने के लिए विषय है । बाकी कोई विषय नहीं है । विषयांतर करके सभा का समय व्यस्त करते है । तो मेरी सुचना है की इस विषय को पास करके अपने ताबेमे यह हिस्सा लेना चाहिए ऐसा मेरा अनुमोदन है ।

### शिवप्रकाश भुदेका :-

मा. महापौर मॅडम, एक बार ताबेमे लिजिए लेकिन ताबेमे लेनेके बाद अपने गलेमे हड्डी आ जाती है । उसका कितना भी खर्चा अपने को करना पडता है । राष्ट्रवादीवालोको समजना चाहिए । इनकी उपरसे नीचे तक सरकार है । दुसरी जगह वह खर्चा हॉस्पिटल की इतनी अर्जन्ट जरूरत है । हॉस्पिटल रु. १० करोड का बनाना चाहिए । महानगरपालिका के पास इतना बजेट नहीं है । महानगरपालिका खड्डे मे डालने के लिए क्यो सोच रहे है । ठराव बहुमत के आधार पर मत करो । नैतिकता के आधारपर करो । हमको मालुम है इनके पास बहुमत है । ठराव कर सकते है । ठराव नैतिकता के आधार पर करो ।

### रोहिदास पाटील :-

आम्ही विनंती केलेली आहे. सभागृहाने बांधकाममंत्र्यांसाठी अशी विनंती केलेली आहे की ज्या ठिकाणी रस्ता रुंद आहे. त्या ठिकाणी रुंदिकरण करावे. तिथे साईटपट्टी करावी. तिथे गटार करावे. बांधकाम मंत्र्यांनेच खर्च करावा. आपल्या महापालिकेचा एक रुपयाही जाणार नाही.

### शिवप्रकाश भुदेका :-

अधिकारीयोंका विरोध नहीं है । मगर मंत्रालयसे दबाव लाया गया है ।

**संजय पांगे :-**

आपण सार्वजनिक बांधकाम खात्याकडे अप्रोच करुया.

**शशिकांत शहा :-**

मा. महापौर मॅडम, इस रास्ते को अपने ताबेमे लेके जो गोरगरिब घर है । उनको अभी कुछ भी नही करते हुए इस रास्ते को मरामत करके अपने ताबेमे लिजिए इस तरह का ठराव हम लोग पारित करते है और तीन-चार सालके बाद मे जब इनका रिन्युव्हेशन आयेगा वह टाईम उनको पिछे हटाने का उसके पहले उनको नही हटाना चाहिए । जिससे करके अपने जो राई, मुर्धा, मोर्वा उधरके मकानोंमे रहते है । उनकोभी वह अडचण आये और यह रास्ता ताबेमे लेकर जब डेव्हलपमेन्ट प्लॅन उनका फिरसे आयेगा । उस तरहसे उनको डेव्हलपमेन्ट मे पिछे जगह लेकर एफ.एस.आय. देकर उनको मॉडिफिकेशन देना चाहिए । इस तरह का ठराव अच्छी तरहसे पारित होगा यह मेरी उपसुचना है ।

**नयना म्हात्रे :-**

मा. महापौर मॅडम, हा विषय मतदानाला घ्यावा.

**प्र. सचिव (विजय पाटील) :-**

प्रकरण क्र. १७ बाबत दोन ठराव आलेले आहेत. (१) सन्मा. सभापती श्री. मोहन पाटील व सन्मा. सदस्य श्री. मिलन पाटील यांनी दिलेला आहे. त्या ठरावाचे पहिल्यांदा वाचन करुन दाखवतो - मिरा भाईंदर महानगरपालिका हद्दीत भाईंदर-उत्तन हा रस्ता सध्या सार्वजनिक बांधकाम विभाग ठाणे यांच्या मालकीचा आहे. सदर रस्ता महानगरपालिकेने ताब्यात घ्यावा म्हणून स्थानिक लोकप्रतिनिधी व अन्य नागरिकांनी यांची मागणी केलेली आहे. मिरा भाईंदर महानगरपालिका क्षेत्रात भाईंदर-उत्तन रस्त्याची लांबी १० कि.मी. व सध्या अस्तित्वात असलेल्या रस्त्याची रुंदी ७ मीटर एवढी आहे. डि. पी. नुसार रस्त्याची रुंदी ३० मीटर एवढी आहे तरी सदर राज्यमार्ग क्र. ४२ सी एच - ५/६००/१३/९०० सुभाषचंद्र बोस मैदान ते रामरत्न हायस्कूल गोराई सी एच ओ/०१/७००/ भुतबंगला ते उत्तन बस स्टॉप हे रस्ते सार्वजनिक बांधकाम विभागाकडून मिरा भाईंदर महानगरपालिकेकडे हस्तांतर करुन घेणेस व हस्तांतर करुन घेण्याच्या येणाऱ्या खर्चास व आवश्यक पत्रव्यवहार आणि कार्यवाही करण्यास मान्यता देत आहे. सुचक श्री. मोहन पाटील व अनुमोदन श्री. मिलन पाटील. दुसरा ठराव आलेला आहे सन्मा. सदस्य श्री. रोहीदास पाटील आणि सन्मा. सदस्य श्री. शशिकांत ज. भोईर यांच्याकडून आलेला आहे त्याचे वाचन करतो. - प्रकरण क्र. १७ टोल नाका ते उत्तन हा रस्ता सार्वजनिक बांधकाम विभागाच्या ताब्यात आहे. तात्कालीन बांधकाम मंत्री मा. श्री. नितीन गडकरी यांनी डांबरीकरण केले होते. सदर रस्ता तुटला असेल तर आताचे विद्यमान बांधकाम मंत्री यांच्याकडून साईडपट्टी व साईडच्या गटाराचे तसेच मुर्धा खाडी, राई खाडी, मोर्वा खाडी या खाडीवरील पूल ताबडतोब दुरुस्त करुन घ्यावेत. महानगरपालिकेची आर्थिक परिस्थिती पहाता सध्या हा रस्ता महानगरपालिकेच्या ताब्यात घेउ नये असा ठराव मांडत आहे. सुचक श्री. रोहीदास पाटील अनुमोदन श्री. शशिकांत भोईर आहेत. सन्मा. मोहन पाटील व मिलन पाटील यांच्याकडून जो ठराव आलेला आहे तो पहिल्यांदा मतास मांडतो. तसेच सन्मा. सदस्य श्री. शशिकांत शहा यांची उपसुचना आहे ती या ठरावामध्ये समाविष्ट केली जाईल.

**अनंत पाटील :-**

मा. महापौर महोदया, डी.पी.मध्ये जो तीस मीटरचा रस्ता आहे. तो आपल्याला कमी करता येणार नाही का? नियमामध्ये काय आहे? खुलासा झालेला बरा.

**शशिकांत भोईर :-**

मा. महापौरांच्या परवानगीने बोलतो की, आता जो ठराव वाचला. सन्मा. सदस्य मोहन पाटील आणि सन्मा. सदस्य मिलन पाटील यांच्यात स्थानिक नगरसेवकांनी मागणी केलेली आहे असे स्थानिक नगरसेवक कोण आहेत? कोणत्या नगरसेवकांनी रस्ता हस्तांतरण करण्याबाबत मागणी केलेली आहे. त्यांनी पत्रव्यवहार वगैरे केलेला आहे का? याबद्दल प्रशासनाने खुलासा करावा.

**शिवप्रकाश भुदेका :-**

नागरिक कौन-कौन है? उनका कोई पत्र आया है या नागरिकोंका पत्र दिखाया जाना चाहिए।

**रोहित सुवर्णा :-**

ते नागरिक कोण ते सांगा. नगरसेवक कोण? प्रशासनाने काय मागणी केलेली आहे. प्रशासनाने कोण नगरसेवक आहेत हे सभागृहाला दाखवून दयावे.

**शिवप्रकाश भुदेका :-**

सिर्फ एस्सेल वर्ल्डवालेकी अकेलेही मागणी है। तो ऐसा दिखाईये।

**मोहन पाटील :-**

यावेळेला ठराव, सुचना आणि उपसुचना मतदानाला आलेली आहे. आता तो विषय नाही.

**रोहित सुवर्णा :-**

स्थानिक नगरसेवकांनी मागणी करुन असा तुम्ही ठरावामध्ये उल्लेख केलेला आहे.

**शशिकांत भोईर :-**

प्रशासनाने त्याच्याबद्दल खुलासा करावा.

**रोहित सुवर्णा :-**

सभागृहाला माहिती पाहिजे कोण व्यक्ती आहेत.

**दिपक खांबित :-**

याबाबत सन्मा. सदस्य रतन पाटील, सन्मा. सदस्य लिओ कोलासो, सन्मा. सदस्य अशोक पाटील आणि सन्मा. सदस्य हॅरल बोर्जीस यांचे पत्र आपल्याकडे आहेत.

**रोहित सुवर्णा :-**

आपल्याकडे दोन अशोक पाटील आहेत. एक अशोक पांडुरंग पाटील आणि दुसरे अशोक बळवंत पाटील.

**दिपक खांबीत :-**

या ठिकाणी सन्मा. सदस्य अशोक बळवंत पाटील यांचे पत्र आहे.

**प्र. सचिव :-**

सन्मा. सदस्य शशिकांत शहा यांची उपसुचना वाचून दाखवितो. ठरावात ती उपसुचना अंतर्भूत आहे. (उपसुचनेचे वाचन केले.)

**प्र. सचिव :-**

विकास करतेवळी बाधित झालेले एफ.एस.आय., टी.डी.आर. नविन प्लॅन करतेवळी देण्यांत यावा.

**शशिकांत शहा :-**

रोड लाईनमे तोडेंगे तो नया प्लॅन आयेगा। वह टाईम उनको टी.डी.आर. देके भरने के लिए परमिशन देने की है।

**जयंत पाटील :-**

मुळात या रस्त्याने बाधित होणारे लोक किती आहेत? किती घरे बाधित होणार आहेत.

**शशिकांत शहा :-**

नया प्लॅन आयेगा तब बाधित के बारेमें पता चलेगा।

**जयंत पाटील :-**

तुम्ही हा विषय इकडे आणता. जे तीस मीटर रुंदिकरण होणार आहे. राई, मुर्धा, मोर्वा, उत्तन, डोंगरी या ठिकाणची प्रचंड घरे या गोष्टीमुळे बाधित होणार आहेत. त्यांनी ती घरे आता बनविलेली आहेत. ती घरे अनधिकृत आहेत, अधिकृत नाहीत. आपण ज्यावेळेला टी.डी.आर. आणि एफ.एस.आर. च्या गोष्टी करतो. तेव्हा तुम्ही त्यांना अनधिकृत बांधकामाला टी.डी.आर. आणि एफ.एस.आर. कुठून देणार. तुम्ही त्यांचे पुर्नवसन करणार का? ते कुठे करणार. आपण त्यांचे पुर्नवसन आपल्या खर्चाने करायचे असेल तर त्याला किती खर्च येईल. हया गोष्टीचा आपण कुठल्याही त-हेचा विचार केलेला नाही. त्या संपूर्ण बिल्डिंग त्या रस्त्यामध्ये आहेत. तुम्ही मुर्ध्याला जर पाहिले तर मोठमोठया बिल्डिंग त्या रस्त्यामध्ये आहेत. त्या बिल्डिंगमध्ये एक माणूस राहत नाही तर त्या बिल्डिंगमध्ये जवळजवळ तीस-चाळीस कुटंबे राहतात. आपण त्या बिल्डिंग बनवून देणार आहात का?

**नितीन ठाकूर :-**

मा. महापौरसाहेबांच्या परवानगीने बोलतो की हाही भाग सी.आर.झेडमध्ये येतो. हया रस्त्याच्या आजुबाजुचा काही परिसर सी.आर.झेडमध्येसुध्दा येतो. त्याचे तुम्ही काय कराल?

**मा. आयुक्त :-**

या संदर्भातील सर्व परवानग्या घेण्याची प्रक्रिया पुढे पूर्ण होणार आहे. सन्मा. सदस्य जयंत पाटीलसाहेब यांनी जो मुद्दा मांडला त्याबद्दल सांगायचे झाले तर धोरणात्मक निर्णय झाल्यानंतरच आपल्याला त्याचा सर्व्हे करता येईल कारण अगोदर अॅक्युरेट सर्व्हे आपल्याला असा करता येणार नाही कारण लोक त्याला विरोध करतील.

**जयंत पाटील :-**

आपण हया ठरावामध्ये जो विषय आणलेला आहे. त्याच्यामध्ये रस्ता रुंदिकरणामध्ये किती रस्ता रुंद होणार आहे.

**मा. आयुक्त :-**

मी आपल्याला तेच सांगतो की आपण जर ठराव केला तर आम्ही त्याचा सर्व्हे करू.

**जयंत पाटील :-**

आम्हाला हे माहिती असणे आवश्यक आहे. कारण आपण तीस मीटर रुंद करणार आहोत. शंभर फुट रस्ता रुंद झाला तर.

**मा. आयुक्त :-**

आपला धोरणात्मक निर्णय झालेला नाही यासाठी आम्ही अशी मोजणी केलेली नाही. आपण अगोदर धोरणात्मक निर्णय घेतला तर हा ठराव पी.डब्ल्यु.डी. ला जाईल. पी.डब्ल्यु.डी. त्याला मान्यता देईल. त्याच्यानंतर सर्व्हे होईल. सर्व्हेमध्ये प्रत्यक्ष मेजरमेन्ट किती आहे, विस्थापित किती होतील हे मंजुरीसाठी पुढिल महासभेपुढे येणार आहे. त्याच्यामुळे आपण रस्त्याच्या कामाला मंजुरी देत नाही.



## शशिकांत शहा :-

आपल्याला फक्त निधी हस्तांतर करायचा.

## प्र. सचिव :-

प्रकरण क्र. १७ बाबत दोन ठराव आलेले आहेत. एक सन्मा. सदस्य मोहन पाटील आणि सन्मा. सदस्य मिलन पाटील यांचा ठराव आलेला आहे. (ठरावाचे वाचन केले.) पहिल्यांदा सन्मा. सदस्य मोहन पाटील आणि सन्मा. सदस्य मिलन पाटील यांचा ठराव मी मतदानाला टाकतो.

## प्रकरण क्र. १७ :-

भाईदर उत्तन हा सार्वजनिक बांधकाम खात्याचा रस्ता महानगरपालिकेच्या ताब्यात घेण्याबाबत.

## ठराव :-

मिरा भाईदर महानगरपालिका हद्दीतील भाईदर उत्तन हा रस्ता सध्या सार्वजनिक बांधकाम विभाग, ठाणे यांचे मालकीचा आहे. सदर रस्ता महानगरपालिकेने ताब्यात घ्यावा म्हणून स्थानिक लोकप्रतिनिधी व अन्य नागरीक यांनी मागणी केली आहे. मिरा भाईदर महानगरपालिका क्षेत्रात भाईदर उत्तन रस्त्याची लांबी १०.०० कि.मी. व सध्या अस्तित्वात असलेल्या रस्त्याची रुंदी ७.०० मी. एवढी आहे. डी.पी. नुसार रस्त्याची रुंदी ३०.०० मी. एवढी आहे.

तरी सदर राज्य मार्ग क्र. ४२ CH ५/६०० ते १३/९०० (सुभाषचंद्र बोस मैदान ते रामरत्न हायस्कूल गोरार्ड)

CH ०/० ते १/७०० भूत बंगला ते उत्तन बस स्टॉप

हे रस्ते सार्वजनिक बांधकाम विभागाकडून मिरा भाईदर महानगरपालिकेकडे हस्तांतर करून घेण्यास, हस्तांतर करणे कमी येणाऱ्या खर्चास, व आवश्यक तो पत्रव्यवहार व कार्यवाही करण्यास मान्यता देण्यांत येत आहे. विकास करतेवेळी बाधित झालेल्यांना GDI/TDR नविन प्लॅन करतेवेळी देण्यांत यावा.

## प्र. सचिव :-

या ठरावाच्या बाजूने असलेल्या सन्मा. सदस्यांनी हात वर करायचे आहेत.

- १) श्रीम. निर्मला बाबुराव सावळे
- २) श्री. वैती चंद्रकांत सिताराम
- ३) श्री. पाटील मोहन मधुकर
- ४) श्रीम. आल्मेडा जेन्वी युस्टस
- ५) श्रीम. सपार उमा विश्वनाथ
- ६) श्री. पाटील अनंत रामचंद्र
- ७) श्रीम. म्हात्रे संगीता विजय
- ८) श्रीम. डिसोजा ज्युडी थॉमस
- ९) श्री. ठाकुर नितिन गोपीनाथ
- १०) श्रीम. गोहिल शानु
- ११) श्री. पांडे हंसु कमलकुमार
- १२) श्रीम. पाटील सुनिता कैलास
- १३) श्री. पाटील जयंत महादेव
- १४) श्री. माळी रविंद्र भीमदेव
- १५) श्रीम. हसनाळे ज्योत्स्ना जालिंदर  
उर्फ  
शिंदे पुजा प्रताप
- १६) श्रीम. वाडे जिवी हिरा
- १७) श्रीम. पाटील अनिता जयवंत
- १८) श्री. गावंड हरेश लक्ष्मण
- १९) श्रीम. भोईर जयाबाई यशवंत
- २०) श्री. पटेल आसिफ गुलाम
- २१) श्री. भोईर सुर्यकांत अनंतराव
- २२) श्रीम. गायकवाड सुरेखा यशवंत
- २३) श्री. खान शफीक अहमद
- २४) श्रीम. सय्यद नुरजहाँ नझरहुसेन
- २५) श्री. मेंडोसा स्टिवन जॉन
- २६) श्री. पाटील रोहिदास आत्माराम
- २७) श्री. कुरेशी याकुब इस्माईल
- २८) श्रीम. भामरे उर्मिला कोमल
- २९) श्री. शहा शशिकांत रतिलाल

- ३०) श्रीम. शाह रिटा सुभाष
- ३१) श्री. पाटील ध्रुवकिशोर
- ३२) श्रीम. रांजणकर मुक्ता प्रविण
- ३३) श्री. म्हात्रे तुळशिदास दत्तू
- ३४) श्री. पाटील मिलन गोविंदराव

**प्र. सचिव :-**

या ठरावाच्या विरोधात असलेल्या सन्मा. सदस्यांनी हात वर करायचे आहेत.

- १) श्री. तिवारी सुरेंद्रप्रसाद मुरलीधर
- २) श्रीम. म्हात्रे नयना गजानन
- ३) श्रीम. करंबेळे प्रियांका प्रकाश
- ४) श्री. सिंग मदन उदितनारायण
- ५) श्री. पाटील रोहिदास शंकर
- ६) श्री. भुदेका शिवप्रकाश प्रल्हादराय
- ७) श्री. भोईर गजानन लक्ष्मण
- ८) श्रीम. पाटील लिला गुरुनाथ
- ९) श्री. घोन्सालवीस जोजफ जॉन
- १०) श्रीम. नरावत भवरीकुंवर चैनसिंह
- ११) श्री. पाटील शरद केशव
- १२) श्रीम. गोयंका सुधा लक्ष्मीकांत
- १३) श्री. भोईर शशिकांत जगन्नाथ
- १४) श्रीम. नाईक शुभांगी सिताराम
- १५) श्रीम. जानी कैलासबेन दिनेशचंद्र
- १६) श्रीम. शाह रक्षा एस.

**प्र. सचिव :-**

दुसरा ठराव सन्मा. सदस्य रोहिदास पाटील आणि सन्मा. सदस्य शशिकांत भोईर यांचा आहे. (ठरावाचे वाचन केले.) सन्मा. सदस्य रोहिदास पाटील आणि सन्मा. सदस्य शशिकांत भोईर यांचा ठराव मी मतदानाला टाकतो.

**प्रकरण क्र. १७ :-**

भाईदर उत्तन हा सार्वजनिक बांधकाम खात्याचा रस्ता महानगरपालिकेच्या ताब्यात घेण्याबाबत.

**ठराव :-**

टोल नाका ते उत्तन हा सार्वजनिक बांधकाम विभागाच्या ताब्यात आहे. तत्कालीन बांधकाम मंत्री मा. श्री. नितिन गडकरी यांनी डांबरीकरण केले होते, सदर रस्ता सुटला असेल तर आताचे विद्यमान बांधकाम मंत्री साईटपट्टी व साईटची गटाचे तसेच मुर्धा खाडी, राईखाडी, मोर्वा खाडी ह्यावरित पुल ताबडतोब दुरुस्त करून घ्यावे. महापालिकेची आर्थिक स्थिती पाहता सद्या हा रस्ता महानगरपालिकेच्या ताब्यात घेऊ नये असा ठराव मांडत आहे.

**प्र. सचिव :-**

या ठरावाच्या बाजूने असलेल्या सदस्यांनी हात वर करायचे आहेत.

- १) श्री. तिवारी सुरेंद्रप्रसाद मुरलीधर
- २) श्रीम. म्हात्रे नयना गजानन
- ३) श्रीम. करंबेळे प्रियांका प्रकाश
- ४) श्री. सिंग मदन उदितनारायण
- ५) श्री. पाटील रोहिदास शंकर
- ६) श्री. भुदेका शिवप्रकाश प्रल्हादराय
- ७) श्री. भोईर गजानन लक्ष्मण
- ८) श्रीम. पाटील लिला गुरुनाथ
- ९) श्री. घोन्सालवीस जोजफ जॉन
- १०) श्रीम. नरावत भवरीकुंवर चैनसिंह
- ११) श्री. पाटील शरद केशव
- १२) श्रीम. गोयंका सुधा लक्ष्मीकांत
- १३) श्री. भोईर शशिकांत जगन्नाथ
- १४) श्रीम. नाईक शुभांगी सिताराम
- १५) श्रीम. जानी कैलासबेन दिनेशचंद्र
- १६) श्रीम. शाह रक्षा एस.

**प्र. सचिव :-**

या ठरावाच्या विरोधात असलेल्या सन्मा. सदस्यांनी हात वर करायचे आहेत.

- १) श्रीम. निर्मला बाबुराव सावळे
- २) श्री. वैती चंद्रकांत सिताराम
- ३) श्री. पाटील मोहन मधुकर
- ४) श्रीम. आल्मेडा जेन्वी युस्टस
- ५) श्रीम. सपार उमा विश्वनाथ
- ६) श्री. पाटील अनंत रामचंद्र
- ७) श्रीम. म्हात्रे संगीता विजय
- ८) श्रीम. डिसोज्ञा ज्युडी थॉमस
- ९) श्री. ठाकुर नितिन गोपीनाथ
- १०) श्रीम. गोहिल शानु
- ११) श्री. पांडे हंसु कमलकुमार
- १२) श्रीम. पाटील सुनिता कैलास
- १३) श्री. पाटील जयंत महादेव
- १४) श्री. माळी रविंद्र भीमदेव
- १५) श्रीम. हसनाळे ज्योत्स्ना जालिंदर  
उर्फ

शिंदे पुजा प्रताप

- १६) श्रीम. वाडे जिवी हिरा
- १७) श्रीम. पाटील अनिता जयवंत
- १८) श्री. गावंड हरेश लक्ष्मण
- १९) श्रीम. भोईर जयाबाई यशवंत
- २०) श्री. पटेल आसिफ गुलाम
- २१) श्री. भोईर सुर्यकांत अनंतराव
- २२) श्रीम. गायकवाड सुरेखा यशवंत
- २३) श्री. खान शफीक अहमद
- २४) श्रीम. सय्यद नुरजहाँ नझरहुसेन
- २५) श्री. मेंडोसा स्टिवन जॉन
- २६) श्री. पाटील रोहिदास आत्माराम
- २७) श्री. कुरेशी याकुब इस्माईल
- २८) श्रीम. भामरे उर्मिला कोमल
- २९) श्री. शहा शशिकांत रतिलाल
- ३०) श्रीम. शाह रिटा सुभाष
- ३१) श्री. पाटील ध्रुवकिशोर
- ३२) श्रीम. रांजणकर मुक्ता प्रविण
- ३३) श्री. म्हात्रे तुळशिदास दत्तू
- ३४) श्री. पाटील मिलन गोविंदराव

**प्र. सचिव :-**

सन्मा. सदस्य शशिकांत शहा यांचा उपसुचना या ठरावात अॅड केली जाईल.

**मा. महापौर :-**

पहिला ठराव सन्मा. सदस्य मोहन पाटील आणि सन्मा. सदस्य मिलन पाटील यांच्या ठरावाला ३४ मतदान झालेले आहे आणि दुसरा ठराव सन्मा. सदस्य रोहिदास पाटील आणि सन्मा. सदस्य शशिकांत भोईर यांच्या ठरावाला १६ मतदान झालेले आहे. त्याच्यामुळे पहिला ठराव बहुमताने मंजूर झालेला आहे.

**प्रकरण क्र. १७ :-**

भाईंदर उत्तन हा सार्वजनिक बांधकाम खात्याचा रस्ता महानगरपालिकेच्या ताब्यात घेण्याबाबत.

**ठराव क्र. १९ :-**

मिरा भाईंदर महानगरपालिका हद्दीतील भाईंदर उत्तन हा रस्ता सध्या सार्वजनिक बांधकाम विभाग, ठाणे यांचे मालकीचा आहे. सदर रस्ता महानगरपालिकेने ताब्यात घ्यावा म्हणून स्थानिक लोकप्रतिनिधी व अन्य नागरीक यांनी मागणी केली आहे. मिरा भाईंदर महानगरपालिका क्षेत्रात भाईंदर उत्तन रस्त्याची लांबी १०.०० कि.मी. व सध्या अस्तित्वात असलेल्या रस्त्याची रुंदी ७.०० मी. एवढी आहे. डी.पी. नुसार रस्त्याची रुंदी ३०.०० मी. एवढी आहे.

तरी सदर राज्य मार्ग क्र. ४२ CH ५/६०० ते १३/९०० (सुभाषचंद्र बोस मैदान ते रामरत्न हायस्कूल गोराई)

CH ०/० ते १/७०० भूत बंगला ते उत्तन बस स्टॉप

हे रस्ते सार्वजनिक बांधकाम विभागाकडून मिरा भाईंदर महानगरपालिकेकडे हस्तांतर करून घेण्यास, हस्तांतर करणे कमी येणाऱ्या खर्चास, व आवश्यक तो पत्रव्यवहार व कार्यवाही करण्यास मान्यता देण्यांत येत आहे. विकास करतेवेळी बाधित झालेल्यांना GDI/TDR नविन प्लॅन करतेवेळी देण्यांत यावा.

### ठरावाच्या बाजूने असलेले सदस्य

- १) श्रीम. निर्मला बाबुराव सावळे
- २) श्री. वैती चंद्रकांत सिताराम
- ३) श्री. पाटील मोहन मधुकर
- ४) श्रीम. आल्मेडा जेन्वी युस्टस
- ५) श्रीम. सपार उमा विश्वनाथ
- ६) श्री. पाटील अनंत रामचंद्र
- ७) श्रीम. म्हात्रे संगीता विजय
- ८) श्रीम. डिसोजा ज्युडी थॉमस
- ९) श्री. ठाकुर नितिन गोपीनाथ
- १०) श्रीम. गोहिल शानु
- ११) श्री. पांडे हंसु कमलकुमार
- १२) श्रीम. पाटील सुनिता कैलास
- १३) श्री. पाटील जयंत महादेव
- १४) श्री. माळी रविंद्र भीमदेव
- १५) श्रीम. हसनाळे ज्योत्स्ना जालिंदर  
उर्फ  
शिंदे पुजा प्रताप
- १६) श्रीम. वाडे जिवी हिरा
- १७) श्रीम. पाटील अनिता जयवंत
- १८) श्री. गावंड हरेश लक्ष्मण
- १९) श्रीम. भोईर जयाबाई यशवंत
- २०) श्री. पटेल आसिफ गुलाम
- २१) श्री. भोईर सुर्यकांत अनंतराव
- २२) श्रीम. गायकवाड सुरेखा यशवंत
- २३) श्री. खान शफीक अहमद
- २४) श्रीम. सय्यद नुरजहाँ नझरहुसेन
- २५) श्री. मेंडोसा स्टिवन जॉन
- २६) श्री. पाटील रोहिदास आत्माराम
- २७) श्री. कुरेशी याकुब इस्माईल
- २८) श्रीम. भामरे उर्मिला कोमल
- २९) श्री. शहा शशिकांत रतिलाल
- ३०) श्रीम. शाह रिटा सुभाष
- ३१) श्री. पाटील ध्रुवकिशोर
- ३२) श्रीम. रांजणकर मुक्ता प्रविण
- ३३) श्री. म्हात्रे तुळशिदास दत्तू
- ३४) श्री. पाटील मिलन गोविंदराव

### ठरावाच्या विरोधात असलेले सदस्य

- १) श्री. तिवारी सुरेंद्रप्रसाद मुरलीधर
- २) श्रीम. म्हात्रे नयना गजानन
- ३) श्रीम. करंबेळे प्रियांका प्रकाश
- ४) श्री. सिंग मदन उदितनारायण
- ५) श्री. पाटील रोहिदास शंकर

- ६) श्री. भुदेका शिवप्रकाश प्रल्हादराय
- ७) श्री. भोईर गजानन लक्ष्मण
- ८) श्रीम. पाटील लिला गुरुनाथ
- ९) श्री. घोन्सालवीस जोजफ जॉन
- १०) श्रीम. नरावत भवरीकुंवर चैनसिंह
- ११) श्री. पाटील शरद केशव
- १२) श्रीम. गोयंका सुधा लक्ष्मीकांत
- १३) श्री. भोईर शशिकांत जगन्नाथ
- १४) श्रीम. नाईक शुभांगी सिताराम
- १५) श्रीम. जानी कैलासबेन दिनेशचंद्र
- १६) श्रीम. शाह रक्षा एस.

(ठरावावर मतदान घेतले असता एकूण उपस्थित सदस्यांपैकी ०८ (आठ) सदस्य सभागृहाच्या बाहेर गेले होते.)

|                                |    |           |
|--------------------------------|----|-----------|
| ठरावाच्या बाजूने असलेले सदस्य  | :- | ३४        |
| ठरावाच्या विरोधात असलेले सदस्य | :- | १६        |
| ठरावात तटस्थ असलेले सदस्य      | :- | ००        |
| एकूण सदस्य                     | :- | <u>५०</u> |

**सुचक :- श्री. मोहन पाटील.**

**अनुमोदन :- श्री. मिलन पाटील**

**ठराव बहुमताने मंजूर**

**सही/-**

**महापौर**

**मिरा भाईंदर महानगरपालिका**

**शशिकांत शहा :-**

साहेब, माझी उपसुचना अॅड करा.

**प्र. सचिव :-**

सन्मा. सदस्य शशिकांत शहा आपली उपसुचना अॅड केलेली आहे.

(प्र. सचिवांनी प्रकरण क्र. १८ चे वाचन केले.)

**मिलन पाटील :-**

मी ठराव मांडू का? कोणाला चर्चा करायची आहे का?

**रोहित सुवर्णा :-**

मा. महापौर मॅडम, हयाच्यामध्ये संख्येमध्ये टोटल मिस्टेक आहे. त्याची नोंद घ्यावी.

**गजानन भोईर :-**

एवढी धावपळ कशाला करता?

**मिलन पाटील :-**

तुम्हाला विचारतो तुम्हाला चर्चा करायची आहे का?

**गजानन भोईर :-**

विद्यार्थ्यांबद्दल तुमचे जर एवढं हे होत तर मागच्या मिटिंगमध्ये विषय घ्यायला पाहिजे होता. एखादया विद्यार्थ्यांने आज तुमच्या घरावर दगड वगैरे मारला का?

**मिलन पाटील :-**

हा ठराव बहुमताने पास झाला.

**फॅरो ग्रीटा :-**

या विषयावर चर्चा होउ दया.

**गजानन भोईर :-**

चर्चा होउ दे. आम्हाला हयाच्यावर चर्चा करु दे. ठराव मांडू नका. आम्हाला विद्यार्थ्यांना चांगल्या प्रकारचे गणवेश दयायचे आहेत.

(सन्मा. सदस्य श्री. मिलन पाटील ह्यांनी ठरावाचे सभागृहात वाचन केले.)

**शशिकांत शहा :-**

मा. महापौर मॅडम के माध्यमसे सन्मा. सदस्य मिलन पाटीलने जो ठराव रखा है। उस ठराव को मेरा अनुमोदन है।

**गजानन भोईर :-**

सन्मा. सदस्य मिलन पाटील, तुम्ही पहिलीची किती मुले वाचली.

**मिलन पाटील :-**

पहिलीची १७३० मुले आहेत.

**गजानन भोईर :-**

माझ्या मते पहिलीची ९०० मुले आहेत. शाळेचा विषय आहे, गणवेशाचा विषय आहे. अधिकारी कुठे आहेत? अधिका-यांना बोलवा.

**शिक्षण अधिकारी (संन्याशिव) :-**

दि. ३० एप्रिलची माहिती देण्यात आलेली आहे. कारण काय आहे की शाळा जून महिन्यात सुरु होते.

**गजानन भोईर :-**

नवघरच्या शाळेतील मुले चिखलामुळे शाळा सोडून गेलेली आहेत. तुम्ही ते गणवेश काय करणार? कमीत कमी तीस मुले शाळा सोडून गेलेली आहेत. शाळेत जायला रस्ता नाही. मुले वर्ग सोडून गेलेली आहेत. हयाला जबाबदार कोण? आम्ही मागच्या वेळेस स्थायी समिती सभापती यांना स्वतः घेउन गेलेलो होतो. तेव्हा अधिकारीसुध्दा बरोबर होते. त्यानंतर त्या शाळेवर किती काम झाले ते आधी जाउन बघा. मुलांना तिकडे जायला रस्ता आहे का? तुम्ही प्रथम त्या मुलांना शाळेत जायला रस्ता द्या. नंतर गणवेश वाटा.

**संजय पांगे :-**

ही पटसंख्या कमी कशी झाली. नगरपालिका प्रशासन काय करते? पटसंख्या कमी होते कशी?

**गजानन भोईर :-**

मुलांना शाळेत जायला रस्ता नाही.

**रोहित सुवर्णा :-**

पहिलीच्या मुलांची संख्या ८६५ आहे. सातवीला जाता-जाता ५८२ झाली आणि एका बाजूने सन्मा. सदस्य मिलन पाटील बोलतात की मुलांची संख्या वाढत आहे. म्हणजे गरिब विद्यार्थ्यांसाठी आपण शाळेची जी प्रोव्हिजन केलेली आहे. ती महापालिकेची शाळा आहे. आपण एका बाजूला बोलता सर्व शिक्षण अभियान प्राध्यापक वसंत कुरके साहेबांनी विद्यार्थ्यांकडे लक्ष द्या असे सगळ्या नगरसेवकांना पत्र पाठविलेले आहे. विद्यार्थ्यांच्या शिक्षणाचा स्तर वाढविला पाहिजे. त्यांची संख्या वाढली पाहिजे. झोपडपट्टीमध्ये राहणारे विद्यार्थी शिकत नाहीत. त्यांची आई रु. ६० ते ७० च्या मजुरीच्या कामासाठी जाते. ती मुले शाळेत जात नाहीत. त्यांचा कोणी सर्व्हे केलेला आहे का? हे आपल्या या रेकॉर्डवरून समजते. साहेब, टोटल बघा. पहिलीच्या विद्यार्थ्यांची संख्या ८६५ आहे. तो पहिलाचाच मुलगा पुढे जातो तेव्हा त्याचा वयोगट बघा. त्याच मुलांची संख्या ८६५+७६७=१६३२. म्हणजेच १६३२ मुले होतात. तसेच, ८४५+७२७=१५७२. म्हणजेच १५७२ मुले होतात. आपण आमच्यासमोर काय फिगर दिलेली आहे आणि तुम्ही वरून बोलतात की शिक्षण अधिका-यांनी दिलेला तक्ता सन्मा. सदस्य मिलन पाटील यांनी वाचलेला आहे. तो तक्ता बरोबर आहे का? आपण कुठेतरी टॅली केलेले आहे का? साहेब, तुम्ही रु. २ लाख दुस-या हेडखाली जे ठेवलेले ते तुम्ही घ्या. तुम्ही ते अॅपॉईमेंटखाली वापरु इच्छिता त्याची आवश्यकता आहे का ते बघा. आपण रु. अडीच लाख सांगता आणि ठराव वाचताना काय वाचले? महाराष्ट्र स्टेट पॉवर लुम कार्पोरेशन लिमिटेड किंवा महानगरपालिका किंवा हा शब्द आलेला आहे. जो आपल्या गोषवा-यामध्ये नाही. हे काय चालू आहे? महाराष्ट्र स्टेट पॉवर लुमचे तुम्ही रेट मागविलेले आहेत. ते रेट सगळ्यात कमी आहेत. ती शासकीय आहे. ती काय भिवंडी नाही. महाराष्ट्र स्टेट पॉवर लुम लिमिटेड ही शासनाचीच आहे. ही पब्लिक सेक्टर बॉडी आहे. त्यांनी पाठवलेले कपडे चुकीचे नसतात. पण ही जी काही माहिती दिली जाते. त्याची टोटल संख्या कमी झालेली आहे. साहेब, मी अनेक झोपडपट्ट्यांमध्ये बघितले की मुले दुसरी-तिसरीनंतर शाळेमध्ये जात नाहीत. कारण त्यांना गणवेश घ्यायला त्यांच्या आईवडिलांची ताकद नसते किंवा त्या मुलाचे वडिल नसतील तर आई बिचारी कुठेतरी काम करते. लहान फॅक्टरीमध्ये बफिंग, कारखान्यामध्ये किंवा कोणाच्या तरी घरी ती मोलकरीण म्हणून काम करित असते. तो मुलगा शाळेत जातो का? त्याचा आपण अभ्यास केलेला आहे का? तुम्ही तो सर्व्हे आमच्यासमोर कधी ठेवलेला आहे का? शिक्षण मंडळ तर इकडे नाही. नवी मुंबई महानगरपालिका झाली. परवा निवडणुका झाल्या आणि शिक्षण मंडळदेखील त्या ठिकाणी झालेले आहे. हा आपल्या शिक्षणाचा स्तर आहे.

**नयना म्हात्रे :-**

मा. महापौरांच्या परवानगीने बोलते की आज संन्याशिवसाहेब आपल्या मिरा भाईंदरमध्ये येउन दोन-अडीच वर्षे झालेली आहेत. परंतु, ते एकाही शाळेत पाहणी करायला गेलेले नाहीत. आज शिक्षिका वेळेवर येत नाही. खिडकीच्या काचा तुटलेल्या आहेत, कुठे मीटर नाहीत, कुठे कपाट व्यवस्थित नाही.

**शशिकांत भोईर :-**

हा शिक्षण अधिकारी काय कामाचा नाही.

**रोहित सुवर्णा :-**

नवघर शाळेमध्ये कपाट नाही. कपाट कमी पडत आहेत.

**नयना म्हात्रे :-**

आज त्यांचे काम आहे म्हणून आज बरोबर अगदी वेळेवर हजर राहिलेले आहेत.

**मदन उदितनारायण सिंग :-**

मा. महापौर मॅडम, बंदरवाडी स्कुलमे पिछे का जो क्लास था उसको बंद करके इसमे ऑफिसेस खुल गये है । किस फ्लोर पर तो साथ मे ऑफिस भी चलता है और छोटे-छोटे बच्चे भी पढते है । जिसमे छोटे-छोटे बालवाडी के बच्चे पढते है और साथमे ऑफिस भी चलता है । वहाँपर कही क्लासरुममे लाईट, पंखे नही है । बच्चोंकी संख्या कम हो रही है और आपके रेकॉर्डपर बच्चोंकी संख्या बढ़ रही है । यह गफला क्यों हो रहा है ।

**शुभांगी नाईक :-**

मा. महापौर मॅडम, आमच्या गोडदेवच्या शाळेत जी पाण्याची टाकी आहे. त्या टाकीला अदयापर्यंत झाकण बसवून दिलेले नाही. मी दोन-तीन वेळा कम्प्लेन्टसुध्दा केलेली आहे. मी साहेबांना येउन सांगितलेले आहे. बघा, विषबाधा किंवा काहीही झाले तर त्याला जबाबदार महानगरपालिकेत मुलांचे मुडदे आणून ठेवीन. परंतु, अदयापर्यंत त्या ठिकाणी कोणीही लक्ष दिलेले नाही. मागच्या मिटिंगला मी हा मुद्दा उपस्थित केलेला होता. आतासुध्दा हा मुद्दा उपस्थित झालेला आहे. त्या गोडदेव शाळेत टेबल, खुर्च्याची काहीही सोय नाही. महिलांना सांगितले जाते की तुम्ही इथून खुर्च्या, टेबल घेउन जा म्हणजे ते काम महिलांनी करायचे का? शिक्षकांनी करायचे का? मग आपले कर्मचारी, अधिकारी त्या ठिकाणी काय करतात.

**मिलन पाटील :-**

मा. महापौरांच्या परवानगीने बोलतो की हया अधिका-याच्याबाबतीत रुलिंगपार्टीवाल्या नगरसेवकांची आणि विरोधी पक्षाच्या नगरसेवकांची तक्रार आहे.

**रोहित सुवर्णा :-**

साहेब, सत्ताधारी पक्षाच्या शिक्षण मंत्र्यांना विचारा. महाराष्ट्रातील ४ लाख ७८ हजार विद्यार्थी शाळेत जात नाहीत.

**गजानन भोईर :-**

प्रथम चर्चा होउ दया.

**मिलन पाटील :-**

चालेल. चर्चा होउ दया. हा मुलांच्या ड्रेसचा प्रश्न आहे. अधिका-याचा काय प्रश्न आहे. आम्ही अधिका-याबाबत बोलत नाही.

**रोहिदास पाटील :-**

महापालिका नवीन काम करते का? हे रुटिनचे काम आहे.

**मिलन पाटील :-**

हयाच्यामध्ये त्या अधिका-याच्या मानसन्मानाचा प्रश्न येत नाही. हा मुलांच्या ड्रेसचा प्रश्न आहे.

**गजानन भोईर :-**

त्या विद्यार्थ्यांच्या ड्रेसचा प्रश्न आहे.

**मिलन पाटील :-**

ती गरिबांची मुले आहेत. आपल्या शाळेतील मुले आहेत. आपण गरिबांच्या मुलांना गणवेश देणार आहोत.

**रोहिदास पाटील :-**

सन्मा. सदस्य मिलन पाटील, गरिबांच्या मुलांना शिकवायला तुम्ही काय केले? तुम्ही काहीही केलेले नाही.

**मा. महापौर :-**

सन्मा. सदस्यांनी खाली बसून घ्यावे. एकावेळेला एकच सदस्यांनी बोलावे सगळ्यांनी एकत्र बोलू नका.

**रोहित सुवर्णा :-**

तुम्ही ठराव मांडलेला आहे. आम्हाला बोलू दया.

**मिलन पाटील :-**

मी मुलांना गणवेश देण्याच्याबाबतीत ठराव मांडलेला आहे. अधिका-याच्याबाबतीत मांडलेला नाही. मला अधिका-यावर बोलायचे आहे.

**शुभांगी नाईक :-**

सन्मा. सदस्य मिलन पाटील तुम्ही अधिका-यावर बोला.

**गजानन भोईर :-**

आपण प्रथम चर्चा करुया.

**मिलन पाटील :-**

तुम्ही गणवेशावर चर्चा करा.परंतु, मला अधिका-यावर बोलू दे.

## रोहिदास पाटील :-

आम्हाला गणवेशावर बोलायचे आहे. तुम्ही अधिका-यावर नंतर बोला.

## गजानन भोईर :-

या ठिकाणी हा विषय अधिका-याचा नाही. गणवेशाचा विषय आहे.

## रोहिदास पाटील :-

मा. महापौर मॅडम, हा जो गणवेशाचा विषय आहे. हा काही एकाएकी आलेला विषय नाही. वर्षानुवर्षे, दरवर्षीचे काम आहे. आपण नगरपालिकेपासून महानगरपालिकेपर्यंत हे सगळे गणवेश मुलांना देत असतो. मुलांची अंदाजित पटसंख्या घेउन आर्थिक बजेटप्रमाणे एप्रिलच्या पहिल्या आठवड्यात जी सभा लागेल त्याच्यामध्ये घेतले असते तर बरे झाले असते. ही स्पर्धा चाललेली आहे. आज हे स्पर्धेचे युग आहे. शिक्षणामध्ये सगळ्या ठिकाणी स्पर्धा चाललेली आहे. तुम्ही ज्या-ज्या प्राथमिक शाळेत जाल ती कोणतीही हिन्दी, मराठी, गुजराथी, उर्दू, इंग्लिश किंवा कोणतीही शाळा असली तरी त्या शाळेमध्ये मुलांना काहीतरी आकर्षण वाटेल असे केले जाते. आपल्या कोणत्याही मराठी शाळेमध्ये, कोणत्याही गुजराथी शाळेमध्ये, कोणत्याही हिन्दी शाळेमध्ये, कोणत्याही उर्दू शाळेमध्ये पालकाला समाधान वाटेल, येणा-या मुलाला समाधान वाटेल असे कोणतेही नाही. त्यातील हा एक भाग आहे की गणवेश ज्यावेळेला मुलगा नांव नोंदवायला येतो त्यावेळेला जर त्या शिक्षिका किंवा शिक्षकांच्या हातात किंवा त्या मुलाच्या हातात जर गणवेश असला तर चांगले आहे. तुमची संभवित पटसंख्या साधारण एवढी असते. बंदरवाडी शाळेची संख्या ३३५ असेल. तुम्ही ३२५ देउन ठेवा, ३०० देउन ठेवा. मागेल तेव्हा नंतर मिळेल. परंतु, ते मिळत नाही. आपल्याकडे कोणतेही आकर्षण राहिलेले नाही. अनेक मुले खाजगी शाळेकडे जायला लागलेली आहे. कशासाठी जायला लागलेली आहे. एक काळ असा होता की इथे कोणत्याही शाळेवर छप्पर नव्हते, खिडकी नव्हती, तावदान नव्हते, बसायला जागा नव्हती, जमीन साधी होती, लोक सारवण करून बसत होते. तरीही इथे पटसंख्या टिकलेली होती. आता महानगरपालिकेच्यावतीने टेबल, खुर्च्या, पंखे, लाईट, मुता-या सगळे दिले. तरीसुद्धा पटसंख्या कमी होत चाललेली आहे. हे गांभीर्याने प्रशासन किंवा कोणीही विचारत नाही. मा. महापौर मॅडम मा. उपमहापौर तर तरुण आहेत, परंतु त्या नवीन आहेत, त्या शिक्षिका आहेत. परंतु, आम्हाला असे वाटले की तुमच्या उपमहापौरांचा एवढा अनुभव आहे. मग तुम्हीही कुठेतरी शब्द खर्च कराल. परंतु, तुम्ही कुठे धावत सुटलात ते आम्हाला समजत नाही. अशी परिस्थिती आहे. महापालिकेच्या सर्व शाळांमध्ये ही परिस्थिती आहे की मुलांना विश्वास वाटेल, पालकांना विश्वास वाटेल असे कोणतेही वातावरण नाही. अनेक शाळा ज्या पध्दतीने करतात तसे आपल्याकडे आज जसे भोईरसाहेब बोलले की नवघरची शाळा काय? नवघरच्या शाळेमध्ये मुले जाणार. ती शाळा कोणी बघितली नाही. शिक्षण अधिका-यांनी मा. आयुक्तांनी किंवा मा. उपायुक्तांनी ती शाळा बघितलेली नाही. महापालिकेच्या अनेक कर्मचा-यांनी ती शाळा बघितलेली आहे. एवढे मोठे पटांगण असताना एकही मुलगा जाऊ शकत नाही. खेळायचे तर सोडूनच द्या. शाळेत जाऊ शकत नाही. आता तुमच्या पल्स पोलिओच्या अकरा जीप उभ्या असतात. मुलांना तिथून जाता येत नाही. त्या वाटेत उभ्या असतात. या स्थितीवर कोणाचे लक्ष आहे का? की फक्त दोनशे पन्नास कोटी रुपये आपल्याला वर्षाला संपवायचे आहेत काय कारण आहे ते तुम्ही सांगाल का? हया कारणास्तव आपण हया एप्रिलमध्ये ठराव घेऊ शकलो नाही. एकही ठराव सभेमध्ये असा येत नाही की जो नियमाने आलेला आहे. सगळ्या वाढीव मुदत देउन किंवा नंतर घाईघाईने आणून नंतर बहुमताने. तुम्ही बहुमतावर काहीही मंजूर करू शकता. आम्हाला दुःख नाही. परंतु, तुमचे जे कर्तव्य आहे. त्या कर्तव्यातच कसुर करून करतात. त्याचे आम्हाला दुःख होत आहे. हयाला कोणीही विरोध केला नसता. तुम्ही गणवेश आणायला कोणता कपडा चांगला मिळेल. चांगले बोलू शकले असते. तुम्ही ही जी भाषा वापरलेली आहे. कार्पोरेशन तुम्हाला कोणाला दोन ठेकेदार द्यायचे ते तुमचे फिक्स झाले असेल. आम्हाला त्याच्यामध्ये काहीही कर्तव्य नाही. परंतु, हे मटेरियल जे मिळायला पाहिजे होते ते जूनच्या पहिल्या आठवड्यात शाळेत पोहोचायला पाहिजे होते. जेणेकरून पालक, विद्यार्थी आणि शिक्षक यांच्यामध्ये संवाद झाला असता. आपली वही टाईमावर पोहोचत नाही. पुस्तक टाईमावर पोहोचत नाही. गणवेश टाईमावर पोहोचत नाही. आता ज्या शाळेमध्ये लाईट पेटत नाही. आपण एवढे मोठे कामकाज करतो. सगळे बोलतो. आपल्याकडे काही रिपोर्ट नाही का? मुख्याधिका-यांनी तुम्हाला रिपोर्ट केलेला आहे की आमच्या शाळेमध्ये लाईट नाही, पंखे नाही. आता बंदरवाडीच्या शाळेमध्ये एका ठिकाणी कार्यालय चालते. तिथे आपले कर्मचारी बसलेले आहेत. त्याच्यामध्ये तेरा मुले बसतात. काय स्थिती आहे. फक्त आम्ही कमी पडतो म्हणून तुम्ही आमच्या छातीवर बसून काम करता असे दाखविता का? आमच्यात त्याच्यामध्ये काय फरक पडणार आहे. आम्हाला त्याच्यामध्ये काहीही फरक पडत नाही. शिकणारी मुले आहेत. त्यांची किंमत केली पाहिजे. त्या शिकणा-या मुलांचे आईबापाची किंमत केली पाहिजे. ते गरिब आहेत म्हणून तुमच्याकडे येतात. जर त्यांची आर्थिक स्थिती चांगली असती तर महापालिकेत ते लोक आले नसते. ज्या-ज्या ठिकाणी ज्या शिक्षकांनी ती पटसंख्या टिकविलेली आहे. त्या शिक्षकांचे तुम्ही कौतुक करायला पाहिजे की त्यांनी पटसंख्या टिकवून ठेवलेली आहे. अन्य ठिकाणी फक्त इथे पाचवा वेतन आयोग पगार मिळतो अशी भावना वाढत चालली आहे. काम करा. नका करू, मुले आहेतच नाही. ही संख्या दिसते. शिक्षण क्षेत्रातील शिक्षण प्रेमींची संख्या दिसते. इकडे कोण आहे. काहीही पडलेले नाही. मा. महापौर मॅडम आपण महापौर आहात. आमच्या तुमच्याकडून



अपेक्षा आहेत. तुम्ही शिक्षिका आहात. पक्षाचा विषय नाही. हा विषय ध्येय धारणाचा विषय नाही. हा उन्नरीपणाचा विषय आहे. आपण त्याच्यामध्ये लक्ष घाला. खरोखर शाळेमध्ये काय-काय व्यवस्था आहे. काय नाही, कमी असतील आपण ह्या गोष्टीला कोणी विरोध करित नाही. इतक्या वर्षांचा आपला अनुभव आहे. कोणी विरोध करित नाही. ह्याच्यावर जे देणे शक्य आहे. आता कपाट नाही. महापालिकेच्या शाळेत कपाट नाही, खुर्ची मोडकी आहे. वर्सोवाच्या शाळेमध्ये खुर्च्या मोडलेल्या आहेत. टेबलसुध्दा नाहीत.

**लिला पाटील :-**

मा. महापौरांच्या परवानगीने बोलते की माझ्या प्रभागामध्ये इंदिरा नगर येथे समाजमंदिर आहे. मी मागच्या वर्षीच लेटर दिलेले होते. ते संपूर्ण तिथे स्लॅब गळत आहे. लाईट मीटर आहे. परंतु, तिथे पंखे नाहीत, टयुब नाही, खिडक्या नाहीत, दरवाजे नाहीत, टॉयलेट नाहीत. तिथे सर्व शिक्षण अभियानाचे वर्ग भरतात आणि बालवाडीचेसुध्दा वर्ग भरतात. इतकी वर्षे लेटर देउनसुध्दा तिथे खांबित साहेबांनी फक्त मुकणेना तिथे पाहणी करा म्हणून सांगितले. त्याच्यावर फक्त वर्षभर कार्यवाही झालेली नाही. आतासुध्दा तुम्ही समाजमंदिरामध्ये किती गळते ते बघा. ह्याच्यावर लक्ष द्यावे. शिक्षण अधिकारी झोपा काढतात का?

**तुळशीदास म्हात्रे :-**

मा. महापौर मॅडम, आतापर्यंत शहरामध्ये ही परिस्थिती चाललेली आहे की जे अधिकारी आलेले आहेत. आपण अधिका-यांचा टेम्पररी ठराव करून पास करतो. आपण त्यांना इकडे ठेवतो. परंतु, एकही अधिकारी शहराकडे कुंकून बघत नाही. कुठे काय चाललेले आहे. या शहराचे चांगले चाललेले आहे की वाईट चाललेले आहे. शाळेने सर्व शाळा घेण्यासाठी आम्ही प्रयत्न केला. शाळा घेतलेल्या आहेत. परंतु, त्यांच्या हाताखाली जो शिक्षण अधिकारी बसलेला आहे. त्याच्या हाताखाली अधिकारी आहेत. त्यांनासुध्दा त्यांना पाठवून शहानिशा करायला पाहिजे. गोडदेवच्या मराठी शाळेत खरोखर अतिशय वाईट परिस्थिती आहे. मी स्वतः तिथे सात-आठ हजार रुपये खर्च करून स्वतःच्या पदराचे खर्च करून त्या शाळेत बाईना चोपडया ठेवायला काहीही नव्हते. कोप-यावर मराठी शाळेत कोठा लावून सर्व तयारी करून दिलेली आहे. त्या मॅडम मघाशी बोलल्या की टाकीला झाकण नव्हते. ते झाकणसुध्दा बसविले. ही परिस्थिती आहे. उदया दहावेळा नगरसेवकांनी स्वतः तक्रार केलेली आहे. त्या टाकीला झाकण नाही. टाकीतून एखादा जंतू वगैरे पडला किंवा कावळे पाणी प्यायला गेले आणि संडास केला तर त्या मुलांना ते पाणी प्यायला लागेल. ह्याच्यावर दुर्लक्ष झालेले आहे. आम्ही लोक नगरपालिकेची मिटिंग असताना बडबड करून जातो. परंतु, त्याच्यावर अधिकारीसुध्दा परत अभ्यास करत नाही. तुम्ही अशा अधिका-यांना कशाला ठेवता? ताबडतोब त्यांना हाकलून लावा. त्यांना ठेवू नका.

**रोहिदास पाटील :-**

ह्याच्यामध्ये दुसरा भाग असा आहे की शिक्षकांचा पगार पंचवीस-पंचवीस दिवस नाही. महापालिकेची आर्थिक स्थिती खराब होती का? पंचवीस दिवस उशीरा पगार दिला. काय मॅसेज जातो? कोणी विचारले आपण पत्र दिले की परवा इकडे चेक होणार आहे. ह्याला काय अर्थ आहे? रुटिनची काही कामे आहेत. ही कामे एग्झिक्युट का होत नाहीत. आर्थिक स्थिती असती आपल्याला एक मिटिंग क्लिअर करायला लागली असती. मांडायला लागली असती तर गोष्ट वेगळी आहे. हा विषय आला होता का? शिक्षकांना २५ दिवस उशीरा पगार मिळाला.

**मा. महापौर :-**

विषय आलेला होता.

**जयंत पाटील :-**

मघाशी सन्मा. सदस्य रोहिदास पाटील यांनी शाळांच्या परिस्थितीबाबत अतिशय चांगले निवेदन केले. माझे म्हणणे असे आहे की या शहरात अनधिकृत शाळा वाढण्यासाठी हस्ते, परळहस्ते आमचा हातभार लागतो. आम्ही एवढ्या २९ शाळा बनवूनसुध्दा त्या शाळेमधील विद्यार्थ्यांचा पट कमी होत आहे. नवघर मराठी शाळेच्या मैदानामध्ये भराव टाकण्यासाठी मी दि. १३ जानेवारी २००४ ला पत्र दिलेले होते. मला ह्याचे उत्तर मिळालेले नाही. दिड वर्षे झालेली आहेत. आमचे अधिकारी येतात-जातात. पाय ठेवू शकत नाहीत. अशी त्या ठिकाणी परिस्थिती आहे. त्या शाळेच्या पाठीमागे प्रचंड गवत वाढलेले आहे. त्यातील साप शाळेत घुसत आहेत. उदया जर एखादा अपघात घडला. विद्यार्थ्यांना तो साप चावला तर त्याला शिक्षण अधिकारी जबाबदार राहतील. आताच्या आता त्यांनी माझ्याबरोबर यावे. तिकडची परिस्थिती बघावी. कशासाठी एवढे अधिकारी आपल्याकडे आणून ठेवलेले आहेत. शाळेची परिस्थिती बघू शकत नसतील अनधिकृत शाळांची लिस्ट त्यांनी मला दिलेली आहे. आपण ह्याच्यावर काय कार्यवाही केली. अनधिकृत शाळा ह्या ज्या शहरात चालतात. पंधरा शाळा आहेत. ह्या शाळांवर आपण कुठल्या त-हेची कार्यवाही केली की तिकडे जाउन आपल्या हातामध्ये काय पॉकेट मिळते का? आपल्या अनधिकृत शाळेमध्ये काय स्वार्थ आहे. परंतु, त्या शाळेमध्ये विद्यार्थी जातात. त्या शाळा भरलेल्या दिसतात. ह्याचे कारण आम्ही कुठेतरी कमी आहोत. आमच्यामध्ये कमतरता आहे. आमच्या महापालिकेच्या शाळांमध्ये कमतरता आहे. ज्या गोष्टी आम्हाला जूनच्या पहिल्या आठवडयात मिळायला पाहिजे त्या गोष्टी आता ऑगस्ट, नोव्हेंबरमध्ये मिळणार आहेत. त्या विद्यार्थ्यांना पुस्तके, वहया कधी मिळणार आहेत. याला जबाबदार कोण?

**मा. महापौर :-**

सन्मा. सदस्यांनी मांडलेल्या शाळेविषयी सुचना तेथील असणारी गैरसोय संबंधित असणाऱ्या शिक्षण विभागातील अधिकारी त्यांनी त्वरित त्या ठिकाणी पाहणी करून जास्तीत जास्त सुविधा आपल्याला शाळेला कशा पुरविता येतील आणि तेथील विद्यार्थ्यांचे आरोग्य आणि इतर ज्या सोयी आहेत. त्या सोयी त्यांना लवकरात लवकर पुरविण्याचे मी शिक्षण अधिकाऱ्यांना आदेश देते.

**रोहित सुवर्णा :-**

मा. महापौर मॅडम, माझी एक सुचना आहे की दि. १५ डिसेंबर २००० आणि दि. १७ डिसेंबर २००४ या दरम्यान एक सर्वेक्षण करण्यात आलेले आहे. झटपट सर्वेक्षणाच्या अंतिम अहवालानुसार महाराष्ट्रात जवळजवळ ४ लाख २८ हजार ८०० च्या दरम्यान विद्यार्थी सापडले गेले. मिरा भाईंदरमध्ये किती आहेत. हयाचा अहवाल शिक्षण अधिकाऱ्यांनी त्या मिटिंगमध्ये चर्चेमध्ये ठेवावा अशी विनंती आहे.

**प्रकरण क्र. १८ :-**

महानगरपालिका शाळेतील विद्यार्थ्यांकरिता गणवेश खरेदीबाबत.

**ठराव क्र. २० :-**

वरील संदर्भिय विषयान्वये सन २००५-२००६ या शैक्षणिक वर्षाकरिता महानगरपालिकेतर्फे मुलांना मोफत गणवेश वाटप करण्याबाबत मा. प्रशासन अधिकारी, महानगरपालिका शिक्षण मंडळ यांचेकडून मागणी करण्यांत आली आहे. सदरच्या मागणीनुसार खालीलप्रमाणे मुले / मुलींची संख्या पटानुसार दर्शविली आहे.

| वयोगट    | ६ ते ८ |       | ६ ते ८ |       | ८ ते १० |       | ८ ते १० |       | १० ते १२ |      | १० ते १२ |      | १२ ते १४ |      | एकुण पटसंख्या |
|----------|--------|-------|--------|-------|---------|-------|---------|-------|----------|------|----------|------|----------|------|---------------|
|          | इयत्ता | पहिली | दुसरी  | तिसरी | चौथी    | पाचवी | सहावी   | सातवी | मुले     | मुली | मुले     | मुली | मुले     | मुली |               |
| पटसंख्या | ८६५    | ८४५   | ७६७    | ७२७   | ७५८     | ८०२   | ७००     | ७३९   | ६२६      | ६३२  | ६०९      | ६४२  | ५८२      | ५९९  | ९८८६          |

तसेच मा. कार्यकारी संचालक, महाराष्ट्र स्टेट पावरलूमस कॉर्पोरेशन लि. यांनी दिलेल्या पत्र क्र. ३२२, दि. १८/०५/२००५ नुसार वयोगटानुसार प्रती ड्रेसची रक्कम दर्शविलेली आहे.

| अ.क्र. | तपशिल                           | मुलांसाठी प्रति ड्रेस | मुलींसाठी प्रति ड्रेस |
|--------|---------------------------------|-----------------------|-----------------------|
| १.     | वयोगट - ६ ते ८ (पहिली)          | १००.८३                | १२४.८३                |
| २.     | वयोगट - ८ ते ९ (दुसरी, तिसरी)   | ११२.८३                | १४५.०३                |
| ३.     | वयोगट - १० ते १२ (चौथी, पाचवी)  | १२४.८३                | १६३.२३                |
| ४.     | वयोगट - १२ ते १४ (सहावी, सातवी) | १३६.८३                | १८२.४३                |

प्रत्येक विद्यार्थ्यांकरिता दोन याप्रमाणे खालीलप्रमाणे खर्च अपेक्षित आहे.

| मुले       |            |        |             | मुली       |            |        |             |
|------------|------------|--------|-------------|------------|------------|--------|-------------|
| इयत्ता     | एकूण गणवेश | दर     | एकूण रक्कम  | इयत्ता     | एकूण गणवेश | दर     | एकूण रक्कम  |
| १ ली       | १७३०       | १००.८३ | १,७४,४३५.९० | १ ली       | १६९०       | १२४.८३ | २,१०,९६२.७० |
| २ री, ३ री | ३०५०       | ११२.८३ | ३,४४,१३१.५० | २ री, ३ री | ३०५८       | १४५.०३ | ४,४०,४४३.७४ |
| ४ थी, ५ वी | २६५२       | १२४.८३ | ३,३१,०४९.९६ | ४ थी, ५ वी | २७४२       | १६३.२३ | ४,४७,५७६.६६ |
| ६ वी, ७ वी | २३८२       | १३६.८३ | ३,२५,९२९.०६ | ६ वी, ७ वी | २४६६       | १८२.४३ | ४,४९,८७२.३८ |

सन २००५-०६ या अर्थसंकल्पात "ड" प्राथमिक / माध्यमिक शिक्षण (४) शाळेतील विद्यार्थ्यांना वह्या, पुस्तके, गणवेश, बॅच मोफत वाटप या लेखाशिर्षा अंतर्गत रक्कम रु. २५,००,०००/- इतकी तरतुद करण्यांत आली आहे.

सन २००४-०५ या शैक्षणिक वर्षापेक्षा विद्यार्थ्यांच्या संख्येत वाढ झाली आहे. एकूण ९८८६ विद्यार्थ्यांकरिता दोन ड्रेस याप्रमाणे वाटप केल्यास एकूण २७,२४,२९१.९० इतका खर्च अपेक्षित आहे. त्यामुळे सदरचे गणवेश मे. महाराष्ट्र स्टेट पावरलूमस कॉर्पोरेशन लिमिटेड ऐवजी स्वतः महापालिकेतर्फे गणवेश खरेदी करावेत. सदर प्रमाणे येणाऱ्या आर्थिक खर्चास ही सभा आर्थिक प्रशासकीय मंजूरी देत आहे.

सुचक :- श्री. मिलन पाटील.

अनुमोदन :- श्री. शशिकांत शहा.

ठराव सर्वानुमते मंजूर

सही/-

मा. महापौर

मिरा भाईंदर महानगरपालिका

(प्र. सचिवांनी प्रकरण क्र. १९ चे वाचन केले.)

(सन्मा. सदस्य श्री. रविंद्र माळी ह्यांनी ठरावाचे वाचन केले.)

**शानु गोहिल :-**

इस ठराव को मेरा अनुमोदन है ।

**मा. महापौर :-**

ठराव सर्वानुमते मंजूर आहे.

**प्रकरण क्र. १९ :-**

महानगरपालिका बालवाड्यांमधील विद्यार्थ्यांना सन २००५-०६ पर्यंत सकस आहार पुरवठा करणेंस मंजूरी मिळणेबाबत. (मा. महिला व बालकल्याण समितीने शिफारस केलेले प्रकरण)

**ठराव क्र. २१ :-**

मिरा-भाईंदर महानगरपालिका क्षेत्रामध्ये एकुण २६ बालवाड्या आहेत. सदर बालवाड्यामध्ये १८५० मुले-मुली पूर्व प्राथमिक शिक्षण घेत आहेत. सदर बालवाड्यांमध्ये सकस आहार पुरवठा करणेकामी आकांक्षा केंटरर्स यांच्या मार्फत चालू आहे परंतु त्याची मुदत दि. १५/७/२००५ पर्यंत आहे. तसेच सदरची मुले-मुली झोपडपट्टी व आर्थिकदृष्ट्या कमकुवत वर्गातील आहे. त्यामुळे बालवाड्यातील मुला-मुलींना सकस आहार देणे गरजेचे आहे. व त्यांना शाळेमध्ये जाण्याची गोडी निर्माण होईल व त्यांची उपस्थिती सुध्दा वाढेल.

बालवाड्यामधील मुलांना आठवड्यांनी सहा दिवस (रजा वगळता) मोड आलेले कडधान्य (मसाल्याचे तयार केलेले) शेंगदाणे, गुळ, फुटाणे, अंडी, बिस्कीट (नाचणी युक्त व सोयायुक्त बिस्कीट) केळी इत्यादी प्रकारचा आहार द्यावयाचा आहे. जेणे करुन मुलांची मानसिक व शारिरीक तंदुरुस्ती वाढेल.

महिला व बालकल्याण समिती सन २००५ व २००६ वर्षासाठी ५५ लाख एवढी आहे. सकस आहार पुरवठा करण्यास अंदाजित १२ लाख एवढा खर्च अपेक्षित आहे. सकस आहार बाबत निविदा मागविण्यांत याव्यात व येणा-या खर्चास ही सभा आर्थिक व प्रशासकीय मंजूरी देत आहे.

**सुचक :- श्री. रविंद्र माळी**

**अनुमोदन :- सौ. शानु गोहिल**

**ठराव सर्वानुमते मंजूर**

**सही/-**

**मा. महापौर**

**मिरा भाईंदर महानगरपालिका**

**ओमप्रकाश अग्रवाल :-**

मा. महापौर मॅडम, आपल्या नगरसेवकांची भावना समजून घ्या. कोणताही मानसन्मानाचा विषय नाही. मा. महापौर मॅडम, सर्वप्रथम आपले आभार मानतो. आपण हा महत्वाचा विषय आजच्या या सभेमध्ये घेतलेला आहे. हया विषयाला फक्त मीच नाही अनेक नगरसेवकांनी आपला पाठिंबा दर्शविलेला आहे. हा जो विषय आहे. महापालिकेच्या दृष्टिने महत्वाचा आहे. कारण अनेक प्रॉपर्टी टॅक्सधारक महापालिकेमध्ये आपला टॅक्स भरण्यासाठी येतात. परंतु, टॅक्सचे अधिकक काही घेत नाही. कारण अनेक लोकांनी असे ऑप्लिकेशन केलेले आहेत की आम्ही ज्या बिल्लिंगमध्ये राहतो. त्या बिल्लिंगमध्ये एकाला १० रु. टॅक्स आकारणी होत आहे. तर एकाला २०० रु. आणि एकाला ३०० रु. अशी वेगवेगळ्या पध्दतीने टॅक्स आकारणी होणे आणि अनेक करदाते या महापालिकेमध्ये आपला टॅक्स भरण्यासाठी येत होते. महापालिकेकडून तसे सहकार्य मिळत नाही. अनेक लोकांनी अर्ज केले की आम्ही प्रॉपर्टी टॅक्स भरायला तयार आहोत. परंतु, महापालिकेने आमच्या बिल्लिंगमध्ये लागलेला टॅक्स आहे. आपण त्या पध्दतीने टॅक्स आकारावा. हा गंभीर विषय मा. स्थायी समितीच्या पटलावर घेतला. आपल्याला माहिती आहे की दि. ६/११/२००३ प्रकरण क्र. १५७ ठराव क्र. १३७ नुसार स्थायी समितीने हा निर्णय घेतला की ज्या बिल्लिंगमध्ये प्रथम आकारणी झालेली आहे त्यावर्षाचा निष्कर्ष पकडून अन्य प्लॅट धारकांना कर आकारणी करुन घ्यावा असा स्थायी समितीमध्ये ठराव झालेला आहे. हा सन २००३ चा ठराव इम्प्लिमेंट होत नाही. त्याला शासनाने लागू करावा. मधल्या काळामध्ये उपायुक्त रणखांबसाहेब यांना मी भेटलो की स्थायी समितीने हा विषय पारित केलेला आहे. आपण त्याला इम्प्लिमेंट करण्यासाठी काही आदेश देत नाही. त्यांनी सांगितले माझ्याकडे असा कुठलाही ठराव नाही. मी त्यांना ठरावाची प्रत आणून दिली की हा ठराव आहे. त्याची तुम्ही आपण शहानिशा करा. आपण हा ठराव ताबडतोब अधिका-यांना सांगा. त्याला इम्प्लिमेंटेशन करा. परंतु, तसे झालेले नाही. उपायुक्तांवर काहीतरी प्रेशर असेल. त्यांनी ठरावाला मान्यता न देता तो ठराव तसाच रेंगाळत राहिला. आज जेव्हा गोरगरिबांचा विषय आहे. माझा एकटयाचे किंवा कोणाचा व्यक्तिगत विषय नाही. हा नागरिकांचा ज्वलंत विषय आहे. महापालिकेच्या उत्पन्नाच्या दृष्टिने महत्वाचा विषय आहे. म्हणून आज हा ठराव मी या महासभेत दिलेला आहे. सन १९७५ नंतर हया भाईंदरमध्ये अनेक बिल्लिंग झाल्या. त्यावेळी विकासकर्त्यांनी आपल्या सवलतीनुसार त्यावर टॅक्स आकारुन घेतले. चार फ्लॅट विकले. चार फ्लॅटचा टॅक्स लावून घेतला. अकरा विकले. अकराचे टॅक्स लावून घेतले अशा पध्दतीने टॅक्स आकारणी वेळोवेळी ज्या पध्दतीने विकासकर्त्यांनी करुन घेतली. म्हणून ही तफावत एका बिल्लिंगमध्ये आली. आज जेव्हा

महापालिकेच्या लक्षात आले. आपल्याला माहिती आहे की मधल्या काळामध्ये शिवमुर्ती नाईक सो. आपल्या महापालिकेचे माजी उपायुक्त यांनी सोसायटयामधून एकच टॅक्स आकारणी करावी म्हणजे टॅक्स भरताना सोसायटयांना एकच टॅक्स भरावा. त्याचवेळी पुन्हा हा विषय फार गंभीर झाला होता. कारण एका फ्लॅटचे रु. ३००/-, एका फ्लॅटची रु. १०००/- फी आकारणी त्या सोसायटयांनी कशी करावी असा गोंधळ झाला होता. त्याचवेळी महापालिकेची अनेक जप्ती केली. त्या जप्तीवरून भाईदरमध्ये असंतोष झाला. या प्रकरणामध्ये सन १९९५ ला करनिर्धारक अधिकारी आले होते. त्यांनीही त्याचवेळी निर्णय दिलेला आहे की आपण ज्या प्रॉपर्टीधारकांनी ज्या दिवशी पझेसन घेतलेले आहे. त्याचा करारनामा विकासकर्त्यांनी केलेला आहे किंवा अन्य दस्तावेज त्याच्यामध्ये टेलिफोन बिल असेल, इलेक्ट्रिक बिल असेल असे दस्तावेज त्यांनी घेतलेले असेल. त्याला बेस धरून त्या दिवशीचा टॅक्स त्याला आकारणी करावा असा कर निर्धारक अधिका-यांनी निर्णय दिलेला आहे. म्हणून मी आज या सभेमध्ये जास्त या विषयावर वाचा न फोडता माझी भावना, या शहराच्या नागरिकांची भावना या सभागृहामध्ये देत आहे असे माझे मत आहे की बहुतेक सर्व नगरसेवकांना हा ठराव चांगल्या पध्दतीचा वाटतो. लोकांची हयाच्यामध्ये फसवणुक होणार नाही. महापालिकेच्या उत्पन्नात कुठलीही घट होणार नाही. म्हणून आपण हा माझा ठराव आज या सभेमध्ये ठेवत आहात. आपण सर्वांनी एकमताने हा ठराव पारित करावा अशी मी विनंती करतो. मी ठराव वाचून दाखवितो.

(सन्मा. सदस्य श्री. ओमप्रकाश अग्रवाल ह्यांनी ठरावाचे वाचन केले.)

### शिवप्रसाद भुदेका :-

इस ठराव को मेरा अनुमोदन है ।

### मोहन पाटील :-

प्रकरण क्र. २१ 'ज' चा प्रस्ताव आहे. सन्मा. सदस्य ओमप्रकाश अग्रवाल यांनी आपल्या पत्रान्वये प्रस्ताव ठेवलेला आहे. या ठिकाणी त्यांनी ठराव पारित केलेला आहे. मी सन्मा. सदस्यांना विनंती करतो की या विषयाची संपूर्ण रितसर माहिती, सविस्तर माहिती सभागृहापुढे आणावी आणि मा. महापौरांनी हा विषय रितसर विषयपटलावर घेऊन या विषयावर चर्चा करून त्याच्यावर निर्णय घेणे फार जरूरी आहे. म्हणून याकरिता आम्ही असा एक ठराव मांडतो की प्रकरण क्र. २१ वर सन्मा. सदस्य ओमप्रकाश अग्रवाल यांनी जो प्रस्ताव आणलेला आहे या प्रस्तावाची संपूर्णपणे प्रशासनाकडून गोषवारा घेऊन हा विषय मा. महापौरांनी आपल्या विषयपत्रिकेवर आणावा. पुढच्या मिटिंगला असा मी ठराव मांडतो.

### शशिकांत शहा :-

मा. महापौर की परवानगीसे बोलता हूँ की मोहन पाटीलसाहबने जो ठराव रखा हुआ है। उसको मेरा अनुमोदन है और जरूरी है। अगली मिटिंगमे यह ठराव आना चाहिए। ऐसी मेरी बिनती है।

### रिटा शाह :-

मा. महापौर मॅडम, हयाच्यावर माझी एक उपसुचना आहे की जसा हा एका बिल्डिंगला एक दर आहे. हा संपूर्ण मिरा भाईदर क्षेत्राचा एक हे झालेला आहे. त्याच्याबरोबर हल्ली रजिस्ट्रेशन ऑफिसला एन.ओ.सी. लागते. ग्रामपंचायत कालीन ज्या बिल्डिंग आहेत. आपले जे रहिवासी आहेत. आपल्याकडून जे एन.ओ.सी. देतात. ते रजिस्ट्रेशन ऑफिसकडे जाणा-या लोकांना सांगतात की घ्यायला आणि विकायला महानगरपालिकेचे ऑब्जेक्शन नाही असा शब्द घेऊन या. त्याच्यासाठी आपल्या येथील फ्लॅटधारक ९० फुटवरून महानगरपालिकेवर महानगरपालिकेवरून ९० फिटवर फिरत असतात. हयाच्याबद्दल इन्क्ल्युड करून आपण हा विषय विषयपटलावर आणावा अशी माझी मागणी आहे.

### मोहन पाटील :-

मा. महापौर मॅडम, सन्मा. सदस्या रिटा शाह यांनी सुचना दिलेली आहे. आपण ती सुचना आमच्या ठरावामध्ये समाविष्ट करावी.

### ओमप्रकाश अग्रवाल :-

मा. महापौर मॅडम, आता आपले सभापती मोहन पाटील यांनी सुचना मांडली की गोषवारा देऊन टोटल म्हणजे पुन्हा आपण हा विषय विषयपटलावर आणावा. माझ्या माहितीप्रमाणे ज्या स्थायी समितीमध्ये हा ठराव पास झाला त्यावेळी सन्मा. सदस्य त्या समितीचे सदस्य होते. सन्मा. सदस्य मॉरस रॉड्रिक्स हे सभापती होते. आज या विषयाला तीन वर्षे झालेली आहेत. हा विषय महासभेत चार महिन्यांपासून रेंगाळत ठेवलेला आहे. जर हा विषय महत्वाचा होता. मा. सभापतींना हे माहिती होते. तर हा विषय आज या 'ज' चा विषय हयाच्यामध्ये आणायचा जसा बाबासाहेब आंबडकरांचा विषय तुम्ही विषयपटलावर घेतला. हाही तुम्ही घेतला असता तर पुन्हा वेळ आली नसती. परंतु, सत्ताधारी पक्षाला हयाच्यामध्ये राजकारण खेळायचे आहे असे मला वाटते. हे बरोबर नाही. शहराच्या दृष्टिने बरोबर नाही. माझ्या एका वॉर्डातील कुठल्याही नागरिकाला याचा फायदा होणार नाही. संपूर्ण शहरातील लोकांना फायदा होणार आहे. म्हणून मोहन पाटील सभापती यांना विनंती आहे की हा विषय न रेंगाळता महापालिकेच्या उत्पन्नात कुठेही.....

### रोहिदास पाटील :-

एकमताने ठराव मंजूर करा.

### **ओमप्रकाश अग्रवाल :-**

आपल्या महापालिकेचे कुठलेही आर्थिक नुकसान होणार नाही. व्यक्तिशः महापौरांशी बोललो आहे. महापालिकेचे फार मोठे नुकसान होणार नाही. या विषयामुळे महापालिकेचा फायदा होणार आहे. तुम्हाला वाटले असेल तुम्ही अधिका-यांना दहा मिनिटे घेउन विचारून घ्या. फक्त या विषयात कुठलेही राजकारण फोडण्याचा विषय असेल तर ठराव करू नका. नागरिकांचे हाल करू नका अशी आमची विनंती आहे. कारण महापालिकेच्या उत्पन्नात मी स्वतः या महापालिकेच्या उत्पन्नासाठी अनेक विषय आणलेले आहेत. महापालिकेचे उत्पन्न वाढवून दाखविलेले आहे. अजूनही तुम्हाला हयाच्यामध्ये वाटत असेल की महापालिकेचा तोटा आहे किंवा महापालिकेचे नुकसान होणार आहे तर आम्ही तुम्हाला खात्री देतो की जेवढे नुकसान आहे. त्याचे उत्पन्न आम्ही तुम्हाला महापालिकेत करून देऊ अशी मी तुम्हाला एकदम खात्रीने सांगतो. म्हणून आपण हयाच्यामध्ये भावनात्मक होउन या शहरातील नागरिकांचा विचार करून हया विषयाला जास्त वाचा न फोडता एकमताने हा ठराव पास करावा अशी मी पुन्हा सन्मा. सदस्य मोहन पाटील आणि मा. महापौरांना विनंती करतो.

### **मा. महापौर :-**

सन्मा. सदस्य ओमप्रकाश अग्रवाल यांनी पाटीलसाहेबांना अशी विनंती केलेली आहे की हा विषय पुन्हा पुढच्या सभेला विषयपटलावर आणून आपण हा विषय रितसर घेउया. पुढील सभेत हा विषय घेण्यात येईल.

### **रोहिदास पाटील :-**

मा. महापौर मॅडम, तो प्रश्न येत नाही.

### **शरद पाटील**

दिड वर्षापूर्वी अधिका-यांनी त्याच्याबद्दल आदेश दिलेले होते.

### **शशिकांत भोईर :-**

तुम्हीच आम्हाला 'ज' चा प्रस्ताव आणायला का लावता जर तुम्हाला एवढी जनतेबद्दल भावना होती?

### **रोहित सुवर्णा :-**

सन्मा. सदस्य मोहन पाटील बोलतील आणि आपण तसे कराल असे कधी झालेले आहे.

### **रोहिदास पाटील :-**

त्यांनी तर्कशुध्द सिध्दांत मांडला असता तर हयाच्यामधून महापालिकेला तोटा, फायदा काय अडचणी असे काही पुढे घ्या म्हणता कसे काय?

### **रोहित सुवर्णा :-**

प्रत्येक वेळी सन्मा. सदस्य मोहन पाटील बोलतील आणि आपण त्यांचे डायरेक्शन ऐकता.

### **रोहिदास पाटील :-**

सभापती, हा आजचा विषय नाही. अनेक दिवसापासूनचा, वर्षापासूनचा विषय आहे. म्हणून तुम्ही घेत नाही. म्हणून आणायला लागला. आधी 'ज' मध्ये होता. तेव्हा त्यांना महत्त्व पटले असते तर त्यांनी तो फेटाळायचा असेल तर तुम्ही फेटाळून लावा. आम्ही ठराव ठेवलेला आहे.

### **रोहित सुवर्णा :-**

हया ठरावाला दीड वर्ष झालेले आहे. दिड वर्षापूर्वी पुन्हा सभापती मोहन पाटील होते.

### **रक्षा शहा :-**

मा. महापौरांच्या आदेशाने बोलतो की हा ठराव स्टॅडिंगमध्ये मंजूर झाल्यानंतर नार्इक साहेब असताना सन २००० साली तुम्ही किती घरांची कर आकारणी केलेली आहे आणि परत ते नामंजूर करून ते परत सभेत आणायचे योग्य नाही. सन्मा. सदस्य ओमप्रकाश अग्रवाल यांनी जो विषय आणलेला आहे. तो सर्व नागरिकांसाठी आहे आणि योग्य आहे. सन्मा. सदस्य ओमप्रकाश अग्रवाल यांनी विषय सर्व नागरिकांसाठी आहे. लोक दोन-दोन वर्षापूर्वीचे प्रकरणे पेंडींग आहेत. विजय पाटील यांना वस्तुस्थिती माहिती आहे. एखादया नगरसेवकाला तुम्ही किती दिवस थांबवणार आहात.

### **शिवप्रसाद भुदेका :-**

यह पास करो।

### **याकुब कुरेशी :-**

हे मान्य करतो. परंतु, त्याच्यामध्ये थोडीशी तफावत आहे. काही फ्लॉट समजा. सन २००९ मध्ये आपल्याला नोंदणी झालेली आहे. काही फ्लॉट एक-दोन वर्षांनंतर झालेले आहेत अशी परिस्थिती असताना माझी गोष्ट लक्षात घ्या.

### **रक्षा शाह :-**

ती बिल्डरची चुक असते.

### **याकुब कुरेशी :-**

माझे ऐकून घ्यावे ही मी विनंती करतो. सगळ्यांना बोलायचा पूर्णपणे अधिकार आहे.

### **रक्षा शहा :-**

बिल्डरच्या चुकीमुळे महानगरपालिका जेव्हा एका बिल्डिंगला टॅक्स लावतो. तो पूर्ण लावून घ्यायला पाहिजे. ही बिल्डरची चुक नाही.

**रोहित सुवर्णा :-**

वह अपने बाजुसे बोल रहा है। कुछ अच्छी बात बोल रहे है तो सुनेंगे।

**याकुब कुरेशी :-**

अच्छी लगेगी तो सुनो। नही लगेगी तो मत सुनो। आप लोग बुरी बात बोलते है। तब हम लोग सुन लेते है। फिर हमारी अच्छी बात सुननेमे हम लोगोंगो क्या तकलीफ है। इसलिए कह रहा हूँ। गोषवारा जर आपल्याला प्रशासनाकडून आला. त्या गोषवा-याच्या हिशोबाने आपण तो विषय विषयपटलावर आणून पुढच्या मिटिंगला बरे होईल.

(सभागृहात गोंधळ)

**रोहिदास पाटील :-**

तुम्ही लोकांनी हयाच्यामध्ये दोन वर्षे घातली. हयांना जनतेचे सुख दिसत नाही.

**गजानन भोईर :-**

तो विषय जनहिताचा होता. हा विषयदेखील जनहिताचा आहे. हा विषय तुम्ही रोजचा मांडला. बरोबर अभ्यास केला. हा विषयदेखील जनहिताचा आहे. हयाच्यामध्ये जनतेचे हित आहे. होउन जाउ दे. तुमचे स्वागत करतील. बाहेर हार घेउन उभे राहतील.

**शशिकांत भोईर :-**

विषय चार महिन्या अगोदर आला होता. तुम्ही विषयपटलावर घ्यायला पाहिजे होता.

**रोहिदास पाटील :-**

तुमच्या सगळ्यांची संमती आहे ना.

**याकुब कुरेशी :-**

साहेब, माझ्याकडे बघून बोलता. तुमची ही अतिशय चुकीची पध्दत आहे. तुम्हाला जे काही बोलायचे असेल ते मा. महापौरांना बोलायचे असते. समजदार नगरसेवकांना सांगण्याची मला आवश्यकता वाटायला नको.

**गजानन भोईर :-**

विरोध आहे म्हणून तुम्ही डिक्लेअर करा.

**याकुब कुरेशी :-**

अगोदरच सांगितले कोणाचाही विरोध नाही. हया विषयामध्ये अजून तफावत आहे. म्हणून आपण एकमताने ठराव पास करू शकत नाही.

**रोहित सुवर्णा :-**

हया प्रस्तावाला दिड महिना झाला. आज या प्रस्तावाला दोन महिने झाले.

**प्र. सचिव :-**

प्रकरण क्र. २१ बाबत सन्मा. सदस्य ओमप्रकाश अग्रवाल यांनी जो प्रस्ताव मांडलेला आहे. त्याच्याबद्दल सन्मा. सदस्य मोहन पाटील आणि सन्मा. सदस्य शशिकांत शहा यांनी ठराव पाठविलेला आहे. प्रकरण क्र. २१ सन्मा. सदस्य ओमप्रकाश अग्रवाल यांच्या ठरावाचे वाचन करतो. (ठरावाचे वाचन केले) 'ज' बाबत दुसरा ठराव सन्मा. सदस्य शिवप्रकाश भुदेका आणि सन्मा. सदस्य ओमप्रकाश अग्रवाल यांचा आलेला आहे.

(प्र. सचिवांनी आलेल्या दोन्ही ठरावाचे वाचन होणे.)

**जयंत पाटील :-**

ठराव मताला टाकण्या अगोदर मी सभागृहाला विनंती करतो की सन्मा. सदस्य ओमप्रकाश अग्रवाल यांनी अतिशय चांगला विषय आणलेला आहे. त्याच्यामध्ये कोणाचे दुमत नाही. परंतु, 'ज' चा प्रस्ताव आपल्याला धोरणात्मक निर्णय ठरवायचा आहे. आपल्याला हा जो निर्णय ठरवायचा आहे. ते धोरण या महापालिकेत ठरवणार आहेत. कुठल्याही त-हेची माहिती आपल्याकडे नसताना 'ज' च्या प्रस्तावावर आपण धोरणात्मक निर्णय ठरवू शकतो का?

**रोहिदास पाटील :-**

होय.

**जयंत पाटील :-**

सन्मा. सदस्य रोहिदास पाटील मी आपल्या ठरावाच्या बरोबर आहे. परंतु, कुठल्याही त-हेची माहिती आपल्याकडे नसताना शहरामध्ये अशी किती त-हेची प्रकरणे आहेत. ही आपल्याकडे कुठलीही माहिती नाही. आपल्याला हयाच्यामध्ये किती नुकसान होणार आहे, किती फायदा होणार आहे. त्याचे कुठलेही कॅल्क्युलेशन आपल्याकडे नाही. तेव्हा ही संपूर्ण प्रकरणाची माहिती घेउन जर योग्य त-हेने विषय आणला आम्ही सगळे तुमच्या बरोबर आहोत. हया विषयाला घ्यायचा विरोध नाही.

**शिवप्रकाश भुदेका :-**

आप उत्तन के रोडका मिला तो तभी आपने उसमे ठराव रखा है क्या?

### जयंत पाटील :-

मी अगोदरच सांगतो की मी ठरावाच्या विरोधात नाही. मलासुध्दा हया गोष्टीचा त्रास होत आहे. मीसुध्दा इमारत विकासक आहे. माझ्या शहरामध्ये, माझ्या प्रभागामध्येसुध्दा भानगडी आहेत की एकाच बिल्डिंगमध्ये वेगवेगळे टॅक्स लागलेले आहेत. आपला ठराव चुकीचा नाही. हवा असल्यास आपण पुढचा ठराव मांडा. आपण अनुमोदन द्या. परंतु, 'ज' च्या प्रस्तावावर पंधरा दिवसामध्ये मोठा फरक पडणार नाही. संपूर्ण माहिती सभागृहपटलापुढे आली पाहिजे. अशी माझी आपल्याला विनंती आहे. हयाच्यामध्ये दुमत असण्याचे कारण नाही. कुठल्याही त-हेची माहिती आपल्याकडे नाही. शहरामध्ये किती इमारती हया गोष्टीमुळे बाधित झालेल्या आहेत. त्याचीसुध्दा माहिती आपल्याकडे नाही. मी हया ठरावाच्या विरोधात नाही.

### रोहित सुवर्णा :-

सत्य कधी तरी बोला.

### रोहिदास पाटील :-

तुम्ही त्याच्यावर किती जरी बोललात तरी त्यांना ते करायचे नाही. हा नवीन विषय आलेला नाही. सगळ्या सन्मा. सदस्यांना माहिती आहे. सगळ्या सन्मा. सदस्यांनी प्रत्यक्ष, अप्रत्यक्ष भेट घेउन निवेदन केलेले आहे. या भूमिकेशी सगळे सन्मा. सदस्य सहमत आहेत. आपण आता नाही सांगितले तर त्यांना परत तयारी करून यायचे असे त्याचे कर्तव्यच नाही. आयुक्तांची, उपायुक्तांची, महापौरांची, उपमहापौरांची उदया मिटिंग कोणती आहे. 'ज' चा प्रस्ताव आधी फेटाळला होता. आता परत आला. मग त्यांनी तयारी करून यायला नको का? उपायुक्तसाहेब बसलेले आहेत. पुढच्या मिटिंगला तो आणणार नाही. आमचे मत असे आहे की त्यांनी त्याच्याबद्दल आजच निर्णय घ्यावा. आपण सगळ्यांनी घेउया. त्याच्यामध्ये कोणत्याही दोन त्रुट्या असतील तर त्या त्रुट्या दुरुस्त करून घेतील. हया बाबतीतील पत्र मा. आयुक्तांनी सन २००४ मध्ये दिलेले होते. दि. ०७/१२/२००४ काही नाही. प्रकरण तसेच पेन्डींग आहे. त्यांना त्याच्यामध्ये रुची नाही. त्यातील कोणती त्रुटी असेल तर मी एक गटनेता म्हणून तुम्हाला सांगतो की त्रुटी सुधारायला जर थोडा जरी ठराव चुकीचा झाला तर आपण प्रयत्न करुया. आपण ठराव करुया. सगळे मिळून करुया. बहुमताने नाही. एकमताचा ठराव करू. प्रशासनाने त्यांना करू द्या. कामाला लागू दे.

### याकुब कुरेशी :-

सन्मा. सदस्य रोहिदास पाटील, याच्यामध्ये बरीच तफावत आहे. मला हया सगळ्या गोष्टींचा अनुभव आहे. आपण मा. महापौरांना विनंती करुया. पुढच्या मिटिंगला घ्या.

### रोहिदास पाटील :-

सन्मा. सदस्य याकुब कुरेशी, ते माहिती काढणार नाही. नगरपरिषदेपासून हा विषय आलेला आहे. त्यांना तफावत काढू दे. सन्मा. सदस्य याकुब कुरेशी, आम्ही तुम्हाला आश्वासन देतो. हयाच्यातून काय अडचणीचे झाले तर आज पारित केलेला ठरावसुध्दा आम्ही मागे घ्यायला तयार आहोत. परंतु, हयाच्यामध्ये काही अडचण होणार नाही. फक्त अधिकारी कामाला लागतील. त्या अधिका-याच्या कामाची मनःस्थिती नाही. फक्त नगरसेवक सभागृहात येतात. सकाळी ११ ते ७ वाजेपर्यंत सभागृहात बसतात. ते उठून जातात. त्यांना जनता विचारत नाही. नगरसेवक विचारत नाहीत अशी त्यांची स्थिती आहे. त्याचा हा परिणाम आहे. आम्ही त्यामुळे विषय धरून ठेवलेला आहे. तोंडावर कपडा धरून ठेवलेला आहे. ही स्थिती आहे. म्हणून माझी सभागृहाला एक नम्र विनंती आहे. मा. महापौर मॅडम, हा विषय अत्यंत जिद्दाळ्याचा आहे. तुमच्याही प्रभागामध्ये असे अनेक नागरिक त्रस्त असतील चंद्रकांत वैतीसाहेब मी त्या दिवशी बोललो होतो. किती पोटतिडीकीने बोललो होतो. मी तुम्हाला बोललो होतो. तुम्ही तेथे पुरे पडले नाही. त्या दिवशी उपायुक्तसाहेब हेच होते. त्यांना बोललो होतो. ते पुरे पडले नाही. पैसे घेतले, कसे घेतले, आणि लोकांना कसा न्याय मिळत नाही. हे सविस्तर मी मांडले होते. त्याच्यावर काहीही परिणाम झालेला नाही. त्यामुळे हयाच्यातून जे काही निघेल. ज्या कोणाच्या कर्जाचा त्याच्यामधून थोडाफार फायदा होईल तो फायदा महापालिकेचा होउ दे. मलाही कोणी सांगितलेले आहे की महापालिकेचे थोडेफार नुकसान होत आहे. किती नुकसान होणार आहे. आपण एवढ्या लोकांसाठी एवढा रस्ता बनवितो म्हणजे आपण नुकसान करतो ना पैसे देतोच ना. हे पैसे जर नीट चार्जिंग केले. हया लोकांनी नीट आकारणी केली तर काही लोकांना निश्चितच त्याच्यामध्ये राहत मिळेल. न्याय मिळेल. मा. महापौर मॅडम, तुम्ही न्याय दिला अशी तुमची भुमिका राहिल. हा कोणता पक्ष. हा विषय धोरणात्मक आहे. आपल्या सगळ्यांचे हित हे या जनसामान्यांचे हित आहे. जे त्रस्त लोक आहेत. काही काहीची प्रकरणे कैक महिन्यापासून पडून राहिलेली आहेत. कर खात्याकडे कोणी अधिकारी नाही. जे काही त्यांना सहन होत नाही. लोकांचा संताप. हयाला कामाला लागू द्या. आपण सगळे मिळून हे करू काही वाईट वाटून घेउ नका. हा ठराव एकमताचा मंजूर करावा अशी मी विनंती करतो. आम्ही अन्य कधीही ठरावाला अशी विनंती केलेली नाही. तुम्ही बहुमताने केला. आम्ही आमची मते मांडतो सोडून देतो. हया ठरावावर तुम्ही विरोधी राहू नका. मी सांगेन ठरवा. पाच मिनिटे सभा थांबवा.

### मा. उपमहापौर :-

सन्मा. सदस्य रोहिदास पाटीलसाहेब, मी काय सांगतो हया विषयात आपल्या सर्व नगरसेवकांच्या भावना एवढ्या तीव्र आहेत. तुम्ही मांडल्या, मी मांडल्या. आतापर्यंत असे चाललेले होते की ज्यांनी अर्ज केलेला

आहे. त्यांना केव्हापासून लावायचे ज्यांनी जेव्हापासून कमी करायचे अर्ज केलेला आहे. तेव्हापासून लावायचे तर २७ हजार नवीन प्रॉपर्टीचा शोध आपण सन २००० साली जे नवीन कर लावण्याची मोहिम हाती घेतली. सर्व्हे केला. त्याच्यासाठी आपण २७ हजार नवीन प्रॉपर्टीना कर लावलेले होते. ज्या लोकांनी आणि काही बिल्लिंगचे फ्लॅट राहिले होते परंतु करामध्ये एवढी मोठी तफावत आहे. त्याच्यासाठी सगळ्यांचे एकमत आहे. आता आपण आज ठराव केला की त्या-त्या ठिकाणी तसेच्या तसे लावा. मग पुन्हा प्रशासनाने एक कारण आपल्यापुढे केले की ज्यांचा अर्ज होता त्याच्यासाठीच ही सुचना लागू राहिल. एखाद्याने टॅक्स लावण्यासाठी अर्जच केला नसेल.

#### **रोहिदास पाटील :-**

सगळे समान होईल. ते कोडे घालतीलच. मी हे समोरच सांगतो.

#### **मा. उपमहापौर :-**

सन्मा. सदस्य शशिकांत भोईर, आपण फार उत्सुक आहात. सन्मा. सदस्य जयंत पाटील यांनी काय सांगितले? सन्मा. सदस्य जयंत पाटील यांनी सुचना केली की भले हा ठराव तुम्ही मांडा. हयाचे अनुमोदनदेखील तुम्ही करा. त्याला कोणाचे ऑब्जेक्शन नाही. परंतु, हया विषयाला रितसर विषय आला तर आपल्याला अजून काही सन्मा. सदस्यांना सुचना असतील किंवा नागरिकांच्या अजून अडचणी आपल्या लक्षात आल्या. सन्मा. सदस्या रिटा शाह यांनी सुचना केली ती सुचना त्याच्यामध्ये मर्ज करता आली तर ते चुकीचे होईल असे वाटत नाही. सन्मा. सदस्य रोहिदास पाटील, मी आपल्याकडे प्रत्यक्ष आलो होतो. सन्मा. सदस्य रोहिदास पाटील, आपण प्रतिष्ठा न करता आपण मनाचा मोठेपणा दाखवून हा विषय पुढच्या सभेपुढे घेतला तर अधिक चांगले राहिल.

#### **रोहिदास पाटील :-**

चंद्रकांत वैतीसाहेब, हा मोठेपणाचा विषय नाही. हा एकदम टोकाला गेलेला विषय आहे. पुन्हा-पुन्हा सांगूनसुद्धा मा. आयुक्त लिहून घेत नाहीत. मा. महापौरांना सांगूनसुद्धा घेत नाहीत कसे काय?

#### **लिला पाटील :-**

मा. महापौर मॅडम, दोन वर्षे झाली. आदर्श इंदिरा नगरमधील सन १९९५ चे पुरावे आहेत. मी सगळे नमुद केलेले आहे. सबमिट करूनसुद्धा त्यांना टॅक्स लागलेला नाही. वारंवार तक्रार करूनसुद्धा त्यांना टॅक्स नाही. तुम्ही दोन वर्षांचा महसुल किती बुडविला हयाचे प्रथम मला उत्तर द्या.

#### **रोहित सुवर्णा :-**

मा. महापौर मॅडम, मी आपणास एक पत्र दिलेले होते. तसेच मा. उपायुक्तांनासुद्धा एक पत्र दिलेले होते की पुणे महानगरपालिकेने सेल्फ असेसमेन्ट स्किम लागू केलेली होती. ज्यांना आपली प्रॉपर्टी कुठेही असेल त्यांनी स्वतःहून समोरून येउन वॉर्ड ऑफीस मध्ये येउन सांगावे की ही माझी प्रॉपर्टी आहे. आपल्याला असेसमेन्ट करायचे असेल तर असेसमेन्ट स्किम पुणे महानगरपालिकेने लागू केली होती. तीदेखील तीन महिने झाले. पत्र दिलेले आहे. त्याचे साधी उत्तरदेखील दिले नाही. एवढी चांगली स्किम होती की लोक समोरून येउन टॅक्स भरायला तयार होते. आज आपल्याकडे पैसा नाही म्हणून आपण स्टॅडिंग मिटिंगमध्ये आपले एफ.डी. विड्डा करतो.

#### **प्र. सचिव :-**

'ज' करिता दोन प्रस्ताव आलेले आहेत. सन्मा. सदस्य मोहन पाटील आणि सन्मा. सदस्य शशिकांत शहा यांचा ठराव आलेला आहे. तो आता मतास टाकतो.

#### **रोहित सुवर्णा :-**

नेहमी मताला टाकायचा आणि सत्ताधारी बाजू घेणार बरोबर होते. प्रशासन चुकते असे बोलणार.

#### **प्र. सचिव :-**

(ठरावाचे वाचन केले.) सुचक सन्मा. सदस्य मोहन पाटील आणि अनुमोदक सन्मा. सदस्य शशिकांत शहा.

#### **रिटा शाह :-**

मा. महापौर मॅडम, हयाच्यामध्ये अजून एक राहिलेले आहे. उपसुचना घेतलेली आहे. अजून एक आहे की आपण ट्रान्सफर फॉर्म मागे नुसती स्टॅम्प ड्युटी असली की आपण ट्रान्सफर करून द्यायचे. आता आपण नवीन काढलेले आहे. मागचे सहा महिने झाले की रजिस्ट्रेशन कम्प्लेसरी केलेले आहे. ते कशाला? . रजिस्ट्रेशन करणे नाही करणे ते काम रजिस्ट्रेशन विभागाचे आहे. परंतु, आपण स्टॅम्प ड्युटीवर नाव ट्रान्सफर करून देत नाही. आपण ते सहा महिन्यापूर्वी करून द्यायचे.

#### **धनराज अग्रवाल :-**

मा. महापौर मॅडम, जो प्रस्ताव दिला है । वह प्रस्ताव किधर है? आपण वह प्रस्ताव को पढो । वह प्रस्ताव नहीं है । यहाँ आग लगी आओ यह कोई प्रस्ताव नहीं हुआ । इसके अगेन्स्ट मे आपको जो देनेका है वह दिजिए । यह कोई प्रस्ताव नहीं है । महासभामे ही हम लोग प्रस्ताव लाते है । आज छह: महिनोसे यह प्रस्ताव चालु है । आप लोग उसे लाते नहीं है । आप जनभावना समजने की कोशीश नहीं कर रहे है । बीजेपीने या कोईभी इधर अपोजीट पार्टीने कभी विकास कामोंका अपोजीशन नहीं किया है । विकास कामोंमे



हम लोगोंने इन लोगोंको साथ दिया है । लेकिन एक छोटीसी बात मे इन्होंने राजनीती चालू की है की हमारा प्रस्ताव आना चाहिए और पास होना चाहिए । यह गलत राजनीती है । हम लोग इसका विरोध करते है । संताप व्यक्त करते है और आपको फिरसे हम रिक्वेस्ट करते है की आप इसपर वोटिंग किजिए और आप इनका प्रस्ताव लिजिए की ऐसा नही लेना चाहिए । यह प्रस्ताव नही है । यह विनंती है ।

**प्र. सचिव :-**

सन्मा. सदस्य मोहन पाटील आणि सन्मा. सदस्य शशिकांत शहा यांच्याकडून आता जो ठराव मांडण्यात आलेला आहे. त्याच्या बाजूने जे सन्मा. सदस्य असतील त्यांनी हात वर करायचे आहेत.

**गजानन भोईर :-**

पहिला आमचा ठराव आलेला आहे. आमचा ठराव प्रथम मतदानाला टाका. प्रथम तो घ्या.

**रोहित सुवर्णा :-**

मा. महापौर मॅडम, ज चा प्रस्ताव आहे. हे काय चाललेले आहे? सन्मा. सदस्य मोहन पाटील, आपण वरच बसा. खाली बसून डायरेक्शन देतात, त्याच्यापेक्षा वरच बसा. हे काय चालू आहे. सगळे निर्णय आपणच घेता.

**मा. उपमहापौर :-**

सन्मा. सदस्य रोहित सुवर्णा, तुम्ही इकडे या. तुम्ही फार बोलता. किती बोलता? तुम्ही स्वतःला सर्वज्ञ समजता का? दुस-या कोणाला बोलता येत नाही असे तुम्हाला वाटते का?

**रोहित सुवर्णा :-**

तुम्हाला बोललो नाही. मी सन्मा. सदस्य मोहन पाटील यांना बोलतो.

**मा. उपमहापौर :-**

खाली बसा.

**रोहित सुवर्णा :-**

मा. महापौर मॅडमनी सांगितल्यावर मी खाली बसेन.

**मा. महापौर :-**

सन्मा. सदस्य रोहित सुवर्णा आपण खाली बसा.

**रोहित सुवर्णा :-**

दादागिरीची भाषा करू नका.

**मा. उपमहापौर :-**

किती विषयात बोलतात. हे सगळे तज्ञ लोक आहेत.

**रोहिदास पाटील :-**

जितक्या विषयात बोलायचे तितक्या विषयात.

**मा. उपमहापौर :-**

हयांना फक्त ओरडायचेच माहिती आहे का?

**रोहित सुवर्णा :-**

मी सन्मा. सदस्य मोहन पाटील यांना बोललो.

**रोहिदास पाटील :-**

तो त्यांचा स्वभाव आहे.

**रोहित सुवर्णा :-**

तुम्ही त्यांची बाजू घेता.

**रोहिदास पाटील :-**

मी बाजू घेत नाही.

**शशिकांत शहा :-**

माईक है। आप आरामसे बोलो। इतना प्रेशर क्यों करते हो।

**रोहित सुवर्णा :-**

इसलिए घंगाले के विषय मे ऐसा हुआ। घंगाले के विषयमे सत्ताधारी होते हुएभी हार गई। घंगाले के विषयमे क्या हुआ?

**मा. महापौर :-**

सन्मा. सदस्य ओमप्रकाश अग्रवाल यांनी मांडलेला 'ज' चा विषय हा रितसर गोषवा-यासहित विषयपटलावर पुढच्या सभेत आणण्याचा मी प्रशासनाकडून प्रस्ताव मागवते आणि हा विषय पुढील महासभेत ठेवण्यासाठी आपणा सर्वांना विनंती करते. कारण आपण हा विषय रितसर घेऊया कारण हयाची संपूर्ण माहिती हा 'ज' चा प्रस्ताव आपण दिलेला आहे. हयाचा गोषवारासुद्धा गरजेचा आहे. सर्व अधिका-यांना बसवून ही माहिती गोळा करून हा विषय रितसर आपण पुढील मिटिंगमध्ये घेऊया.

**ओमप्रकाश अग्रवाल :-**

मा. महापौर मॅडम, आम्ही ठराव दिलेला आहे.

(सन्मा. सदस्य श्री. ओमप्रकाश अग्रवाल यांनी ज खाली पत्रान्वये दिलेला प्रस्ताव)

**शरद पाटील :-**

मा. महापौर मॅडम, तीन वर्षे झाली हा विषय चालू आहे.

**रोहिदास पाटील :-**

मा. महापौरांनी जे घोषित केलेले आहे की हे यांचा ठराव देणार असाल.

**रोहित सुवर्णा :-**

मग हा विषय मतदानाला टाका.

**रोहिदास पाटील :-**

अशी सभा चालणार नाही.

**गजानन भोईर :-**

ठराव मतदानाला घ्या.

**रोहिदास पाटील :-**

तुम्ही हा ठराव फेटाळून लावा.

**रोहित सुवर्णा :-**

काय चालू आहे.

**मोहन पाटील :-**

हयाची माहिती अधिका-यांनी घ्यावी.

**शरद पाटील :-**

मा. महापौर मॅडम, हा विषय तीन वर्षांपासून चालू आहे. अधिकारी प्रशासनाला हयाची माहिती नाही का? त्यांनी प्रथम माहिती घेतलेली आहे का?

**मोहन पाटील :-**

मघाशी याबाबत उपमहापौरांनी सन्मा. सदस्य रोहित सुवर्णा यांना विनंती केली. आपण थोडेसे गप्प बसा. प्रत्येक विषयावर आपण बोलू नये. प्रत्येक विषयाला बोलल्यानंतर परिणाम असे होतात की मागच्या वेळेला जेव्हा जकातीचा विषय हायकोर्टात गेला. जेव्हा रिट पिटीशन दाखल केले सन्मा. सदस्य मिलन म्हात्रे यांनी वकील केले. ते आपल्या सर्वांना ज्ञात आहे. तरी त्याच्या कडून जो खर्च झालेला आहे. त्या खर्चाची भरपाई करावी असे निर्देश सन्मा. सदस्य मिलन म्हात्रे यांना हायकोर्टाने दिलेले आहेत.

**प्रकरण क्र. २१ :-**

सन्मा. सदस्य श्री. ओमप्रकाश गंगाधर अग्रवाल (गाडोदिया) यांचे दिनांक १६/०६/२००५ रोजीच्या पत्रान्वये दिलेला प्रस्ताव. - स्थायी समिती सभा दिनांक ०६/११/२००३ प्रकरण १५७, ठराव क्र. १३७, मिरा भाईंदर महानगरपालिका परिसरातील इमारती, स्वतंत्र बंगले, स्वतंत्र मालकीची घरे यांना ज्यावर्षी नगरपालिका/महानगरपालिका यांनी सर्वात प्रथम कर आकारणी करून घरपट्टी वसूल केली आहे त्यावर्षीचा निकष पकडून घरपट्टी लावणेबाबत.

**सुचना :-**

श्री. ओमप्रकाश (गाडोदीया) अग्रवाल आणलेला प्रस्ताव रितसर महासभेपुढे आणावा तसेच सदनिका रजीस्ट्रन करण्याबाबत विषय रितसर आणावा असा मी ठराव मांडत आहे.

**सुचक :- श्री. मोहन पाटील.**

**अनुमोदन :- श्री. शशिकांत शहा.**

**रोहिदास पाटील :-**

त्याचा काय संबंध आहे.

(सभागृहात गोंधळ)

**गजानन भोईर :-**

आताचा विषय परत होईल.

**रोहित सुवर्णा :-**

त्याच्या ऑफिसमध्ये तुम्ही येत होतात. ते तुम्ही विसरलात का? सगळी माहिती घ्यायला येत होतात. तुम्ही राजकारण शिकवतात. तुम्ही त्यांच्या ऑफिसमध्ये येउन बसत होते.

(सभागृहात गोंधळ)

**नयना म्हात्रे :-**

तुम्हाला हा विषय सभागृहात काढण्याची गरज काय?

**ओमप्रकाश अग्रवाल :-**

मा. महापौर मॅडम, आपली मेजॉरिटी आहे. सन्मा. सदस्य मोहन पाटीलसाहेब, तुम्ही संख्येचे बळ दाखवितात. मग संख्येचे बळ दाखवा. कशाला घाबरता?

**रोहित सुवर्णा :-**

सन्मा. सदस्य मिलन म्हात्रे यांनी मदत केली. म्हणून रु. २० कोटीचे टेन्डर वाचले लक्षात ठेवा.

**नयना म्हात्रे :-**

सन्मा. सदस्य मिलन म्हात्रे हयांच्यामुळे रु. २० कोटीचा नगरपालिकेला फायदा झाला ते तुम्ही बोलणार नाही का?

**रोहित सुवर्णा :-**

ते विसरले का?

**ओमप्रकाश अग्रवाल :-**

सन्मा. सदस्य मोहन पाटील प्रत्येक वेळेला संख्येचे बळ दाखवितात. आता संख्याबळ आहे का? दाखवा ना.

**नयना म्हात्रे :-**

या महानगरपालिकेला जर चाके असती तर तुम्ही कुठेतरी दर्यामध्ये टाकली असती महानगरपालिका.

**रोहित सुवर्णा :-**

रु. २० कोटीचा फायदा झाला होता. हे विसरु नका.

**मिलन पाटील :-**

अग्रवालने केला.

**नयना म्हात्रे :-**

कोण अग्रवाल?

**ओमप्रकाश अग्रवाल :-**

या सभागृहाला सन्मा. सदस्य मिलन पाटील यांनी सांगितले की स्थायी समिती आणि आमच्यामध्ये मेजोरिटी आहे. आता खरे तुम्ही मेजोरिटीने तुमच्याकडे संख्याबळ आहे. कशाला घाबरता?

**मा. उपमहापौर :-**

वारंवार सभागृहामध्ये वादळी वातावरण निर्माण होत आहे. हा विषय सर्वांच्या हिताचा आहे. आपला ठराव दुरुस्त झाला हे मी म्हणतो. सगळ्यांच्या हिताचे आहे. परंतु, त्याला त्या उपसुचना होत्या. आपला ठराव जो पार पडलेला आहे. त्याला ज्या उपसुचना होत्या. त्या उपसुचनांसह पुन्हा हा विषय महासभेपुढे आणावा. आम्ही आपला ठराव मान्य करतो. परंतु, ज्या उपसुचना आहेत त्या उपसुचनेसह तो ठराव पुढील सभेत आणता येईल.

**रोहिदास पाटील :-**

कोणत्या ठरावावर उपसुचना आहेत.

**मा. उपमहापौर :-**

इतर उपसुचना आहेत. पुढील सभेत तो विषय आणण्यात येईल.

**रोहिदास पाटील :-**

आवश्यक त्या सुचनांप्रमाणे ठराव मंजूर करा.

**आसिफ पटेल :-**

सन्मा. सदस्य रोहिदास पाटील ठराव मान्य करा.

**रोहित सुवर्णा :-**

माजी नगरसेवक बाळकृष्ण तेंडुलकर यांची आई वारलेली आहे.

**दुःखवटा ठराव क्र. २२ :-**

मिरा भाईदर महानगरपालिका हद्दीतील कै. सुरेंद्र भंडारी यांचे निधन झाले असून तसेच भाईदर (पूर्व) नवघर येथील कै. मोरेश्वर पाटील ह्यांच्या वहिनी काशिबाई भाऊराव पाटील यांचे दि. ०५/०६/२००५ रोजी निधन झालेले आहे व भाईदर (पश्चिम) येथील माजी नगरसेवक श्री. बाळकृष्ण तेंडुलकर यांच्या मातोश्री सुमती शिवराम तेंडुलकर यांचे दि. ०५/०६/२००५ रोजी निधन झालेले आहे.

तरी या सर्व मृतात्म्यांच्या कुटूंबियांच्या दुःखात ही महासभा सहभागी आहे. देव त्यांच्या मृतात्म्यास चिरशांती देवो ही प्रार्थना.

**सुचक :- श्री. रोहिदास पाटील.**

**अनुमोदन :- श्री. शरद पाटील.**

**ठराव सर्वानुमते मंजूर**

**सही/-**

**महापौर**

**मिरा भाईदर महानगरपालिका**

**मा. महापौर :-**

सर्व उपस्थित सन्मा. सदस्य, सन्मा. सदस्या, मनपा अधिकारी वर्ग आणि कर्मचारी वर्ग आपणा सर्वांचे आभार मानून आजची सभा संपल्याचे मी जाहिर करित आहे.

**सभा संपल्याची वेळ :- दुपारी ३.४५ वा.**

सही/-  
महापौर  
मिरा भाईंदर महानगरपालिका

नगरसचिव  
मिरा भाईंदर महानगरपालिका